

असम की डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन **चैंपियन ऑफ द अर्थ**

सारस की मां, घायलों का इलाज
चूजों के आगमन का भी जश्न

ये सेना घोंसलों की रक्षा करती हैं, घोंसलों से गिरे घायल सारसों का पुनर्वास करती हैं और नवजात चूजों के आगमन का जश्न मनाने के लिए बेबी शावर का आयोजन करती हैं
पूर्णिमा को व्हिटली गोल्ड अवार्ड (जिसे अक्सर ग्रीन ऑस्कर कहा जाता है) और नारी शक्ति पुरस्कार , जो भारत का महिलाओं के लिए सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है, से सम्मानित किया गया



मधुरिमा राजपाल ►► भोपाल

चैंपियन ऑफ द अर्थ पुरस्कार विजेता डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन, जब बच्ची थीं, तब से ही उन्हें सारस पक्षी (ग्रेटर एडजुटेड स्टॉक) से लगाव हो गया था, जो आगे चलकर उनके जीवन का जुनून बन गया। पांच साल की उम्र में बर्मन को असम राज्य में ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे अपनी नानी के साथ रहने के लिए भेज दिया गया। माता-पिता और भाई-बहनों से बिछड़कर वह बच्ची बेहद दुखी हो गई। उसका ध्यान भटकाने के लिए, बर्मन की नानी, जो एक किसान थीं, उसे पास के धान के खेतों और आर्द्रभूमि में ले जाने लगीं ताकि उसे वहां के पक्षियों के बारे में सिखा सकें। वे बताती हैं कि मैंने सारस और कई अन्य प्रजातियों को देखा। डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन ने अपने करियर का अधिकांश हिस्सा लुपत्राय ग्रेंटर एडजुटेड सारस को बचाने के लिए समर्पित किया है, जो दुनिया में सारस की दूसरी सबसे दुर्लभ प्रजाति है। आज वयस्क ग्रेटर एडजुटेड सारसों की संख्या 1,200 से भी कम है, जो एक सदी पहले की संख्या का 1 प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने 2007 में सारस के संरक्षण के लिए अपना अभियान शुरू किया, जिसका ध्यान असम के कामरूप जिले के उन गांवों पर केंद्रित था। बर्मन जानती थी कि उसे इस पक्षी के बारे में लोगों की धारणाओं को बदलना होगा, जिसे स्थानीय रूप से असमिया में हरगिला (जिसका अर्थ है हड्डी निगलने वाला) कहा जाता है, और उसने अपनी मदद के लिए गांव की महिलाओं के एक समूह को संगठित किया। आज हरगिला सेना में 10,000 से अधिक महिलाएं शामिल हैं। वे घोंसलों की रक्षा करती हैं, घोंसलों से गिरे घायल सारसों का पुनर्वास करती हैं और नवजात चूजों के आगमन का जश्न मनाने के लिए बेबी शावर का आयोजन करती हैं।

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

मदर्स डे पर विशेष

समाचार ही नहीं, विचार भी

मातृत्व की दुर्लभ दुनिया...

किसी ने परिंदों को सांसें दीं, किसी ने तितलियों को सहेजा
किसी का जीवन बंदर और गिलहरियों के लिए समर्पित

मातृत्व एक अहसास है। मां टूटी सांसों को फिर से जोड़ देती है। मां की करुणा किसी सीमा को नहीं मानती। किसी ने नाजुक तितलियों को सहेजने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया, तो किसी ने बंदरों और लंगूरों के पूरे कुनबे को बसा लिया। किसी के लिए आसमान से गिरा परिदा उसकी अपनी संतान की तरह प्यारा हो गया, जिसकी जान बचाने के लिए उसने दिन-रात एक कर दिया। ये केवल खबरें नहीं हैं, ये जीवित प्रमाण हैं उस शाश्वत सत्य के कि ममता की कोई सीमा नहीं होती। उसका कोई मूलगेन नहीं होता। ममता के अहसास में इंसानियत और कुदरत एक-दूसरे की बांहों में मुस्कुराते हैं। मदर्स डे पर हम आपको मिलाव रहे हैं ऐसी ही 'आधुनिक यशोदाओं' से, जिन्होंने समाज की बंटियों को तोड़कर बेजुबान और नाजुक बच्चों को अपनी ममता की छांव दी। पढ़िए मातृत्व की दुर्लभ कहानियां...जहां इंसानियत और कुदरत एक-दूसरे की बांहों में मुस्कुराते हैं।

हरगिला के रूपांकनों से सजे वस्त्र भी बना रहीं महिलाएं

बर्मन ने महिलाओं को बुनाई के करघे और धागा उपलब्ध कराने में भी मदद की है ताकि वे हरगिला के रूपांकनों से सजे वस्त्र बना और बेच सकें। यह उद्यमशीलता न केवल पक्षी के प्रति जागरूकता फैलाती है, बल्कि महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता में भी योगदान देती है, उनकी आजीविका को बढ़ावा देती है और सारस को बचाने के अपने काम में गर्व और स्वात्मिक की भावना पैदा करती है। बर्मन द्वारा संरक्षण कार्यक्रम शुरू करने के बाद से, कामरूप जिले के दादरा, पचरिया और खिंगिमारी गांवों में घोंसलों की संख्या 28 से बढ़कर 250 से अधिक हो गई है, जिससे यह दुनिया में ग्रेटर एडजुटेड स्टॉक की सबसे बड़ी प्रजनन कॉलोनी बन गई है। 2017 में बर्मन ने लुपत्राय पक्षियों के अंडे सेने के लिए ऊंचे बांस के घोंसले के चबूतरे बनाना शुरू किया। उनके प्रयासों का फल कुछ वर्षों बाद मिला जब इन प्रायोगिक चबूतरों पर ग्रेटर एडजुटेड स्टॉक के पहले चूजे निकले।



महेंद विश्वकर्मा ►► जगदलपुर

कांगेर घाटी के घने जंगलों में जब सूरज की पहली किरण पड़ती है, तो मनीषा नाग और उनकी संख्याएं उन पौधों की देखरेख में जुट जाती हैं, जहां नन्हें तितलियों का बसेरा है। इन्होंने केवल पौधे नहीं लगाए, बल्कि तितलियों के जीवन चक्र को बचाने की जिम्मेदारी उठाई है। ये 'तितली दींदिया' जानती हैं कि कब अंडे से लार्वा निकलेगा और कब उसे पोषण की जरूरत होगी। एक मां की तरह ये सुनिश्चित करती हैं कि उनके इलाके में तितलियों के लिए मकसंद (रस) से भरे फूल हमेशा खिलते रहें।

हिमालय का बस्तर से 'रेशमी' रिश्ता

शोध बताते हैं कि हिमालयन वैली का ओडिशा के ईस्टर्न घाट के जरिए बस्तर से गहरा जुड़ाव है। 'हिमालयन वैगरेट' बटरफ्लाई को मध्य भारत में 148वीं प्रजाति के रूप में रिकॉर्ड किया गया है, और कांगेर नेशनल पार्क की ममत्व भरी छांव में इनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। मनीषा बताती हैं, ये हमारे लिए सिर्फ कीट नहीं, हमारे बच्चे हैं। जब एक तितली अपने पंख फैलाकर पहली उड़ान भरती है, तो हमें वही खुशी होती है जो एक मां को अपने बच्चे को पहला कदम चलते देखकर होती है। संरक्षण का ही नतीजा है कि यहां ऑरेंज ओक लीफ, कॉमन जेम और ब्लू मॉर्मन जैसी दुर्लभ तितलियां बेझोफ उड़ान भर रही हैं। हाल ही में हिमालय से चलकर आई 'हिमालयन वैगरेट' का यहाँ मिलना इस बात का प्रमाण है कि इन महिलाओं ने बस्तर की माटी में ममत्व की कितनी गहरी जड़ें जमाई हैं।



143 प्रजातियों का 'भरा-पूरा कुनबा'

नाजुक पंखों की 'ढाल' बनीं ये बेटियां

चार बच्चों की मां रीटा की 'पांचवीं संतान' हैं कबूतर, सीरिज से दूध पिलाकर बचाई थी जान



जुगल किशोर पटेल ►► सीहोर

मां केवल वह नहीं होती जो अपनी कोख से जन्म दे, बल्कि माँ वह ममतामयी छांव है जो किसी भी बेजुबान के दर्द को अपना बना ले। मदर्स डे के इस विशेष अवसर पर हम आपको मिलाव रहे हैं सीहोर की वाल्मीकि कॉलोनी निवासी रीटा खरे (48 वर्ष) से, जिनकी ममता की चर्चा आज पूरे क्षेत्र में है। रीटा जी के चार बच्चे (दो बेटे और दो बेटियां) तो हैं ही, लेकिन वे अपने घर में पल रहे दर्जनों कबूतरों को अपनी पांचवीं संतान मानती हैं।

रीटा खरे बताती हैं कि यह सिलसिला करीब 12 साल पहले शुरू हुआ था। एक नन्हा सा

कबूतर का बच्चा भटककर उनके घर आ गया था, जिसकी मां को चील ने मार दिया था। वह बेजुबान भूख और प्यास से तड़प रहा था। उनका मातृत्व जाग उठा और उन्होंने उसे गोद ले लिया। वे कहती हैं, वह इतना छोटा था कि खुद खा भी नहीं पाता था। मैंने उसे सीरिज की मदद से दाना-पानी खिलाया और बड़े लाड़-प्यार से पाला। उन्होंने उस कबूतर का नाम 'लख्खा' रखा। लख्खा को अपनी इस मां से इतना लगाव हो गया कि रीटा जहां भी जातीं, वह उनके पीछे-पीछे उड़कर पहुंच जाता। यहीं से रीटा का पक्षियों के प्रति ऐसा लगाव शुरू हुआ जो आज एक बड़े परिवार में बदल चुका है।

बेटा मानता है इन्हें भाई-बहन, मुर्गों का अनोखा बसेरा

मां की इस अटूट ममता का असर उनके बच्चों पर भी पड़ा है। श्रीमती खरे का बेटा आनंद इन कबूतरों की सेवा में अपनी मां का पूरा हाथ बंटता है। आनंद इन पक्षियों को महज पक्षी नहीं, बल्कि अपने भाई-बहन की तरह मानता है और उनकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखता है। इतना ही नहीं इस घर की जीव-दया केवल कबूतरों तक सीमित नहीं है। श्रीमती खरे के यहां 8-10 मुर्गे-मुर्गिया भी हैं, जो किसी बंद पिंजरे में नहीं रहती। ये बेजुबान भी परिवार के अनुशासन को समझते हैं, शाम ढलते ही ये सभी घर के सामने लगे पेड़ पर जाकर बैठ जाते हैं और वहीं अपनी रात बिताते हैं।

►► वाल्मीकि कॉलोनी की रीटा खरे की अनोखी ममता, घर में चहकते हैं 60 से ज्यादा कबूतर

►► 12 साल पहले एक अनाथ चूजे से शुरू हुआ सफर, अब बन गया है परिवार का अटूट हिस्सा



घर में 250 कबूतरों का रहा है बसेरा

एक समय ऐसा था जब श्रीमती खरे के घर में 200 से 250 कबूतर हुआ करते थे। वर्तमान में भी उनके घर की छत पर बने विशेष पिंजरे में 50 से 60 कबूतर चहकते हैं। खास बात यह है कि रीटा इन पक्षियों को केवल पालती हैं, उन्हें कभी बेचती नहीं हैं। उनके लिए ये पक्षी व्यापार नहीं, बल्कि जीवन का हिस्सा हैं। वे कहती हैं जैसे मैं अपने चार बच्चों का ख्याल रखती हूँ, वैसे ही इनका दाना-पानी और सेहत मेरी जिम्मेदारी है, ये मेरी जान हैं।



आज के दौर में जहां इंसान अपने जीवन की भागदौड़ में प्रकृति और बेजुबान जीवों से दूर होता जा रहा है, वहीं धमतीरी की 29 वर्षीय भूमिका मूलवानी पक्षियों और छोटे जीवों के लिए मां का फर्ज निभाकर मानवता की मिसाल पेश कर रही हैं। शिवराज ग्रीन निवासी भूमिका पिछले 11 वर्षों से घायल पक्षियों का उपचार, अनाथ चिड़ियों के बच्चों का पालन-पोषण और लोगों में पक्षियों के प्रति दया व प्रेम की भावना जागृत करने का कार्य निस्वार्थ भाव से कर रही हैं।

बेजुबान की मां... घायलों का इलाज, देती हैं प्यार का आसरा

उमेश वशिष्ठ ►► धमतरी

विद्याकुंज स्कूल लोहरसी में सुपरवाइजर के रूप में कार्यरत भूमिका अपने व्यस्त जीवन से समय निकालकर उन बेजुबान पक्षियों की सेवा में लगी रहती हैं, जिनकी ओर अक्सर लोग ध्यान नहीं देते। 2016 में दोस्तों के साथ मिलकर उन्होंने लोगों को पक्षियों के लिए दाना-पानी रखने के लिए प्रेरित करना शुरू किया था। पक्षियों के लिए लकड़ी के छोटे-छोटे घर भी बांटती हैं और लोगों को यह भी सिखाती हैं कि पक्षियों के साथ संवेदनशील बनें और अपनेपन का व्यवहार करें। भूमिका मूलवानी ने बताया कि धमतरी के फुटहामुड़ा जंगल क्षेत्र में कई दुर्लभ और सुंदर पक्षी देखने को मिलते हैं। यहां पैराडाइज फ्लाईकैचर, ब्लैक मोनार, इंडियन पिट्टा और नीलकंठ जैसे पक्षियों की मौजूदगी पर्यावरण की समृद्धि को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि कुछ प्रवासी पक्षी अफ्रीका तक से यहां आते हैं, जिनकी गतिविधियों का अध्ययन और फोटोग्राफी भी वे वर्षों तक करती रहीं।



भूमिका ने बताया कि उनकी यह यात्रा गंगरेल क्षेत्र में पक्षियों की फोटोग्राफी से शुरू हुई थी। वहां प्रवासी और दुर्लभ पक्षियों को देखने के दौरान उन्होंने घायल और मृत पक्षियों की स्थिति देखी। लोग घायल गोरैया, कबूतर, तोता, बाज और गिलहरी जैसे जीव उनके पास लाने लगे। आज वे सैकड़ों घायल पक्षियों और जीवों का उपचार कर उन्हें दोबारा स्वस्थ कर प्रकृति में छोड़ चुकी हैं। भूमिका बताती हैं कि शुरुआती दिनों में पक्षी उनसे डरते थे, लेकिन कुछ दिनों बाद वे इतने घुलमिल जाते कि घर के सदस्य जैसे बन



बुलाएंगे तो आएं पक्षी, वे प्यार समझते हैं

भूमिका ने आम लोगों से आधील करते हुए कहा कि यदि हम चाहते हैं कि हमारे आसपास हमेशा पक्षियों की चहचहाहट गूंजती रहे, तो हमें अपने घरों के आसपास अधिक से अधिक फलदार और छायादार पेड़ लगाने चाहिए। साथ ही गर्मी के दिनों में सकोरे में पानी और दाना रखना चाहिए। फलों के छोटे



टुकड़े रखने से बुलबुल, गिलहरी और अन्य पक्षी भी आकर्षित होते हैं। उन्होंने कहा कि पक्षियों की रक्षा केवल वन विभाग या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। छोटी-छोटी कोशिशें ही आने वाली पाँदियों के लिए प्रकृति को सुरक्षित रख सकाती हैं।

मरे और घायल पक्षियों को देख जागी करुणा



भूमिका ने बताया कि उनकी यह यात्रा गंगरेल क्षेत्र में पक्षियों की फोटोग्राफी से शुरू हुई थी। वहां प्रवासी और दुर्लभ पक्षियों को देखने के दौरान उन्होंने घायल और मृत पक्षियों की स्थिति देखी। लोग घायल गोरैया, कबूतर, तोता, बाज और गिलहरी जैसे जीव उनके पास लाने लगे। आज वे सैकड़ों घायल पक्षियों और जीवों का उपचार कर उन्हें दोबारा स्वस्थ कर प्रकृति में छोड़ चुकी हैं। भूमिका बताती हैं कि शुरुआती दिनों में पक्षी उनसे डरते थे, लेकिन कुछ दिनों बाद वे इतने घुलमिल जाते कि घर के सदस्य जैसे बन

जाते थे। कई बार ऐसा भी हुआ कि स्वस्थ होकर उड़ाए गए पक्षी फिर वापस उनके घर लौट आए। इसके अलावा भूमिका मूलवानी ने बताया कि उनके पास एक बार गंभीर रूप से घायल अवस्था में उल्लू भी लाया गया था। उन्होंने उसकी देखभाल कर प्राथमिक उपचार किया और स्वस्थ होने के बाद उसे वन विभाग को सौंप दिया। बाद में वन विभाग द्वारा उस उल्लू को रायपुर स्थित नंदवन जंगल सफारी में सुरक्षित रूप से रिहा किया गया। यह अनुभव उनके लिए बेहद भावुक और प्रेरणादायक रहा।

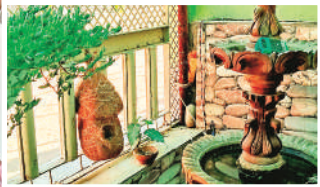
जाते थे। कई बार ऐसा भी हुआ कि स्वस्थ होकर उड़ाए गए पक्षी फिर वापस उनके घर लौट आए। इसके अलावा भूमिका मूलवानी ने बताया कि उनके पास एक बार गंभीर रूप से घायल अवस्था में उल्लू भी लाया गया था। उन्होंने उसकी देखभाल कर प्राथमिक उपचार किया और स्वस्थ होने के बाद उसे वन विभाग को सौंप दिया। बाद में वन विभाग द्वारा उस उल्लू को रायपुर स्थित नंदवन जंगल सफारी में सुरक्षित रूप से रिहा किया गया। यह अनुभव उनके लिए बेहद भावुक और प्रेरणादायक रहा।

अपने घर को गौरैया और अन्य पक्षियों के लिए सुरक्षित आश्रय में बदल दिया

परिंदों की ममता से भरा आंगन, गौरैया की 'मां' बनीं सीमा मिश्रा

संदीप दुबे ►► रायसेन

शहर की साईं बिहार कॉलोनी, वार्ड-4 में रहने वाली सीमा मिश्रा का घर इन दिनों सिर्फ एक मकान नहीं, बल्कि परिंदों की चहचहाहट से गुंजता एक जीवंत संसार बन गया है। जहां एक ओर लोग आधुनिक जीवनशैली में प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं, वहीं सीमा मिश्रा ने अपने घर को गौरैया और अन्य पक्षियों के लिए सुरक्षित आश्रय में बदल दिया है। सीमा मिश्रा ने घर में न सिर्फ लव बर्ड जैसी चिड़ियों को पाला है, बल्कि तेजी से विलुप्त होती गौरैया के संरक्षण का जिम्मा भी अपने कंधों पर उठाया है। उनके घर की गैलरी, आंगन और दीवारों पर लगे लकड़ी और गत्ते के छोटे-छोटे बाँस अब गौरैया के घर बन चुके हैं। इन घोंसलों में तिनकों, घास-फूस से बने घरों में गौरैयां ने अंडे दिए और अब उनमें से चूजे भी निकल चुके हैं। करीब आठ घोंसलों में दर्जनभर से ज्यादा पक्षी सुरक्षित जीवन बिता रहे हैं।



मेरी माँ मेरी सबसे बड़ी शिक्षिका थी। उन्होंने मुझे मेरी क्षमताओं पर विश्वास करना सिखाया और कभी हार न मानने के लिए प्रेरित किया : थॉमस एडिसन

नाम सुनकर सीमा मिश्रा के पास चली आती हैं चिड़ियां

सीमा मिश्रा पक्षियों को नाम से पुकारती हैं जैसे 'नीरू', 'विमी' और आश्चर्य की बात यह है कि उनकी आवाज पहचानकर यह चिड़ियां उनके पास चली आती हैं। अगर कोई पक्षी बीमार हो जाता है, तो सीमा खुद उसकी देखभाल करती हैं। मौसम के अनुसार उनका खानपान भी तय किया जाता है। गर्मियों में उबले चावल, तरबूज, खरबूज, अंगूर और अंकुरित दाल दी जाती है। सर्दियों में बाजरा, मक्का और ज्वार जैसे अनाज खिलाए जाते हैं, जबकि बारिश के मौसम में नाशपाती और सेव जामुन भी उनके आहार में शामिल होते हैं। पक्षियों के लिए नहाने और पानी पीने के छोटे-छोटे कुंड भी बनाए गए हैं, ताकि उन्हें प्राकृतिक वातावरण का अहसास मिल सके।

बचपन से ही पक्षियों से खास लगाव

सीमा बताती हैं कि उन्हें बचपन से ही पक्षियों से खास लगाव रहा है। उनका मायका नर्मदापुरम जिले में है, जहां उन्होंने अपने बचपन में घरों के आंगन और रोशनदानों में फुदकती गौरैया को करीब से देखा। वहीं संस्कार ससुराल का मकान आज भी उनके जीवन का हिस्सा है। इस कार्य में उनके पति समाजसेवी प्रवीण मिश्रा का भी पूरा सहयोग मिला है। सीमा मिश्रा सिर्फ पक्षियों को आश्रय ही नहीं देतीं, बल्कि उनकी देखभाल एक मां की तरह करती हैं।

पक्षियों के लिए तैयार किए घर

गौरैया के अलावा सीमा मिश्रा को अन्य पक्षियों का भी शौक है। उनके पास कबूतर, तोते, शेफर्ड पक्षी और रंग-बिरंगे विदेशी बर्ड्स भी हैं, जिनके लिए उन्होंने जालीनुमा सुरक्षित घर तैयार किया है। उनके खाने-पीने, उड़ने-फुदकने और नहाने की पूरी व्यवस्था वह खुद करती हैं। आज जब लोग अपने व्यस्त जीवन में प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं, ऐसे में सीमा मिश्रा जैसी महिलाएं उम्मीद की किरण बनकर सामने आती हैं। उन्होंने यह साबित कर दिया कि अगर मन में संवेदनशीलता हो, तो घर का एक छोटा सा हिस्सा भी जीव-जंतुओं के लिए स्वर्ग बन सकता है। मदर्स डे के अवसर पर सीमा मिश्रा सिर्फ अपने दोनों बच्चों की ही नहीं, बल्कि दर्जनों परिंदों की भी मां हैं—जो हर सुबह उनके आंगन में चहचहाकर परिंदे उनके प्यार का धन्यवाद करते हैं।





एसीएस दुबे की चेतावनी बारिश में पानी भरा तो एफआईआर कराऊंगा

हरिभूमि न्यूज़ ►► ग्वालियर

एसीएस ने अफसरों की लापरवाही पर जताई नाराजगी

ग्वालियर में सीवरेज और पेयजल परियोजनाओं के निरीक्षण के बाद एसीएस संजय दुबे और आयुक्त संकेत भोंडवे के निर्देश पर 4 अफसरों पर कार्रवाई की गई। नगर निगम के कार्यपालन यंत्री संजीव कुमार गुप्ता को सस्पेंड कर दिया गया। बड़ौनी के सीएमओ यशवंत राठौर और भितरवार के सब इंजीनियर पीयूष गुप्ता के निलंबन के निर्देश दिए गए हैं। अकोड़ा सीएमओ अवतार सिंह सेंगर को हेल्थ इश्यू के चलते अटैच किया गया है। निरीक्षण के दौरान एसीएस दुबे जीवाजीगंज के पास पहुंचे तो उन्हें नाले में ►► **शेष पेज 4 पर**

सीवेज लाइन के निर्माण में लापरवाही पर ईई संजीव गुप्ता सहित 4 इंजीनियर सस्पेंड



एसीएस संजय दुबे अधिकारियों से चर्चा करते हुए

एसीएस बोले- 90 डिग्री टर्न से बारिश प्लो कैसे निकलेगा ?

चेतकपुरी रोड से गुजरने वाले नाले पर पहुंच कर एसीएस ने ईई सुरेश अहिरवार से पूछा नाला पहले कहां से निकल रहा था और अब कहां जा रहा है? उन्होंने बताया कि पहले नाला महल में होकर जाता था। अब नाले को टर्न कर दिया है। स्पोर्ट पर खड़े होकर कहा ये तो 90 डिग्री टर्न दिया है। बारिश प्लो कैसे निकलेगा ? एसीएस ने गोरखी मल्टी लेवर पार्किंग में भरे पानी का ►► **शेष पेज 4 पर**

10 साथियों के साथ आया लिव-इन पार्टनर, कार में डालकर ले गया

22 साल की मां और 3 माह की बच्ची का किया अपहरण

हॉकी और डंडे लेकर घर में घुसा

हरिभूमि न्यूज़ ►► शिवपुरी



सीसीटीवी में आरोपी

शिवपुरी के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक युवती और उसकी तीन माह की बच्ची के अपहरण का मामला सामने आया है। युवती के लिव-इन पार्टनर ने अपने 10 साथियों के साथ मिलकर इस पूरी वारदात को अंजाम दिया है। आरोपी हथियार लेकर घर में घुसे और परिजनों से मारपीट कर मां-बेटी को जबरन कार में डालकर ले गए। पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित अन्य के खिलाफ अपहरण और एससी-एसटी एक्ट का केस दर्ज कर लिया है। शिवपुरी पब्लिक स्कूल के पास रहने वाली नीलम गुहारिया ने पुलिस को बताया कि उनकी 22

वर्षीय बेटी महक तीन साल से करैरा निवासी पुष्पेंद्र चौहान के साथ इंदौर में लिव-इन रिलेशनशिप में थी। दोनों की तीन माह की एक बच्ची आरोही भी है। पुष्पेंद्र उसे परेशान करता था, इसलिए महक कुछ समय से बच्ची के साथ शिवपुरी आकर माता-पिता के साथ रह रही थी। नीलम के मुताबिक 8 मई की रात करीब 8:35 बजे पुष्पेंद्र अपने साथियों के साथ हथियार, हॉकी और डंडे लेकर ►► **शेष पेज 4 पर**

दिल्ली पुलिस का ऑपरेशन गैंग बस्ट-2

पृथ्वीपुर के युवक अनमोल को उठाया, पाक गैंगस्टर के लिए कर रहा था काम

5 राज्यों में 1,014 ठिकानों पर छापेमारी की

हरिभूमि न्यूज़ ►► टीकमगढ़



अनमोल राय

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने ऑपरेशन गैंग बस्ट-2 के तहत पाकिस्तान समर्थित आतंकी एवं अपराधिक नेटवर्क का बड़ा खुलासा करते हुए अविभाजित टीकमगढ़ जिले (वर्तमान में निवाड़ी जिला) के पृथ्वीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नैगुआ निवासी लगभग 17 वर्षीय युवक अनमोल राय को 6 से 7 मई को रात में नैगुआ से उसके घर से गिरफ्तार किया है। अनमोल ने नैगुआ ग्राम में स्थित निहाल झा की दुकान से कुछ दस्तावेज ऑनलाइन डाऊनलोड किए थे। ग्रामीणों ने बताया कि 6 या 7 मई को ही दिल्ली से टीम आई थी और अनमोल राय, विशाल राजपूत ►► **शेष पेज 4 पर**

दिल्ली पुलिस ने ध्वस्त किया नेटवर्क

पुलिस के अनुसार यह मांड्यूल पाकिस्तान में बैठे गैंगस्टर शहजाद भट्टी और आईएसआई समर्थित नेटवर्क के इशारों पर काम कर रहा था। दिल्ली पुलिस ने इस नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए 48 घंटे के भीतर 5 राज्यों में 1,014 ठिकानों पर छापेमारी ►► **शेष पेज 4 पर**

बड़ा एक्शन : 100 करोड़ से अधिक के फर्जी जीएसटी बिल और मनी लाड्रिंग मामले में चंडीगढ़ सहित कई ठिकानों पर छापेमारी

शनिवार तड़के पहुंची ईडी ने कई ठिकानों पर दस्तावेज खंगाले फिर एक्शन हुआ

एजेंसी ►► चंडीगढ़

पंजाब के स्थानीय सरकार एवं संसदीय कार्य मंत्री संजीव अरोड़ा को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, ईडी की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई थी। ईडी की टीम अरोड़ा से लंबे समय तक पूछताछ करती रही और उन्हें आगे की जांच के लिए दिल्ली ले जाया जा सकता है। शनिवार सुबह करीब सात बजे ईडी की टीमों ने स्थित सेक्टर-2 आवास समेत दिल्ली, गुरुग्राम और अन्य ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की थी। कार्रवाई के दौरान सीआईएसएफ और सीआरपीएफ के जवान भी सुरक्षा में तैनात रहे। टीमों ने कई घंटों तक वित्तीय दस्तावेजों, कारोबारी लेनदेन और डिजिटल रिकॉर्ड की जांच की। यह कार्रवाई कथित फर्जी जीएसटी खरीद, मनी लाड्रिंग और निर्यात से जुड़े लेन-देन की जांच के तहत की गई। जांच एजेंसी को संदेह है कि मोबाइल फोन कारोबार से जुड़े फर्जी बिलों के जरिए करोड़ों रुपए के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) ►► **शेष पेज 4 पर**

दुबई से जुड़े फंड ट्रान्जैक्शन और राउंड ट्रिपिंग की भी जांच की जा रही



लगभग 2 दर्जन गाड़ियों में पहुंचे थे अधिकारी

साल भर के भीतर तीसरी बार ईडी पहुंची अरोड़ा के घर, 24 घंटे में बयान आएगा ईडी का

टीमों ने घंटों तक वित्तीय दस्तावेजों, कारोबारी लेनदेन और डिजिटल रिकॉर्ड की जांच की

आप बोली- यह राजनीतिक प्रतिशोध

ईडी की कार्रवाई के बाद पंजाब की राजनीति भी गरमा गई है। आम आदमी पार्टी ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताया है, जबकि विपक्ष लगातार सरकार पर निशाना साध रहा है। मुख्यमंत्री

भगवंत मान पहले ही केंद्र सरकार और भाजपा पर एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा चुके हैं। वहीं विपक्षी दलों का कहना है कि यदि जांच हो रही है तो सच्चाई सामने आनी चाहिए। बताया

जा रहा है कि आने वाले 24 घंटों में ईडी की ओर से मामले में आधिकारिक जानकारी साझा की जा सकती है। फिलहाल पूरे घटनाक्रम पर पंजाब की राजनीतिक नजरें टिकी हुई हैं।

न कोई कॉल आया, न कोई ओटीपी रतलाम में पटवारी के खाते से उड़े 2.93 लाख रुपए

हरिभूमि न्यूज़ ►► रतलाम



रतलाम में साइबर ठगों ने एक पटवारी के बैंक खाते से बिना किसी ओटीपी और कॉल के 2.93 लाख रुपए निकाल लिए। शहर के काटजू नगर निवासी पटवारी अशोक योगी के एसबीआई खाते से 27 से 29 अप्रैल के बीच तीन अलग-अलग ट्रान्जैक्शन में यह राशि ट्रांसफर की गई है। 30 अप्रैल को जब उन्होंने अपना बैंक ►► **शेष पेज 4 पर**

अमरावती से उज्जैन जा रहे थे चार दोस्त खंडवा में कार पलटी, एक की मौत, दो युवतियां घायल

हरिभूमि न्यूज़ ►► खंडवा



खंडवा में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात एक बजे दर्दनाक हादसा हो गया। कार पलटने से सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कार में बैठी दो युवतियां घायल हैं, ड्राइवर को सकुशल है। चारों दोस्त महाराष्ट्र के अमरावती के रहने वाले हैं। वहां से उज्जैन स्थित महाकाल ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने जा रहे थे। रास्ते में हादसा हुआ ►► **शेष पेज 4 पर**

आईसीएमआर बोला- भारत सेफ कूज शिप में हंता वायरस तीन लोगों की मौत हो गई

एजेंसी ►► नई दिल्ली



कूज शिप में फैले हंता वायरस संक्रमण ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक एमवी हॉंडियस शिप में हंता वायरस का संक्रमण सामने आया था। इसमें पांच लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई जिसमें से तीन की मौत भी हो चुकी है। चालक दल सदस्यों में दो भारतीयों के भी ►► **शेष पेज 4 पर**

हैदराबाद में रैली को संबोधित करने के साथ 9,400 करोड़ की सौगात देंगे आज तेलंगाना और कर्नाटक जाएंगे पीएम मोदी, कई परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी ►► नई दिल्ली

प्रधानमंत्री बेंगलुरु में आर्ट ऑफ लिविंग की 45वीं वर्षगांठ के समारोह में भाग लेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को कर्नाटक और तेलंगाना की यात्रा पर जाएंगे। सुबह लगभग 11 बजे प्रधानमंत्री बेंगलुरु में आर्ट ऑफ लिविंग की 45वीं वर्षगांठ के समारोह में भाग लेंगे और इस अवसर पर सभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री हैदराबाद के लिए रवाना होंगे। प्रधानमंत्री हैदराबाद में एक रैली को संबोधित करने के साथ 9,400 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। यह ►► **शेष पेज 4 पर**

कल सोमनाथ मंदिर पहुंचेंगे पीएम

प्रधानमंत्री 10-11 मई, 2026 को गुजरात का दौरा करेंगे वे 10 मई की रात को जामनगर पहुंचेंगे 11 मई को प्रधानमंत्री सुबह लगभग 10:15 बजे सोमनाथ मंदिर में सोमनाथ अमृत महोत्सव में भाग लेंगे इसके बाद प्रधानमंत्री वडोदरा के लिए रवाना होंगे, जहां वे शाम लगभग 6 बजे सरदारधाम ►► **शेष पेज 4 पर**

अमेरिका के राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस के अवसर पर...

व्हाइट हाउस में गुंजे यजुर्वेद के मंत्र, ट्रंप बोले- अमेरिका की पहचान ईश्वर से जुड़ी

प्रति वर्ष मई के पहले गुरुवार को मनाया जाता है

एजेंसी ►► नई दिल्ली

दुनिया की सबसे ताकतवर इमारतों में गिने जाने वाले व्हाइट हाउस में गुरुवार को वैदिक मंत्रों की गुंज सुनाई दी। अमेरिका के राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस के अवसर पर हिंदू परंपरा के अनुसार शांति पाठ किया गया, जिससे पूरा माहौल आध्यात्मिक ऊर्जा और सनातन संस्कृति की ध्वनि से भर उठा। न्यू



मंत्रों का उच्चारण करते पंडित

जसी स्थित बौद्धोंएस स्वामीनारायण संस्था के एक स्वयंसेवक ने व्हाइट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया और यजुर्वेद के शांति पाठ का उच्चारण किया।

विश्व शांति की कामना की गई

वैदिक मंत्रों में आकाश, पृथ्वी, जल, वनस्पतियों, देवताओं और सम्पूर्ण सृष्टि में शांति की कामना की गई। प्रति वर्ष मई के पहले गुरुवार को मनाया जाता है। अमेरिका में राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस हर वर्ष मई के पहले गुरुवार को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 1952 में अमेरिकी कांग्रेस द्वारा पारित कानून के तहत हुई थी। इस वर्ष ►► **शेष पेज 4 पर**

भोपाल में 41 डिग्री पर गर्मी

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

राजधानी सहित कुछ जिलों में शनिवार को मौसम का मिजाज बदला रहा। कुछ जिलों में आंधी-बारिश के साथ ओले गिरे, जबकि भोपाल में दोपहर बाद करीब 4 बजे उत्तरी और पूर्वी हिस्से में काले बादल घिरे और कुछ हिस्सों में हल्की बौछारें पड़ीं।

शेष शहर में धूप खिली रही, इससे उमस बढ़ गई। शनिवार को पश्चिमी मप्र के कुछ जिलों में पारा औसतन एक डिग्री तक घट-बढ़ के साथ सामान्य से औसतन दो डिग्री तक अधिक रहा। इससे गर्मी ►► **शेष पेज 4 पर**

आज नया डब्ल्यूडी आने से 13 से 14 मई के आसपास अधिकांश जिलों में आंधी-बारिश और कुछ हिस्सों में ओले गिरेंगे

रतलाम 44 डिग्री पर तपा, भोपाल में बादल कुछ जिलों में आंधी-बारिश के साथ ओले गिरे



राजधानी के पुलिस कंट्रोल रूम के पास का बारिश का दृश्य, रात्रि 8:15 बजे

यहां देर थान आंधी-बारिश व ओले

शनिवार को दोपहर से देर शाम के बीच भोपाल के अलावा बैतूल, पाटणा, सिवनी, डिंडोरी और अनूपपुर में आंधी के बौछारें और कुछ जगह ओले गिरे। रायसेन, गुना, विदिशा, राजगढ़, सागर, जबलपुर, दमोह, बालाघाट, मंडला, उमरिया, शहडोल और छिंदवाड़ा में भी आंधी के साथ बौछारें पड़ीं। रविवार को नर्मदापुरम, बैतूल, अशोकनगर, शिवपुरी, सिंगरोली, सोधी, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी में अंधड़ के साथ हल्की बारिश का अलर्ट है।

इसलिए 14 मई के आसपास बारिश

विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार अभी पूर्वी मध्य प्रदेश और आसपास के हिस्सों में एक साइक्लोनिक सकुलेंशन है। साथ ही एक ट्रफ पूर्वी राजस्थान से होकर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ से होकर गुजर रही है। इससे कुछ जिलों में मौसम बदल रहा है। रविवार को नया डब्ल्यूडी आने के बाद 13 मई ►► **शेष पेज 4 पर**



पीएम मोदी ने मंच पर दंडवत प्रणाम किया

एनडीए और भाजपा शासित राज्यों के 20 मुख्यमंत्री भी कार्यक्रम में पहुंचे

सुवेदु बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री, पीएम मोदी ने बंगाल की जनता का कुछ इस अंदाज में जताया आभार

आपने जिताया, आपको ‘दंडवत प्रणाम’



एजेसी ►► कोलकाता

सुवेदु अधिकारी शनिवार को पश्चिम बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बन गए। सुवेदु ने बांग्ला में ईश्वर के नाम की शपथ ली। शपथ के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को झुककर प्रणाम किया। सुवेदु के साथ 5 और विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, धुदीराम टूडू और निषिथ प्रमाणिक शामिल रहे। कार्यक्रम में पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान समेत कई केंद्रीय मंत्री मौजूद थे। एनडीए और भाजपा शासित राज्यों के 20 मुख्यमंत्री भी कार्यक्रम में पहुंचे। पीएम रोड शो करते हुए कार्यक्रम में पहुंचे, मंच पर रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद वे भाजपा के 98 साल के कार्यकर्ता माखनलाल सरकार के पास गए, उन्हें शॉल ओढ़ाया और पैर छुए। शपथ ग्रहण समारोह के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मारे गए भाजपा कार्यकर्ता देवाशीष मंडल, सौमित्र ►►शेष पेज 4 पर

शपथ लेने भगवा कुर्ता पहनकर आए सुवेदु अधिकारी



पीएम मोदी ने सुवेदु की पीठ थपथपाई

►► दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल अशोक कीर्तनिया, धुदीराम टूडू, निषिथ प्रमाणिक मंत्री बने, बांग्ला में शपथ ली

►► पीएम रोड शो करते हुए कार्यक्रम में पहुंचे, मंच पर रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी



पीएम भाजपा के 98 साल के कार्यकर्ता माखनलाल सरकार के पास गए, उन्हें शॉल ओढ़ाया और पैर छुए

माखनलाल सरकार ने डॉ. मुखर्जी के साथ काम किया, जीवन पार्टी को समर्पित किया

पीएम ने लिखा कि कोलकाता में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मुझे माखनलाल सरकार से मिलने का अवसर मिला। एक कट्टर राष्ट्रवादी के तौर पर उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ काम किया और उनके साथ रहते हुए जम्मू-कश्मीर में उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। उन्होंने अपना पूरा जीवन हमारी पार्टी को समर्पित कर दिया। उन्होंने पूरे पश्चिम बंगाल में पार्टी का आधार ►►शेष पेज 4 पर

► सीएम डॉ. यादव ने कहा सुशासन, सुरक्षा और विकास के नवयुग का अब शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में नई सरकार के गठन के साथ सुशासन, सुरक्षा और विकास के एक नवयुग का शुभारंभ हो गया है। पश्चिम बंगाल अब सच्चे अर्थों में 'आमार सोनार बांग्ला' बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं पश्चिम बंगाल के नवनियुक्त मुख्यमंत्री सुवेदु अधिकारी के नेतृत्व में यह राज्य अब अपने पुराने गौरव और वैभव को प्राप्त कर नए-नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। डॉ. यादव शनिवार को कोलकाता के बिग्रेड पेरड ग्राउंड में हुए पश्चिम बंगाल की नवगठित राज्य सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। उन्होंने सुवेदु अधिकारी को लोक कल्याण के इस नए दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं दीं।



नवनियुक्त मुख्यमंत्री सुवेदु को दी बधाई

पाठक सूचना

हरिभूमि

सुनहरा मौका

सुनिश्चित उपहार 2026

का सामान्य कूपन

कल के अंक में देखें।

प्लॉट उपलब्ध है

भोपाल की सबसे ज्यादा विकासशील लोकेशन

अयोध्या बायपास

10 लेन रोड और 66 फीट मेन रोड

महोली खोजख की प्राइम लोकेशन में खयवर्शन, सर्वसुविधायुक्त,

पीपुल्स मॉल, पीपुल्स हास्पिटल, मीनाल मॉल और मेन मार्केट के नजदीक

संपर्क- 9755600569

8200502943, 7748022609

तीनों सेनाओं का कंट्रोल रहेगा हाथ में

►► वे वर्तमान सीडीएस अनिल चौहान की जगह लेंगे

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल एन एस राजा सुब्रमणि (सेवानिवृत्त) को नया चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) नियुक्त किया है, जो कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से और अगले आदेश तक भारत सरकार के सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के रूप में भी कार्य करेंगे। वे वर्तमान सीडीएस अनिल चौहान की जगह लेंगे। जिनका कार्यकाल 30 मई को पूरा



होने जा रहा है। वर्तमान में लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि 1 सितंबर 2025 से अब तक राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में सैन्य सलाहकार हैं। पहले वे 1 जुलाई 2024 से 31 जुलाई 2025 तक थल सेना के उप-प्रमुख थे, मार्च 2023 से जून 2024 तक मध्य कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्यरत थे।

कृष्णा स्वामीनाथन होंगे देश के नए नौसेना प्रमुख

वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन अगले नौसेना प्रमुख होंगे। वो वर्तमान में मुंबई में पश्चिमी नौसेना कमान के कमांडिंग इन चीफ हैं और 31 मई को कार्यभार संभालेंगे और उनका कार्यकाल 31 दिसंबर, 2028 तक रहेगा। मौजूदा नेवी चीफ एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी की जगह लेंगे, जो 30 मई को रिटायर हो रहे हैं। वाइस एडमिरल स्वामीनाथन का भारतीय नौसेना में एक शानदार और लंबा करियर रहा है। इसी वजह से मोदी सरकार ने उन्हें नौसेना का नेतृत्व सौंपा है। वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने 31 जुलाई, 2025 को पश्चिमी नौसेना कमान के 34वें फ्लेग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्यभार संभाला था। वाइस एडमिरल ►►शेष पेज 4 पर



एडमिरल दिनेश त्रिपाठी के बाद संभालेंगे इंडियन नेवी की कमान

सेंट्रल नारकोटिक्स डिपार्टमेंट ने 8 मई को मारा था छापा

एक एसआई को लाइन अटैच किया गया

हरिभूमि न्यूज ►► मंदसौर

मंदसौर में सेंट्रल नारकोटिक्स डिपार्टमेंट ने कचनारा पुलिस चौकी के पास बड़ी मात्रा में ड्रग्स बरामद किया गया है। इसे एसपी विनोद कुमार मीना ने संबंधित चौकी पुलिस की लापरवाही माना है और चौकी प्रभारी समेत तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। एसआई को लाइन अटैच किया गया है। सेंट्रल नारकोटिक्स डिपार्टमेंट की टीम ने 8 मई को

मंदसौर में पुलिस चौकी के पास बड़ी मात्रा में ड्रग्स बरामद, एसपी ने 3 पुलिसकर्मियों को किया सस्पेंड

छापामार कार्रवाई की थी। जिसमें मौके से बड़ी मात्रा में ड्रग्स बरामद किया। इसकी जानकारी एसपी विनोद कुमार मीना मिली तो उन्होंने स्थानीय पुलिस पर नाराजगी जताई और संबंधित पुलिस चौकी के पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार थाना दलोदा की कचनारा पुलिस चौकी के पास एमडी ड्रग्स फैक्टरी का कारोबार चल रहा था। मंदसौर पुलिस को इसकी भनक तक नहीं थी। एसआई को लाइन अटैच ►►शेष पेज 4 पर



रॉ मटेरियल हुआ बरामद

इन्हें किया सस्पेंड

मंदसौर के थाना दलोदा की कचनारा पुलिस चौकी प्रभारी पूर्णिमा सिंह, एएसआई यूसुफ मंसूरी और कॉन्स्टेबल अर्जुन सिंह को सस्पेंड कर दिया है। वहीं एसआई सीताराम शर्मा को लाइन अटैच किया है।

झाग ही झाग.. सफाई बेदाग™

तन मन

डिज्जेंट पाउडर व साबुन

झाग ही झाग.. सफाई बेदाग™

Tan man

POWERFULL

With Enzymes & Lovely Fragrance

BLUE

तन मन

लाजवार

कण्डे चमकाए

50g FREE

तन मन

झाग ही झाग सफाई बेदाग™

50g FREE

तन मन

झाग ही झाग सफाई बेदाग™

DETERGENT CAKE

50gFREE

₹10/- ONLY

अप्रतिनिधित्व क्षेत्र (तहसील एवं जिला स्तर) में डीलर नियुक्त करना है ।

Call: 9799785111, 9826024950

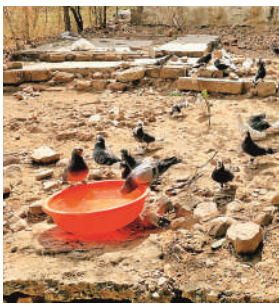


मैं जो कुछ भी हूँ, या होने की आशा करता हूँ, उसका श्रेय मेरी माँ को जाता है : अब्राहम

सिद्ध बाबा आश्रम बना पक्षियों का सुरक्षित आशियाना जहां हर सुबह चहचहाहट से जागती है ममता कबूतरों की मां...ममता की छांव में बसाया परिंदों का संसार



महेश मिश्रा►►कवर्था



मां की ममता केवल अपने बच्चों तक सीमित नहीं होती, कभी वह किसी घायल परिंदे की सांस बन जाती है, तो कभी किसी नन्हे पंख को सुरक्षित आसमान दे देती है। विकासखंड सहसपुर लोहारा के ग्राम बरोदा स्थित गुरुबाबा सिद्ध बाबा आश्रम में रहने वाली बैसाखिन बाई ऐसी ही ममता की जीवंत तस्वीर हैं। पिछले लगभग 40 वर्षों से वे कबूतरों की सेवा और संरक्षण में जुटी हुई हैं। उनके स्नेह और अपनत्व ने आश्रम को पक्षियों के सुरक्षित संसार में बदल दिया है। बैसाखिन बाई कबूतरों को केवल पक्षी नहीं मानतीं, बल्कि अपने परिवार का हिस्सा समझती हैं। हर सुबह और शाम वे स्वयं उनके लिए दाना-पानी की व्यवस्था करती हैं। यदि कभी उन्हें बाहर जाना पड़ जाए, तो आश्रम के सेवक उसी जिम्मेदारी के साथ कबूतरों की देखभाल करते हैं। वे बताती हैं कि कबूतरों को गेहूं सबसे ज्यादा पसंद है। इसके अलावा चावल और चना भी उन्हें खिलाया जाता है। आश्रम परिसर में बारहों

महीने कबूतरों की चहचहाहट गुंजाती रहती है। यहीं वे घोंसले बनाते हैं, अंडे देते हैं और अपने बच्चों को बड़ा करते हैं। हालांकि कई बार सांप और सियार जैसे जीव इनके लिए खतरा बन जाते हैं, लेकिन आश्रम का शांत और सुरक्षित वातावरण उन्हें संरक्षण देता है। बरोदा का सिद्ध बाबा आश्रम केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि प्रकृति और जीव-जंतुओं के सह-अस्तित्व का संदेश भी देता है। आश्रम परिसर में आम, जामुन, कटहल, नींबू और बिही जैसे फलदार वृक्षों की हरियाली फैली हुई है। यही कारण है कि कबूतरों के साथ बंदर, कोकड़ा और कोए भी यहां मौसम के साथ अपना ठिकाना बना लेते हैं।

बैसाखिन का जीवों के प्रति प्रेम और समर्पण अद्भुत

गामीणों का कहना है कि बैसाखिन बाई का जीवों के प्रति प्रेम और समर्पण अद्भुत है। वे बिना किसी स्वार्थ के वर्षों से सेवा में लगी हुई हैं। बैसाखिन बाई बस इतना कहती हैं कि जीवों की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। वे कहती हैं कि कबूतर उनसे बात करते हैं। भूख लगती है तो अपनी भाषा में खाना मांगते हैं। कलरव करते हैं और दुखी होने पर वैसे ही भाव व्यक्त करते हैं। वे भी हमारे जैसे हैं। उनके भाव हमारे जैसे हैं।

परिंदों की डॉक्टर बनी अंकिता...परिंदों का दर्द समझा, 7 साल में सैकड़ों को दी जिंदगी

गिरीश केशरवानी ►► रायपुर

रिम्स रायपुर में एमबीबीएस, थर्ड ईयर की छात्रा अंकिता टंटन पढ़ाई के साथ-साथ घायल और बीमार पक्षियों की जिंदगी बचाने में जुटी हैं। रायपुर के रिम्स में एमबीबीएस थर्ड ईयर की छात्रा अंकिता पिछले सात वर्षों से पक्षियों और मृक प्राणियों का रस्क्यू कर उनका उपचार कर रही हैं। अंकिता केवल इलाज ही नहीं करतीं, बल्कि अपने घर में उन्हें ऐसा वातावरण देने की कोशिश करती हैं, जिससे वे डर और दर्द से बाहर निकल सकें। घायल पक्षियों के लिए उन्होंने घर में अलग से पिंजरे और सुरक्षित स्थान बनाए हैं। उनका पूरा परिवार पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशील है। अंकिता यूं बिलासपुर की रहने वाली हैं।

इलाज के बाद लौटाती हैं खुले आसमान में

अंकिता कहती हैं कि किसी पक्षी का इलाज करना जितना कठिन है, उससे कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण उसे सुरक्षित वातावरण में वापस छोड़ना होता है। इसीलिए उपचार के बाद वे पक्षियों को बिलासपुर के कानन-पेंडरी, रायपुर के जंगल सफारी और नंदनवन पक्षी विहार जैसे सुरक्षित स्थानों पर छोड़ती हैं।



वेजिटेरियन परिवार, लेकिन परिंदों के लिए मांस की व्यवस्था

अंकिता का परिवार पूरी तरह शाकाहारी है, लेकिन कई घायल पक्षी मांसाहारी होते हैं। ऐसे में उनके लिए विकट और मटन तक की व्यवस्था परिवार खुद करता है, ताकि उपचार के दौरान उन्हें प्राकृतिक भोजन मिल सके। अंकिता अब तक घायल चील, उल्लू, किंगफिशर, कोयल, तोता, कबूतर, कौवा समेत 600 से ज्यादा पक्षियों और मृक प्राणियों का इलाज कर चुकी हैं। इसके अलावा घायल कुत्ते, बंदर और लंगूरों को भी स्वस्थ कर उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ा जा चुका है।

घायल चील, उल्लू, बुलबुल और बंदरों का करती हैं उपचार, फिर खुले आसमान में लौटा देती हैं उड़ा

बुलबुल आज भी घर के आसपास मंडराती हैं

अंकिता मुस्कुराते हुए बताती हैं कि जिन बुलबुल पक्षियों का उन्होंने इलाज किया था, उनमें से कई स्वस्थ होने के बाद भी घर के आसपास मंडराती रहती हैं। उन्हें लगता है, जैसे वे अपने तरीके से आभार जता रही हों। अंकिता कहती हैं कि इंसान बोलकर अपना दर्द बता सकता है, लेकिन पक्षी और मृक प्राणी नहीं। उनकी पीड़ा समझकर उसे कम करने में जो आत्मिक सुख मिलता है, वही मेरी सबसे बड़ी खुशी है। अंकिता की कहानी यह पहचान करती है कि ममता केवल जन्म देने से नहीं आती कभी-कभी वह किसी घायल परिंदे के पंखों को फिर उड़ान दिखाने से भी जन्म लेती है।

मदर्स-डे पर विशेष

मां बनकर तितलियों की रक्षा... होस्ट प्लांट लगाकर दिया आश्रय, उनके जीवन चक्र से रची संवेदनाओं की दुनिया

तितलियों के होस्ट प्लांट लगाकर दे रही हैं उन्हें संरक्षण

रुचि वर्मा ►► रायपुर

मां का पल्लू एक छोटे बच्चे का पूरा संसार होता है। कहने का आशय है कि कभी-कभी ममता भरी एक छोटी छांव भी सबकुछ संभाल लेती है। छाग शासन में वित्त विभाग में कार्यरत रायपुर की कच्चा निवासी श्रद्धा थवाईत ने अपने आशियाने में तितलियों के लिए एक आश्रय स्थल बना दिया है। यहां उन्होंने तितलियों के होस्ट प्लांट लगाए हुए हैं। जैसे कॉमन क्रो के लिए फायकस, कॉमन लाइम के लिए मीठा नीम लगाया हुआ है। इस पर कभी खूब इल्लियां लग जाएं तो कभी नहीं मारती बल्कि उन्हें बढ़ने देती हैं। मूलतः एमएससी बॉटनी की पढ़ाई के कारण वे तितलियों के वैज्ञानिक पक्ष से भी परिचित हैं। अपने इस ज्ञान का प्रयोग वे तितलियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए करती हैं।



महापुरुषों का जीवन हमें यह याद दिलाता है कि हम भी अपना जीवन महान बना सकते हैं : एपीजे अब्दुल कलाम

महिला डिप्टी रेंजर की मेहनत से क्षेत्र बना बाघों का सुरक्षित आशियाना

प्रेम और संरक्षण से आबाद हुआ टेमरी जंगल, श्रद्धा पैकरा बनीं 'टाइगर लेडी'

जीवन में प्रेम एवं करुणा का अहम योगदान है। वेद-पुराणों में प्रेम एवं करुणा को मानव के विशेष गुण के रूप में बखाना किया गया है। यह ऐसा गुण है जिसे बताने की जरूरत नहीं पड़ती। यह ऐसी सुगंध है जो स्वयं चारों तरफ बिखर जाती है। प्रेम एवं करुणा की भाषा न केवल मानव बल्कि पशु-पक्षी एवं पेड़-पौधे भी सुनते हैं और मधुर आवाज के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।

अजय नाथराण पांडेय ►►अंबिकापुर

कोरिया वनमण्डल अंतर्गत टेमरी वनखण्ड में तैनात डिप्टी रेंजर श्रद्धा देवी पैकरा ने वन्य जीवों एवं पेड़-पौधों के प्रेम एवं वात्सल्य के बल पर टेमरी जंगल को समृद्ध बना दिया है। गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व से सटा टेमरी जंगल अब बाघ-तेंदुआ जैसे हिंसक वन्य जीवों का स्थाई रहवास क्षेत्र के रूप में विकसित हो गया है। जंगल में भालू, बंदर, चीसिंगा, हिरण, कबूतरबजू, जंगली बिल्ली, साही सहित अन्य वन्य जीवों की भी संख्या लगातार बढ़ रही है। डिप्टी रेंजर श्रद्धा देवी के प्रयासों से जंगल में मानवीय दखल कम हो गई है तथा क्षेत्र के ग्रामीण भी जंगल को समृद्ध बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। पूर्व में क्षेत्रवासी टेमरी जंगल का उपयोग चरागाह के रूप में करते थे। मानवीय दखल बढ़ने से तेजी से वन संपन्न का हास हो रहा था। श्रद्धा देवी ने ग्रामीणों से निरंतर संपर्क कर उन्हें वन एवं वन्य जीवों के महत्व से परिचित कराने के साथ ही इसका संरक्षण करने के लिए प्रेरित किया। जंगल में जगह-जगह मिट्टी की मेंढ बनाकर छोटे-छोटे जलस्रोत विकसित कराया। किसी के बीमार पड़ने पर जंगल से जड़ी-बूटी खोजकर उपलब्ध कराने लगीं। वे जब भी किसी को जड़ी-बूटी देती, कहती मवेशी जंगल में जाना



बंद कर दे तो किसी को भी अस्पताल जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसी दौरान सितम्बर 2024 में जंगल में बाघ के पहुंचने की जानकारी मिली। हालांकि पहले भी जंगल में बाघ पहुंचता था। श्रद्धा पैकरा ने ग्रामीणों को जंगल में बाघ-तेंदुए के मौजूद होने का हवाला देकर स्वयं एवं अपने पालतू मवेशियों को जंगल में नहीं जाने देने के लिए प्रेरित किया। हिंसक वन्य जीवों के डर से मानवीय दखल कम होते ही जंगल की समृद्धि बढ़ने लगी। जंगल में कई वनोपधियां उग आईं साथ ही समाप्ति की ओर अग्रसर बीजा, कुलरु, साजा आदि के पौधे प्राकृतिक रूप से विकसित होने लगे।



दो साल से मौजूद हैं बाघ

वन अमले की सकर्ता के साथ ही गामीणों के सामूहिक प्रयास से टेमरी जंगल की परिस्थितियों में व्यापक बदलाव आया है। जंगल में शाकाहारी वन्य जीवों की संख्या बढ़ने के कारण बाघ एवं तेंदुए की भी संख्या बढ़ रही है। बाघ व तेंदुए टेमरी जंगल का उपयोग अपने स्थाई रहवास क्षेत्र के रूप में कर रहे हैं। पिछले दो सालों में 5 बाघ गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व के रास्ते टेमरी जंगल में पहुंचे एवं जंगल में लम्बा समय गुजारा। कुछ महीने पूर्व एक बाघिन ने जंगल में दो शावकों को जन्म दिया था। वन अमले ने पूरी जिम्मेदारी के साथ शावकों की सुरक्षा की तथा उनके अनुकूल जंगल का वातावरण तैयार किया। अभी भी बाघिन अपने शावकों के साथ जंगल के सुरक्षित वातावरण में भ्रमण कर रही हैं। श्रद्धा पैकरा बताती हैं कि जंगल में हिंसक वन्य जीवों की आवाजाही बढ़ने के बाद जंगल में गामीणों एवं पालतू मवेशियों का प्रवेश काफी कम हो गया है। मानवीय दखल कम होने से जंगल का प्राकृतिक रूप से विकास हो रहा है साथ ही वन्य जीवों के अनुकूल वातावरण तैयार हो रहा है।

मनुष्य जीवन में एक स्थान ऐसा चाहता है जहां तर्क विचार और विवेचना न रहे, रहे केवल श्रद्धा...संभवतः इसी कारण मां का सृजन हुआ होगा: सुभाष चंद्र बोस

हर घायल जीव को मां की तरह दुलार देती हैं बिलासपुर की निधि तिवारी जानवरों-परिंदों की मसीहा बनीं निधि, घर में बना दिया शेल्टर

विकास चौबे ►►बिलासपुर

पेड़ से गिरा बंदर या फिर बीमारी से तड़पता कोई लावारिस जानवर या फिर कोई बेबस परिंद...

ज्यादातर लोग ऐसे दृश्य देखकर आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन बिलासपुर की निधि तिवारी के लिए किसी बेजुबान की पुकार होती है। कुदृढ़ शिव चौक निवासी निधि तिवारी पिछले कई वर्षों से घायल, बीमार और लावारिस जानवरों की सेवा में जुटी हैं। पहले उन्होंने अपने घर को ही इन असहाय जीवों का आश्रय बनाया और अब अमेरी में एक बड़ा शेल्टर होम संचालित कर रही हैं। यहां बंदर, बिल्ली, सूअर, गाय समेत 150 से अधिक जानवरों की देखभाल की जा रही है। निधि जानवरों की सेवा ऐसे करती हैं, जैसे कोई मां अपने बीमार बच्चों की सेवा करती है। वे घायल जानवरों को खुद रेस्क्यू कर घर लाती हैं, उनका इलाज कराती हैं और ठीक होने तक पूरी देखभाल करती हैं। वे बताती हैं कि कई बार लोगों से सूचना मिलती है कि कोई जानवर सड़क पर घायल पड़ा है। सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंच जाती हैं। कई मामलों में पुलिस और वन विभाग की मदद भी लेनी पड़ती है। एक घटना याद करते हुए निधि बताती हैं कि एक मंदिर में बकरे की बलि दी जा रही थी। उसे बचाने के लिए उन्होंने काफी प्रयास किया। स्थानीय मदद नहीं मिलने पर उन्होंने मेनका गांधी से संपर्क किया, जिसके बाद पुलिस की सहायता से बकरे को बचाया जा सका।



इलाज में लाखों खर्च, फिर भी नहीं डिगा हौसला

निधि के अनुसार कई घायल जानवरों के इलाज में 25 से 30 हजार रुपए तक खर्च हो जाते हैं। हर महीने लगभग डेढ़ से दो लाख रुपए जानवरों के इलाज, भोजन और देखभाल में खर्च होते हैं। वे बताती हैं कि उनके इस्तराफाम पेज से एक लाख से ज्यादा लोग जुड़े हुए हैं, जिनसे कभी-कभी आर्थिक मदद मिल जाती है। बाकी खर्च परिवार खेती की आय से उठाता है।

पूरा परिवार बन गया बेजुबानों का सहारा

निधि कहती हैं कि जानवरों की सेवा की प्रेरणा उन्हें अपनी मां से मिली। अब पूरा परिवार इस सेवा में साथ खड़ा है। पिता और भाई रोज जानवरों के खाने की व्यवस्था करते हैं। घर की तीनों मजिलों में अलग-अलग जानवर रहते हैं। बंदरों के लिए अलग फल, कुत्तों के लिए विशेष आहार, बकरों और गधों के लिए अलग व्यवस्था की जाती है। इलाज के बाद बंदरों को फिर जंगल में छोड़ दिया जाता है।

बंदर और परिंदों की मां कहती हैं यही मेरे जीवन का असली संसार



भीषण गर्मी में बनीं बेजुबानों की उम्मीद

गर्मी के दिनों में जब इंसान तक पानी के लिए परेशान हो जाते हैं, तब रिसता बेजुबान पक्षियों के लिए उम्मीद बनकर सामने आती हैं। वे हर साल लोगों को मिश्रुक लकड़ी के घोंसले और पानी के बर्तन वितरित करती हैं, ताकि शहर में पक्षियों को सुरक्षित ठिकाना मिल सके। उनका कहना है कि उद्देश्य सिर्फ पक्षियों को दाना-पानी देना नहीं, बल्कि समाज में संवेदनशीलता और प्रकृति प्रेम की भावना जगाना है।

उनकी भाषा समझने में सुकून मिलता है

रिसता कहती हैं कि बेजुबान जीवों की भावनाओं को समझने में जो सुकून मिलता है, उसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। 'मुझे लगता है कि वे बोल नहीं पाते, लेकिन सब महसूस करते हैं। उनके बीच रहना ही असली जीवन लगता है।' पांचवीं कक्षा से शुरू हुआ यह जुड़ाव समय के साथ और गहरा होता गया।



खबर संक्षेप



गर्मी के मौसम में पशियों के पानी के लिए महापौर मालती ने बांटे संकोरे भोपाल। स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत शनिवार को मेयर ने एमएलबी कॉलेज की छात्राओं, प्राध्यापकों, न्यू मार्केट में पार्किंग के कर्मचारियों व आम लोगों के साथ स्वच्छता संवाद किया और भोपाल को स्वच्छता में नंबर 1 बनाने के लिए स्वच्छता में सक्रिय सहभागिता निभाने के आह्वान के साथ ही सकारात्मक सिटीजन फीडबैक भी दर्ज करवाया। उन्होंने गर्मी के मौसम में पशियों को राहत पहुंचाने के लिए पानी के लिए संकोरे भी वितरित किए।

बिना समग्र आईडी के नहीं बनेंगे आय-मूल निवास प्रमाण पत्र भोपाल। जिले के लोकसेवा केंद्रों में इन दिनों आम लोगों को आय और मूल निवास प्रमाण पत्र बनवाने में दिक्कत आ रही है। दरअसल लोकसेवा का पोर्टल अपडेट होने के बाद आधार के साथ पोर्टल पर समग्र आईडी भी मांग रहा है। बिना आईडी के पोर्टल पर आवेदन ही अपलोड नहीं हो रहा है। समग्र आईडी की ईकेवायसी भी होना जरूरी है। जिससे आम लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। लोकसेवा केंद्र प्रबंधक प्रसून सोनी का कहना है कि नए नियमों के तहत समग्र आईडी देना अनिवार्य किया गया है।

दो एक्टिवा और एक ऑटो से भी टकराया तेज रफ्तार वाहन

वल्लभ भवन के पास रॉन्ग साइड से आई फॉर्च्युनर ने स्विफ्ट समेत चार गाड़ियों को मारी टक्कर, एक गंभीर

कार में बैठे केटरिंग संचालक घायल, जेपी में कराया भर्ती

हरिभूमि न्यूज ॥ भोपाल

वल्लभ भवन क्रमांक एक के सामने शुक्रवार देर रात रॉन्ग साइड से आ रही फॉर्च्युनर गाड़ी में सवार युवक ने स्विफ्ट कार को चपेट में ले लिया। स्विफ्ट कार को टक्कर मारने के बाद उसने पास ही खड़ी दो एक्टिवा और एक ऑटो को भी टक्कर मारी थी। इसके बाद गुमठी में जा घुसी। इस हादसे में स्विफ्ट कार की स्टेयरिंग पर बैठे केटरिंग संचालक बुरी तरह से घायल हो गए। उनकी पसलियों में फेक्चर आया है। गंभीरत रही कि घटना के समय एक्टिवा और ऑटो में कोई नहीं था और रात होने के कारण गुमठी भी बंद हो गई थी नहीं तो और भी लोग घायल होते। जानकारी के अनुसार राजेश धाकड़ (44) कांकडा एवेन्यू अयोध्या नगर में रहते हैं और केटरिंग का संचालन करते हैं।

उन्होंने बताया कि शुक्रवार को वह केटरिंग के कर्मचारी को छोड़ने वल्लभ भवन क्रमांक 1 के सामने पहुंचे। रात करीब साढ़े 12 बजे उन्होंने कार सड़क से साइड में खड़ी की और कर्मचारी को उतार दिया। उनकी कार स्टार्ट ही थी कि सामने से रॉन्ग साइड से सफेद रंग की फॉर्च्युनर तेज रफ्तार में उनकी कार की तरफ आई। वह कुछ समझ पाते इससे पहले ही फॉर्च्युनर ने उनकी गाड़ी को सामने से टक्कर मारी।

टक्कर लगते ही राजेश की कार के एयरबैग खुल गए, जबकि कार सामने से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में उन्हें सीने, दाहिने हाथ की कोहनी और बांये हाथ की कलाई पर गंभीर चोट आई है। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें जय प्रकाश अस्पताल में भर्ती कराकर लौट गई। इधर हादसे की सूचना मिलते ही उनका बेटा अस्पताल पहुंचा और सुबह करीब चार बजे अरेरा हिल्स थाने पहुंचकर शिकायत की।

गाड़ियों से टकराने के बाद गुमठी में घुसी फॉर्च्युनर



फॉर्च्युनर गाड़ी की टक्कर से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुई स्विफ्ट कार।



टक्कर के बाद फॉर्च्युनर गाड़ी के सामने फंसी हुई एक्टिवा।

नशे में था आरोपी फॉर्च्युनर चालक

राजेश धाकड़ ने बताया कि फॉर्च्युनर गाड़ी ने उनकी कार के अलावा दो एक्टिवा और ऑटो को टक्कर मारने के बाद गुमठी को भी चपेट में लिया है। हादसे के समय फॉर्च्युनर में एक युवक था, वही गाड़ी चला रहा था। वह इतने नशे में था कि उसे ठीक से खड़े रहते भी नहीं बन रहा था। हादसे के बाद फॉर्च्युनर के भी सभी एयरबैग खुल गए थे।

थाने में समझौता करने बनाया दबाव

राजेश धाकड़ ने बताया कि वह बेटे को लेकर अरेरा हिल्स थाने पहुंचे। मौजूद एक पुलिसकर्मी ने उन्हें समझौता करने दबाव बनाया। उसने कहा कि सभी लोग पैसे लेकर भूल गए हैं। तुम भी पचास हजार रुपए लेकर भूल जाओ शिकायत मत करो। राजेश ने कहा कि उनकी चार महीने पुरानी कार है और पूरी क्षतिग्रस्त हो गई है। कंपनी को एक्सीडेंटल क्लेम कर लेंगे। उन्हें शिकायत दर्ज करानी है। इसके बाद केस दर्ज हुआ।

फीडरमेन लाइन होगी शिफ्ट

11 मई को वाटर सप्लाई बंद, 12 को कम दबाव से मिलेगा पानी



हरिभूमि न्यूज ॥ भोपाल

बैरसिया रोड पर डीआईजी बंगला चौराहा से आरिफ नगर तक चल रहे भोपाल मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के दायरे में आ रही कोलार जलप्रदाय परियोजना की डीआई फीडरमेन लाइन शिफ्टिंग का काम सोमवार और मंगलवार को होगा। इसके चलते पुराने शहर के कुछ इलाकों में 11 मई को पानी की सप्लाई बंद रहेगी तो वहीं 12 मई को कम दबाव से पानी की सप्लाई होगी।

सरकारी जमीन पर बनी दीवार तोड़ी, यहां बनेगा सामुदायिक केंद्र

भोपाल। अरेड़ी ग्राम पंचायत के मुख्य चौराहे पर करीब दो एकड़ सरकारी पर कब्जा करने वाले किसानों को शनिवार को जिला प्रशासन की टीम ने बेदखल कर दिया। तहसीलदार अतुल शर्मा ने इस जमीन पर अतिक्रमण को लेकर नोटिस जारी किए थे। टीम ने मौके पर पहुंचकर मुख्य चौराहे की जमीन पर ग्रीकास्ट दीवार उठाकर कब्जा करने वालों को बेदखल कर दिया। हुजूर एसडीएम विनोद सोनकिया ने बताया कि ग्राम अरेड़ी स्थित सरकारी जमीन की 2 एकड़ पर से अवैध कब्जा हटया गया। जमीन पर पंचायत के लिए सामुदायिक केंद्र बनाया जाएगा।

कोलार की पाइप लाइन से सप्लाई बंद रहेगी

मेट्रो रेल कार्पोरेशन द्वारा डीआई फीडरमेन लाइन शिफ्टिंग के कारण सोमवार को जेपी नगर, पिंजौल टैंक, काजी कैम्प, टीला जमालपुरा, आरिफ नगर, काग्रिस नगर, ग्रीन पार्क, चौकसे नगर, 6 गलियां, छोटी मस्जिद के पास वाली गलियां, नारियलखेड़ा, निशातपुरा क्षेत्र, न्यू आरिफ नगर, रेशम केन्द्र, छोला विश्रामघाट, रम्भा नगर आदि क्षेत्रों में जलप्रदाय प्रभावित रहेगा।

अजंता

AJANTA

ESTD. 1949

Food Color Preparation Baking Powder, Custard Powder, Drinking Chocolate & Flavours

www.ajantafoodproducts.com

ST. MICHAEL'S SR. SEC. SCHOOL

Near Tolwali Masjid Road, Ibrahimpura, Talaiya, Bhopal-462001,

Ph : 0755-2544450, 0755-2733774

Class X Toppers 2025-26

Era Ali 95.6%	Farhan 94.6%	Ab. Suboor 94.4%	Sarfaraz 93.6%	Sara 93.4%	Simon 92.6%	Zunaira 92.2%
Ilma 92%	Sheliza 92%	Bismah 91.8%	Subhan 91.8%	Misbah 91.2%	Mo. Ziyad 90%	Afsha 89.6%
Mariyam 88.6%	Sabiya 88.2%	Sara 87.6%	Sumaiya 87%	Ali Ullah 86.8%	Anayza 85.8%	Zaki 85.2%
Muskan 85%	Shaad 84.6%	Zainab 84.4%	Mahira 84.4%	Izma 83%	Aamna 82.8%	Zeba 82.6%
Aatif 82.2%	Zainab 82%	Mo. Rehan 81.8%	Ali Qureshi 81%	Saad 81%	Kulsum 80.4%	Humera 80.4%

Class XII Toppers 2025-26

Zehnish 96.4%	Zara 92%	Fatima 91.6%	Humera 91.6%	Bushra 90.6%	Sumera 90.4%	Jazam 90%
Juveriya 89.8%	Mo. Daud 89.4%	Ilma 89.4%	Palak 89.2%	Mubashir 89.2%	Rumaisa 89%	Tehzeeba 89%
Namrah 88.2%	Saman 87.4%	Rozish 86.4%	Madiha 86.4%	Fatima 85.8%	Mo. Affan 85.6%	Tayba 85.4%
Safeera 85.4%	Asnam 85.2%	Islam 85%	Ana 84.8%	Saniya 84.6%	Madiha 84.4%	Subhana 84%
Vibhor 83.2%	Zobiya 83.2%	Faaiz 82.2%	Hiba 81.4%	Sumera 81%	Mo. Qasim 80.6%	Saud 80.2%

दिल्ली नालंदा डायलॉग 2026

एजेंसी ►►नई दिल्ली

गहन बौद्धिक संवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के मंच के रूप में अपनी पहचान को और सशक्त बनाते हुए, नालंदा लिटरेचर फेस्टिवल 9 एवं 10 मई 2026 को दिल्ली नालंदा डायलॉग 2026 का आयोजन कर रहा है। यह दो दिवसीय संवाद इंडिया इंटरनेशनल सेंटर के कमलादेवी कॉम्प्लेक्स स्थित मल्टीपरपज हॉल, नई दिल्ली में आयोजित होगा। फेस्टिवल की एक प्रमुख पहल के रूप में आयोजित यह डायलॉग 100 से अधिक वरिष्ठ सरकारी प्रतिनिधियों, नीति-निर्माताओं, विद्वानों, लेखकों, राजनयिकों, युवा सिविल सेवकों एवं उभरती प्रतिभाओं को एक मंच पर एकत्र करेगा। यह शासन, संस्कृति और साहित्य विषय पर केंद्रित रहेगा।

100 से अधिक वरिष्ठ प्रतिनिधि होंगे शामिल

9-10 मई को वैश्विक विमर्श का केंद्र रहेगी दिल्ली

गहन बौद्धिक संवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के साथ ही शासन ज्ञान परंपराएं, सभ्यतागत चिंतन और साहित्यिक विरासत पर मंथन शुरू

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर के कमलादेवी कॉम्प्लेक्स में सत्र



मंथन से पहले सांस्कृतिक प्रस्तुति

सभ्यताएं विचारों, अभिव्यक्ति और संवाद से होती हैं जीवित

पद्म विभूषण डॉ. सोनल मानसिंह, अध्यक्ष, नालंदा लिटरेचर फेस्टिवल ने कहा कि सभ्यताएं केवल शक्ति से नहीं, बल्कि विचारों, अभिव्यक्ति और सतत संवाद की परंपरा से जीवित रहती हैं। यह उसी ज्ञानपरंपरा को पुनर्जीवित करने का एक प्रयास है, जहाँ ज्ञान केवल संचित नहीं होता, बल्कि उसे जिया, साझा किया और पीढ़ियों के बीच संवाद के माध्यम से विकसित किया जाता है।

दीर्घकालिक संवाद का संकेत

शासन, संस्कृति और बौद्धिक विमर्श के अग्रणी विचारकों की सहभागिता के साथ यह एक दीर्घकालिक, बहु-शर एंव अंतरराष्ट्रीय संवाद श्रृंखला की शुरुआत का संकेत देता है।

पहला दिन शासन व्यवस्था और संस्थागत विकास पर केंद्रित रहा

पहला दिन शासन व्यवस्था और संस्थागत विकास पर केंद्रित रहा, जिसमें अमरजीत सिन्हा, अंजू रंजन, मुग्धा सिन्हा आदि शामिल थे।

चंचल कुमार ने किया उद्घाटन सत्र को संबोधित

उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्तव्य चंचल कुमार द्वारा दिया जाएगा। पद्म विभूषण डॉ. सोनल मान सिंह, अमिताभ कांत एवं केएन श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि थे।

आज भाषाओं, ज्ञान संरक्षण और बौद्धिक संरचनाओं पर चर्चा होगी

आज भारतीय भाषाओं, ज्ञान संरक्षण और भविष्य की बौद्धिक संरचनाओं पर चर्चा होगी, जिसमें प्रो. कपिल कपूर, प्रो. एमजे वारसी, कौशल किशोर और सुरेखा साहू शामिल होंगे। जनसंपर्क और अकादमिक संवाद पर सत्रों में विश्वपति त्रिवेदी, तर्जुन सिंह लूथरा, अशुतोष अग्निहोत्री और शुभा शर्मा भाग लेंगे। तकनीक और ज्ञान के संबंध पर सत्र में प्रो. उमा कंजीलाल, डॉ. आनंद कुमार और डॉ. अमित पांडे एआई और डिजिटल नवाचार की भूमिका पर चर्चा करेंगे। विलियम डेलरिम्पल के साथ एक विशेष सत्र नालंदा की बौद्धिक विरासत पर केंद्रित होगा, जिसके बाद दिल्ली-नालंदा घोषणा प्रस्तुत की जाएगी।

खबर संक्षेप

महाराणा ने पूरा जीवन मातृभूमि को समर्पित किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने शनिवार को राष्ट्र के महान योद्धा और वीरता एवं पराक्रम के अमर प्रतीक



महाराणा प्रताप को जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, महान योद्धा और पराक्रम के अमर

शोभनदेव चट्टोपाध्याय बने बंगाल के एलओपी

कोलकाता। बंगाल में 15 साल बाद सत्ता से बाहर हुई टीएमसी ने शनिवार को वरिष्ठ नेता शोभनदेव



चट्टोपाध्याय को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया। भाजपा की जीत के बाद राजनीति में बड़े बदलाव के बीच पार्टी ने विधानसभा में अपनी नई टीम का ऐलान किया है।

प्रसार भारती सचिवालय के ट्रांसफार्मर में आग

नई दिल्ली। दिल्ली के कोपरनिकस मार्ग स्थित प्रसार भारती सचिवालय भवन के



ट्रांसफार्मर में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें कई मीटर उपर तक उठती दिखाई दी। फिलहाल आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। आग की सूचना दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

आतंकी धमकी...भाजपा मुख्यालय की सुरक्षा बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली में स्टेट भाजपा ऑफिस पर आतंकी हमले का अलर्ट जारी किया गया है। इससे



आसपास की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर दी गई है। आतंकी दिल्ली भाजपा मुख्यालय और आसपास के सरकारी दफ्तरों को निशाना बना सकते हैं। अलर्ट मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं।

भाजपा युवा मोर्चा नेता की रेल मंत्री से भेंट

एजेंसी ►►नई दिल्ली

पूर्व राष्ट्रीय मंत्री, भाजपा युवा मोर्चा गौरव तिवारी ने नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भेंट कर विंध्य क्षेत्र की दो प्रमुख जनहित मांगें रखीं। उन्होंने आग्रह किया कि रेलवे द्वारा यात्री ट्रेनों के माध्यम से मेट्रो शहरों से छोटे शहरों-कस्बों तक मृत स्वजनों के शवों का न्यूनतम खर्च में सम्मानजनक एवं सुविधाजनक परिवहन सुनिश्चित करने की व्यवस्था शुरू की जाए। तिवारी ने कहा कि रीवा-दुर्ग ट्रेन से विंध्य और छत्तीसगढ़ के औद्योगिक व शैक्षणिक क्षेत्रों के बीच सीधा संपर्क स्थापित होगा। पार्थिव देह परिवहन की व्यवस्था शोक-संपन्न परिवारों के लिए बड़ी राहत होगी। रेल मंत्री के सकारात्मक आश्वासन के लिए आभार व्यक्त किया।

पश्चिम बंगाल में शपथ ग्रहण स्थल ब्रिगेड परेड ग्राउंड पर दिखी एनडीए की एकजुटता हिंसा में मारे गए कार्यकर्ताओं के परिजनों से मिले पीएम मोदी भरोसा दिलाते हुए कहा-ये बलिदान व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा



शपथ के बाद अभिवादन करते मंत्रिगण

एजेंसी ►►कोलकाता

पश्चिम बंगाल में शपथ ग्रहण स्थल ब्रिगेड परेड ग्राउंड पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुवेंदु अधिकारी के साथ मंच के नजदीक तक रोड शो किया। सुवेंदु खुद भगवा रंग के कुर्ते में थे। प्रधानमंत्री जैसे ही मंच पर पहुंचे, एनडीए और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की कतार नजर आई। कई राज्यों के मुख्यमंत्री और एनडीए के वरिष्ठ नेता मंच पर मौजूद थे। शपथ ग्रहण होने के बाद शम्भु सभू नेताओं का अभिवादन करते हुए प्रधानमंत्री के पास तक आए। उन्होंने झुककर प्रधानमंत्री को प्रणाम किया। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी अधिकारी की 6 बार पीठ थपथपाई। जब सुवेंदु योगी आदित्यनाथ के पास पहुंचे तो योगी ने उन्हें भगवा अंगवस्त्र पहंचाया।

शपथ ग्रहण कार्यक्रम के दौरान सीएम अधिकारी के अलावा 5 अन्य मंत्रियों ने शपथ लिए।बंगाल में भाजपा लंबे समय के बाद अपनी सरकार बनाई है। इसे के साथ आज बंगाल में शपथ ग्रहण के साथ सरकार का गठन हो गया है। भाजपा नेता अधिकारी प्रदेश के मुख्यमंत्री बने हैं। उनके साथ 4 और विधायकों ने शपथ ली है। इसमें एक नाम है अग्निमित्रा पॉल। यह भाजपा की राज्य उपाध्यक्ष हैं। पॉल ने आसनसोल दक्षिण से चुनाव जीता है।

शपथ लेते ही सुवेंदु का ऐलान

बंगाल का होगा पुनर्निर्माण, शिक्षा-संस्कृति सुधारों

सुवेंदु ने कहा कि वह अपने सरकारी कामकाज की शुरुआत जोरसांको ठाकुरवाड़ी में श्रद्धांजलि और प्रार्थना करने के बाद करेंगे। उन्होंने कहा कि यह दिन सिर्फ बंगाल ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए ऐतिहासिक है। उनकी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता बंगाल का पुनर्निर्माण होगी। शिक्षा व्यवस्था और सांस्कृतिक पहचान बनाएंगे।

अधिकारी के शपथ लेते ही भावुक हुई मां अब आरजी कर पीड़िता को मिले न्याय



मुख्यमंत्री अधिकारी की मां गायत्री अधिकारी ने बेटे के मुख्यमंत्री बनने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि वे खुद बहुत खुश हैं। उन्होंने बताया कि सुवेंदु पर कई बार जानलेवा हमले भी हुए थे। अब उम्मीद है कि आरजी कर पीड़िता की मां को न्याय मिलेगा।

शेख हसीना का संदेश भारत-बांग्लादेश रिश्तों में बंगाल अहम

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री अध्यक्ष शेख हसीना ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच सच्ची दोस्ती के इतिहास में पश्चिम बंगाल की एक खास जगह है।

तमिलनाडु में सरकार बनाने का रास्ता हो गया साफ

आखिरकार थलापति को मिली 'विजय' जुटाया 118 का आंकड़ा व शपथ आज वीसीके ने भी समर्थन दिया

एजेंसी ►►चेन्नई

थलापति विजय ही तमिलनाडु में सरकार बनाएंगे। शनिवार को उनकी एक और पार्टी का समर्थन मिल गया, जिसके बाद सरकार बनाने के 118 सीट के जादुई आंकड़े को उनकी पार्टी ने पार कर लिया है। विजय को कांग्रेस, सीपीआई सीपीआई- एम के बाद वीसीके ने समर्थन दिया है। शनिवार को वीसीके के प्रेसिडेंट ने शाम को समर्थन पत्र सौंपा। विजय की पार्टी के आध्व अर्जुन ने कहा कि वीसीके के थोल थिरुमावलवन ने सी. जोसेफ विजय के टीवीके को सपोर्ट कम्फर्म किया है। विजय तमिलनाडु में कोएल्लिशन सरकार चलाएंगे। वीसीके के पास 2 विधायकों का समर्थन है। विजय ने राज्यपाल को दावा पेश कर दिया है। चर्चा है कि आज 10 बजे वे पद की शपथ ग्रहण करेंगे।

शपथ में देरी.. कार्यकर्ता ने खुद को लगाई आग

तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई। यहां विजय की पार्टी 'तमिलनाडु वेत्री कड़गम' यानी टीवीके के एक पदाधिकारी ने पार्टी प्रमुख के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर बनी अनिश्चितता से आहत होकर आत्मदाह का प्रयास किया। घटना तिरुनेलवेली जिले के चेट्टीकुलम के पास एक गांव की है। 47 वर्षीय इसविक्रयप्पन, जो टीवीके के वल्लियूर यूनिन के स्वयंसेवक विंग के उप सचिव के रूप में कार्यरत हैं। बताया जा रहा है कि वह इस बात को लेकर गहरे मानसिक तनाव में थे कि उनके नेता विजय का शपथ ग्रहण समारोह कब होगा और इसे लेकर सस्पेंस क्यों है?



टीवीके के वल्लियूर यूनिन के स्वयंसेवक विंग के उप सचिव के रूप में कार्यरत हैं। बताया जा रहा है कि वह इस बात को लेकर गहरे मानसिक तनाव में थे कि उनके नेता विजय का शपथ ग्रहण समारोह कब होगा और इसे लेकर सस्पेंस क्यों है?

भेरूंडा (सीहोर) से मंत्री चौहान करगे शुभारंभ 18,907 करोड़ रु. के आवंटन से ग्रामीण कर्नेक्टिविटी बढ़ेगी

हरिभूमि ब्यूरो ►►नई दिल्ली

मध्य प्रदेश के भेरूंडा, जिला सीहोर से रविवार को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के 25 वर्ष पूरे होने का रजत जयंती समारोह मनाया जाएगा और इसी मंच से पीएमजीएसवाई-4 का शुभारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान देश के गांवों को मजबूत, टिकाऊ और बारहमासी पक्की सड़कों से जोड़ने के राष्ट्रीय संकल्प को नई ऊर्जा देंगे। इस महत्वपूर्ण आयोजन में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शरीक होंगे।



384 किमी सड़क परियोजनाओं का आवंटन समारोह में सिंह द्वारा नए के लिए 2,117 किमी लंबाई की 973 सड़कों, 987 बसावटी को लाभ पहुंचाने वाले वित्तीय आवंटन सीएम यादव को सौंपे जाएंगे, वहीं 384 परिशिमीटर से अधिक सड़क परियोजनाओं का आवंटन भी किया जाएगा।

दिल्ली कैंट स्थित मानेकशॉ सेंटर में अंतरराष्ट्रीय नेत्र सम्मेलन नेत्र चिकित्सा और शोध के क्षेत्र को देंगे नई दिशा

एजेंसी ►► नई दिल्ली

दिल्ली कैंट स्थित मानेकशॉ सेंटर में 9 और 10 मई को देश की पहली अंतरराष्ट्रीय नेत्र विज्ञान शोध कॉन्फ्रेंस आयोजित होने जा रही है। यह आयोजन आर्मी हॉस्पिटल (रिसर्च एंड रेफरल), नई दिल्ली के नेत्र रोग विभाग और अल्ल इंडिया ऑर्थेलमोलॉजिकल सोसाइटी के संयुक्त प्रयास से किया जा रहा है। 'एआईओएस-एएफओयू 2026' नामक इस 2 दिनी सम्मेलन का उद्घाटन रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ करेंगे। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, तीनों सेनाओं के प्रमुख और रक्षा सचिव की उपस्थिति रणनीतिक और राष्ट्रीय महत्व को दर्शाती है। इसे भारत में नेत्र चिकित्सा और शोध के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल के रूप में देखा जा रहा है।



मंत्री संजय सेठ

ऑफ डिफेंस स्टाफ, तीनों सेनाओं के प्रमुख और रक्षा सचिव की उपस्थिति रणनीतिक और राष्ट्रीय महत्व को दर्शाती है। इसे भारत में नेत्र चिकित्सा और शोध के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

आर्मी हॉस्पिटल ,नेत्र रोग विभाग सोसाइटी का आयोजन 200 प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ होंगे शामिल

इस सम्मेलन में देशभर से 200 प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ और सैन्य चिकित्सा से जुड़े विशेषज्ञ शामिल होंगे। कार्यक्रम में नेत्र विज्ञान की सभी प्रमुख शाखाओं जैसे कॉर्निया, रेटिना, रलुकोमा, ऑक्युलर सर्जरी और एडवांस्ड डायग्नोस्टिक्स पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। देश के प्रतिष्ठित संस्थानों एम्स नई दिल्ली, पीजीआई चंडीगढ़, एलबी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट हैदराबाद, शंकर नेत्रालय चेन्नई और अरविंद आई केयर सिस्टम से 100 से अधिक विशेषज्ञ फैकल्टी भी भाग लेंगे। यह मंच नवीनतम चिकित्सा तकनीकों और शोध को साझा करने का अवसर देगा। युवा डॉक्टरों के लिए कौशल को निखारने का अवसर भी होगा।



2 विश्वविख्यात विशेषज्ञों की रहेगी उपस्थिति

इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में 2 विश्वविख्यात विशेषज्ञ भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। यूनिवर्सिटी ऑफ नॉटिंगहम, यूके के प्रोफेसर हरमिंद सिंह दुआ, जो कॉर्नियल रिसर्च और 'दुआ लेजर' की खोज के लिए वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध हैं, अपने अनुभव साझा करेंगे। वहीं सिंगापुर के टैन टॉक सेंग हॉस्पिटल के वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. कॉलिन सियांग हूई टैन भी रेटिना इमेजिंग, डायबिटिक रेटिनोपैथी और एआई आधारित नेत्र निदान पर अपने शोध प्रस्तुत करेंगे।

समुद्र में बढ़ेगी भारत की ताकत

हरिभूमि ब्यूरो ► नई दिल्ली

भारतीय तटरक्षक बल ने अपनी समुद्री सुरक्षा और मारक क्षमता को और अधिक मजबूत करते हुए आज एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान नई पीढ़ी के ‘अदम्या-क्लास’ फास्ट पेट्रोल वेसल (एफपीवी) श्रृंखला के पांचवें जहाज, भारतीय तटरक्षक जहाज ‘अचल’ को औपचारिक रूप से सेवा में शामिल कर लिया गया है। ‘अचल’ जहाज की सबसे बड़ी खूबी इसका पूरी तरह से भारतीय होना है। ‘आत्मनिर्भर भारत’ अभियान के तहत बने इस जहाज में 60% से अधिक स्वदेशी कल-पुर्जों का इस्तेमाल किया गया है। यह इस बात का प्रमाण है कि भारत अब रक्षा उपकरणों के मामले में तेजी से आत्मनिर्भर हो रहा है।

भारतीय तटरक्षक बल में नई पीढ़ी का फास्ट पेट्रोल वेसल ‘अचल’ शामिल

‘अचल’ जहाज की सबसे बड़ी खूबी इसका पूरी तरह से भारतीय होना है। ‘आत्मनिर्भर भारत’ अभियान के तहत बने इस जहाज में 60% से अधिक स्वदेशी कल-पुर्जों का इस्तेमाल किया गया है

► **भारत रक्षा उपकरणों में तेजी से आत्मनिर्भर हो रहा**

► **यह समुद्री निगरानी, तस्करी रोकने का करेगा काम**



गरिमामय समारोह में शामिल किया गया ‘अचल’ जहाज

गोवा शिपयार्ड का रिकॉर्ड

इस कमीशनिंग के साथ ही गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने भी अपनी कार्यक्षमता का लोहा मनवाया है। शिपयार्ड ने मात्र डेढ़ साल के रिकॉर्ड समय में 14 जहाजों को लॉन्च कर भारतीय समुद्री इतिहास में एक नई दिशा तय की है। अब ‘अचल’ के आ जाने से उत्तर-पश्चिमी समुद्री इलाकों में भारत की सुरक्षा दीवार पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो गई है।

पांचवीं फ्लीट सपोर्ट शिप की ‘स्टील कटिंग’



पांच फ्लीट सपोर्ट शिप (एफएसएस) में से पांचवें और अंतिम जहाज की ‘स्टील कटिंग’ समारोह विशाखापतनम स्थित हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) में आयोजित किया गया।

गुजरात में होगी तैनाती

भारतीय तटरक्षक बल ने तय किया है कि ‘अचल’ को गुजरात के वाधनार में तैनात किया जाएगा। यह इलाका सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील है। अपनी तैनाती के बाद यह जहाज समुद्री निगरानी, तस्करी को रोकने, खोज और बचाव अभियान चलाने और विशेष आर्थिक क्षेत्र की सुरक्षा में बड़ी भूमिका निभाएगा।

ईधन, पानी, गोला बारूद की करेगा आपूर्ति

इन जहाजों के शामिल होने पर, एफएसएस समुद्र में बेड़े के जहाजों की आपूर्ति करके भारतीय नौसेना की बच्ची वाटर क्षमताओं को मजबूत करेगा। कुल 40,000 टन से अधिक विश्वासपात्र वाले ये जहाज ईंधन, पानी, गोला-बारूद और भंडार की आपूर्ति करेंगे, जिससे बेड़े के जहाजों की दीर्घकालिक तैनाती संभव हो सकेगी और इस प्रकार बेड़े की रणनीतिक पहुंच और गतिशीलता में वृद्धि होगी।

खबर संक्षेप

आईएमएफ ने पाक को 11 हजार करोड़ का कर्ज दिया

इस्लामाबाद। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष



(आईएमएफ) के कार्यकारी बोर्ड ने 1.2 अरब डॉलर यानी 11,322.25 करोड़ रुपए के कर्ज की मंजूरी दे दी है। यह राशि दो अलग-अलग वित्तीय कार्यक्रमों के तहत जारी की जा रही है। अब तक पाकिस्तान कुल 8.4 अरब डॉलर (79,256.44 करोड़ रुपए) के दो ऋण पैकेजों में से 4.5 अरब डॉलर यानी 42,458.81 करोड़ रुपए प्राप्त कर चुका है। यह राशि अगले हफ्ते की शुरुआत में जारी कर दी जाएगी।

क्रिंटोकॉरेसी मामले में ईडी ने किए 3 अरेस्ट

बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने क्रिंटोकॉरेसी से जुड़े धनशोधन मामले में कथित क्रिंटो हेकर श्रीकृष्ण रमेश उर्फ ‘श्रीकि’ समेत तीन लोगों को



गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि श्रीकि, रॉबिन खंडेलवाल और सुनीश हेगड़े को 8 मई को हिरासत में लिया गया। उन्हें शनिवार को बेंगलुरु की एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें 10 दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया। केंद्रीय एजेंसी ने इस मामले में 20 अप्रैल को छापेमारी की थी। हैकर श्रीकि और उसके सहयोगियों पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वेबसाइटों को हैक करने, बिटकॉइन चुराने और ईन्हें बेचने का आरोप है।

ट्रंप ने क्यूबा की संस्थाओं को किया प्रतिबंधित

हवाना। अमेरिका ने क्यूबा पर आर्थिक दबाव बढ़ाते हुए नई पाबंदियों का ऐलान किया है।



अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने ट्रंप प्रशासन के इस फैसले का बचाव करते हुए कहा कि प्रतिबंध क्यूबा की जनता पर नहीं, बल्कि वहां की सत्ता से जुड़े आर्थिक नेटवर्क पर लगाए गए हैं। नई पाबंदियों का सबसे बड़ा निशाना जीएईएसए बना है, जो क्यूबा की क्रांतिकारी सशस्त्र सेनाओं द्वारा संचालित विशाल कारोबारी समूह है। इसके अलावा कनाडा की कंपनी शेरिट इंटरनेशनल के साथ चल रहे संयुक्त उपक्रम मोआ निकल पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं।

अमेरिकी मीडिया का दावा ईरान-अमेरिका के बीच अगले हफ्ते पाकिस्तान में होगी चर्चा



एजेंसी ► वॉशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच स्थायी सीजफायर को लेकर बातचीत चल रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान की ओर से अमेरिकी प्रस्ताव पर जवाब आ सकता है। इस बीच अमेरिकी मीडिया ने दावा किया है कि अमेरिका और ईरान के बीच अगले हफ्ते की शुरुआत में पाकिस्तान में बातचीत हो सकती है।

मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि दोनों पक्ष एक पन्ने के 14-बिंदुओं वाले मेमोरैंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) को तैयार करने के लिए मध्यस्थों के साथ काम कर रहे हैं। इसका उद्देश्य युद्ध खत्म करने की दिशा में एक महीने तक चलने वाली बातचीत के लिए रूपरेखा तय करना है। बता दें, इससे पहले भी पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका और ईरान के बीच दो दौर की वार्ता हो चुकी है, लेकिन दोनों बैठकें विफल रहीं।

... तो हम दूसरा रास्ता अपनाएंगे: ट्रंप

राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया कि अगर बातचीत में रुकावट आती है तो वॉशिंगटन अपना रुख और सख्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर सब कुछ ठीक नहीं हुआ, तो हम दूसरा रास्ता अपनाएंगे। अगर चीजें सही नहीं रहें तो हम ‘प्रोजेक्ट फ्रीडम’ पर वापस जा सकते हैं, लेकिन यह ‘प्रोजेक्ट फ्रीडम प्लस’ होगा। यानी इसमें कुछ और कदम भी शामिल होंगे। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, जो फिलहाल इटली के देरे पर हैं, ने उम्मीद जताई कि ईरान की ओर से एक ‘गंभीर प्रस्ताव’ आएगा। रुबियो का मानना है कि ईरान के भीतर की राजनीतिक अस्थिरता और वहां का खराब सिस्टम बातचीत में देरी का एक बड़ा कारण हो सकता है।

27 हजार करोड़ से ज्यादा के घोटाले के हैं आरोप

एजेंसी ► मुंबई

अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस एडीए ग्रुप की कंपनियों के खिलाफ चल रही जांच में सीबीआई ने शनिवार को मुंबई में 17 अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की। सीबीआई की यह कार्रवाई रिलायंस एडीए ग्रुप की तीन कंपनियों रिलायंस टेलिकॉम लि., रि ला यं स कॉ म ि शं य ल फायनेंस लि. और रिलायंस होम फायनेंस लि. से जुड़े मामलों में की गई। इन कंपनियों और इनके डायरेक्टर्स पर बैंकों के हजारों करोड़ रुपए के फंड में कथित गड़बड़ी और धोखाधड़ी का आरोप है। सीबीआई ने जिन जगहों पर छापेमारी की, उनमें कंपनियों के डायरेक्टर्स के घर और उन इंटरमीडियरी कंपनियों के दफ्तर शामिल हैं।

फर्जी लेनदेन का शक

सीबीआई का कहना है कि छापेमारी के दौरान कई अहम दस्तावेज बरामद हुए हैं। जांच में यह भी सामने आया कि कई इंटरमीडियरी कंपनियां एक ही पते से संचालित हो रही थीं, जिससे फर्जी लेनदेन और फंड डायवर्जन का शक और गहरा गया है। यह कार्रवाई मुंबई की विशेष सीबीआई अंजालत की ओर से 8 मई 2026 को जारी सर्व वारंट के आधार पर की गई।

अनिल अंबानी के खिलाफ 7 केस दर्ज

सीबीआई के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों में अनिल अंबानी समूह के खिलाफ कुल सात केस दर्ज किए गए हैं। ये मामले विशिष्ट सरकारी बैंकों और एलआईसी की शिकायतों के आधार पर दर्ज हुए हैं। आरोप है कि इन मामलों में करीब 27,337 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। जांच एजेंसी पहले भी इन मामलों में 14 ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है।

एक ही उड़ान में मिसाइल अलग-अलग ठिकानों को बनाएगी निशाना

परीक्षण के दौरान कई हथियार साथ ले गई मिसाइल

हरिभूमि ब्यूरो ► नई दिल्ली

भारत ने रक्षा के क्षेत्र में शनिवार को एक नया इतिहास रच दिया है। ओडिशा के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से ‘अग्नि’ मिसाइल के एक उन्नत संस्करण का सफल उड़ान परीक्षण किया गया। यह परीक्षण इसलिए खास है क्योंकि इस मिसाइल को मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेड री-एंट्री व्हीकल (एमआईएवी) तकनीक से लैस किया गया है। इसका आसान भाषा में मतलब यह है कि यह मिसाइल एक ही उड़ान में एक साथ कई अलग-अलग ठिकानों को निशाना बनाकर उन्हें पूरी तरह तबाह कर सकती है।

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित इस मिसाइल ने परीक्षण के दौरान कई पेलोड (हथियार) अपने साथ ले जाए। मिसाइल ने हिंद महासागर क्षेत्र के विशाल भौगोलिक क्षेत्र में फैले विभिन्न लक्ष्यों को एक बार में ही सफलतापूर्वक खत्म कर दिया। कई जमीनी और जहाज-आधारित स्टेशनों ने टेलीमिट्री और ट्रैकिंग का कार्य किया। इन प्रणालियों ने मिसाइल के प्रक्षेपण से लेकर सभी विस्फोटकों के प्रभाव तक की पूरी यात्रा का पता लगाया। उड़ान डेटा से पता चला कि परीक्षण के दौरान मिशन के सभी उद्देश्य पूरे हुए और सभी तकनीकी लक्ष्यों को हासिल कर लिया गया है।

रक्षा मंत्री ने दी बधाई

देश की इस बड़ी उपलब्धि पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ, भारतीय सेना और इस प्रोजेक्ट से जुड़े उद्योगों को दिल से बधाई दी है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि इस सफल परीक्षण से देश की रक्षा क्षमता में जबरदस्त इजाफा होगा। अब भारत बढ़ते खतरों के खिलाफ पहले से कहीं अधिक सुरक्षित और शक्तिशाली बनकर उभरा है।

जयशंकर ने त्रिनिदाद और टोबैगो की पीएम कमला प्रसाद बिसेसर से की मुलाकात

सौर ऊर्जा आधारित आधुनिकीकरण सहित कई एमओयू

एजेंसी ► पोर्ट ऑफ स्पेन

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने त्रिनिदाद और टोबैगो की पीएम कमला प्रसाद-बिसेसर के साथ व्यापक बातचीत की, जिसमें भारत और इस दो द्वीपों वाले राष्ट्र के बीच द्विपक्षीय सहयोग के विस्तार के लिए नए विचारों और पहलों पर चर्चा की गई। जयशंकर शुक्रवार को परामारिबो से पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंचे। यह उनकी जमैका, सुरिनाम और त्रिनिदाद एंड टोबैगो की तीन देशों की यात्रा का अंतिम चरण है। इस यात्रा का उद्देश्य कैरेबियाई देशों के साथ भारत की सहभागिता को और मजबूत करना था।

जयशंकर ने शुक्रवार को सोशल मीडिया ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा कि आज शाम पीएम कमला प्रसाद-बिसेसर और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ हमारी द्विपक्षीय साझेदारी की व्यापक समीक्षा की।

पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा पिछले वर्ष किए गए वादों को पूरा करने के साथ-साथ हमने द्विपक्षीय सहयोग में नए विचारों और पहलों की भी चर्चा की। इससे पहले जयशंकर ने कमला प्रसाद-बिसेसर के साथ स्कूली बच्चों को भारत में निर्मित लैपटॉप वितरित करने के कार्यक्रम में हिस्सा लिया।



पीएम कमला प्रसाद बिसेसर के साथ विदेश मंत्री एस. जयशंकर

1 भारत निर्मित लैपटॉप दिए



त्रिनिदाद और टोबैगो के स्कूली बच्चों को भारत निर्मित लैपटॉप वितरित किए

2 एमओयू साइन किया



‘आयुर्वेद पीठ’ की स्थापना सहित कई एमओयू

लोकप्रिय स्ट्रीट फूड ‘डबल्स’ का लुप्त उठाया

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने त्रिनिदाद और टोबैगो की यात्रा के दौरान यहां के लोकप्रिय स्ट्रीट फूड ‘डबल्स’ का स्वाद चखा। इस पर कैरेबियाई देश की पीएम बिसेसर ने कहा कि यह दोनों देशों के बीच बढ़ते सांस्कृतिक संबंधों का उदाहरण है। ‘डबल्स’ त्रिनिदाद और टोबैगो का एक बेहद लोकप्रिय स्ट्रीट फूड है, जिसकी जड़ें भारतीय प्रवासी समुदाय से जुड़ी हैं। इसमें मसालेदार छोले को दो तली हुई रोटियों के बीच परोसा जाता है। स्वादिष्ट और छोले होने के कारण इसकी तुलना अक्सर भारत के छोले-भटूरे से की जाती है।

अमरनाथ यात्रा 2026 से पहले सुरक्षा सख्त पाक की नई साजिश का मिला अलर्ट, पंजाब-जम्मू सीमा सील

एजेंसी ► कटुआ

पंजाब के जालंधर में धमाकों के बाद कटुआ में हाई अलर्ट जारी किया गया है। विशेष तौर पर प्रवेश द्वार लखनपुर और पंजाब को कटुआ से जोड़ने वाले सभी सीमा पर।

पंजाब पुलिस की ओर से बाकायदा जम्मू कश्मीर पुलिस को आगाह किया गया है कि पंजाब में होने वाले धमाकों के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ था और आईएसआई इसी तरह की नापाक हरकत को कटुआ में भी अंजाम दे सकती है। लिहाजा वे सतर्क



माधोपुर नाके पर पुलिस

रहें। वहीं पंजाब पुलिस के अधिकारियों और कटुआ पुलिस के अधिकारियों की एक संयुक्त टीम ने माधोपुर नाके और लखनपुर नाके पर संयुक्त रूप से जांच की। जहां तैनात पुलिस कर्मियों से कहा गया कि वे सतर्क रहें। आने जाने वाले सदिश लोगों पर नजर रखें।

होर्मुज जलडमरूमध्य के पास हादसा

भारतीय चालक दल की नाव में लगी आग, एक की मौत

एजेंसी ► नई दिल्ली

7-8 मई को मध्यरात्रि भारतीय ध्वज वाले कार्गो जहाज ‘अल फ़ैज नूर सुलेमानी’ दुबई से यमन की ओर जा रहा था। 07-08 मई की मध्यरात्रि में में भारतीय समयानुसार लगभग 2.30 बजे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास पहुंचते समय क्रॉसफायर के दौरान एक ड्रोन ने जहाज पर हमला किया।

हमले के वक्त सामान्य माल से लदी एक लकड़ी के जहाज पर 18 भारतीय कू मंबरस सवार थे। हमले में भारतीय नाविक अलताफ तलाब



एआई जनरेटेट ड्रमैज

केर की मौत हो गई, जबकि 4 भारतीय कू मंबरस घायल हो गए। चालक दल के सदस्यों को उस क्षेत्र से गुजर रहे एक जहाज ने बचाया। एक भारतीय चालक दल के सदस्य का हाथ टूट गया, दूसरे की चिन पर एक तेज वस्तु टकराया जबकि दो अन्य मामूली रूप से झुलस गए।

समाज के विकास के लिए सुरक्षित तकनीक पर ‘मिलकर’ करेंगे काम

एआई पर सहयोग बढ़ाएंगे भारत-अमेरिका

एजेंसी ► वॉशिंगटन

अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी अत्याधुनिक तकनीकों की पूरी क्षमता हासिल करने के लिए भारत और अमेरिका को खुलेपन के सिद्धांतों पर आगे बढ़ना होगा और विरोधी देशों पर किसी भी प्रकार की तकनीकी निर्भरता से बचना होगा। अमेरिकी विदेश विभाग की डिप्टी असिस्टेंट सेक्रेटरी बेथानी मॉरिसन ने शुक्रवार को आयोजित यूएस-इंडिया एआई एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी फोरम को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस कार्यक्रम का आयोजन यूएस-इंडिया एआई और इमर्जिंग टेक्नोलॉजी फोरम की ओर से किया गया था।



सभी तकनीकी लक्ष्यों को हासिल कर लिया गया

नई ‘अग्नि’ मिसाइल का परीक्षण

आईटीआर रिटर्न भरते समय बरतें सावधानी, छोटी गलती भी भारी

बिजनेस डेस्क

आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल करना आज के डिजिटल दौर में पहले की तुलना में काफी आसान हो गया है, लेकिन इसमें लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। हर साल बड़ी संख्या में लोग खुद ही ऑनलाइन आईटीआर भरते हैं, फिर भी छोटी-छोटी गलतियों के कारण उनका रिटर्न अटक जाता है या उन्हें इनकम टैक्स विभाग से नोटिस मिल जाता है। कई बार लोग गलत फॉर्म चुन लेते हैं, तो कभी अपनी आय की पूरी जानकारी नहीं देते। वहीं, कुछ करदाता रिटर्न भरने के बाद उसका ई-वेरिफिकेशन करना ही भूल जाते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया अधूरी रह जाती है। इसके अलावा पर्सनल डिटेल्स में त्रुटि, टैक्स रिजिम का गलत चयन या फॉर्म 26एस और एआईएस से मिलान न करना भी भारी पड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि आईटीआर फाइल करते समय हर स्टेप को समझदारी और सावधानी के साथ पूरा किया जाए, ताकि किसी भी तरह की परेशानी से बचा जा सके।

सही फॉर्म का चयन पहली शर्त

- आईटीआर फाइलिंग की प्रक्रिया में सबसे अहम कदम है सही फॉर्म का चुनाव।
- आईटीआर-1 उन व्यक्तियों के लिए है जिनकी आय सैलरी, एक मकान और अन्य स्रोतों से होती है।
- आईटीआर-2 उन लोगों के लिए है जिनकी बिजनेस इनकम नहीं है, लेकिन अन्य स्रोतों से आय है।
- आईटीआर-3 बिजनेस या प्रोफेशन से जुड़े लोगों के लिए होता है।
- आईटीआर-4 अनुमानित आय वालों के लिए है।
- गलत फॉर्म चुनने से आपका रिटर्न रिजेक्ट हो सकता है या प्रोसेस में देरी हो सकती है।

ई-वेरिफिकेशन भुलना पड़ सकता है भारी

आईटीआर फाइल करने के बाद सबसे बड़ी गलती जो लोग करते हैं, वह है उसे वेरिफाई न करना। अगर आपने 30 दिनों के भीतर अपने रिटर्न को ई-वेरिफाई नहीं किया, तो इसे मान्य नहीं माना जाएगा। आप नोट बैंकिंग, आधार ओटीपी या ईवीसी के जरिए आसानी से वेरिफिकेशन कर सकते हैं।

पर्सनल डिटेल्स में गलती रोक सकती है रिफंड

- नाम, पता, पैन, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि या असेसमेंट इंयर जैसी जानकारी में छोटी सी गलती भी आपके रिफंड को रोक सकती है।
- इसलिए फॉर्म भरते समय हर जानकारी को दोबारा जांचना बेहद जरूरी है।

- साथ ही टैक्स रिजिम (पुरानी या नई) का गलत चयन भी आपकी टैक्स देनदारी को प्रभावित कर सकता है।
- पूरी आय का खुलासा करना जरूरी
- कई करदाता सिर्फ सैलरी इनकम ही दिखाते हैं और अन्य स्रोतों को नजरअंदाज कर देते हैं।

आईटीआर में हर तरह की आय दिखाएं

- बैंक ब्याज
- किराया
- कैपिटल गेन
- अन्य आय
- यहां तक कि टैक्स फ्री आय को भी दिखाना चाहिए, ताकि आप सही तरीके से छूट का दावा कर सकें।

26एस और एआईएस से जरूर करें मिलान

- आईटीआर भरते समय फॉर्म 26एस और एन्यूएल इंप्रोमेंशन स्टेटमेंट (एआईएस) का मिलान जरूरी है।
- इनमें आपके टीडीएस, टीसीएस और एडवांस टैक्स की पूरी जानकारी होती है।
- अगर जानकारी और इन रिकॉर्ड्स में अंतर पाया गया, तो रिफंड अटक सकता है या नोटिस मिल सकता है।
- अगर आपका एक वित्त वर्ष में एक से अधिक कंपनियों में काम किया है, तो हर कंपनी से फॉर्म 16 लेना जरूरी है। ऐसा न करने पर आपकी कुल आय गलत दिख सकती है और टैक्स कैलकुलेशन भी प्रभावित हो सकता है।

एडवांस टैक्स समय पर भरें

- एडवांस टैक्स न भरना या देर से भरना भी एक आम गलती है।
- इसे याद कर लें—में भरना होता है।
- 15 जुन
- 15 दिसंबर
- 15 मार्च
- समय पर भुगतान नहीं तो 1% तक की पेनल्टी।

सावधानी ही बचाव

आईटीआर फाइलिंग एक जरूरी विषय जिम्मेदारी है, जिसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। छोटी-छोटी गलतियां न सिर्फ आपके रिफंड को रोक सकती हैं, बल्कि आपको टैक्स नोटिस का सामना भी करना पड़ सकता है। इसलिए सही फॉर्म का चयन, सभी आय का खुलासा, दस्तावेजों का मिलान और समय पर वेरिफिकेशन ये सभी कदम बेहद महत्वपूर्ण हैं। अगर आप थोड़ी सावधानी और समझदारी से आईटीआर फाइल करते हैं, तो न सिर्फ प्रक्रिया आसान हो जाएगी, बल्कि आप किसी भी तरह की परेशानी से भी बच सकेंगे।

बाजार गिरे या चढ़े, बढ़ेगा पैसा ऐसे बनाएं निवेश का मास्टर प्लान

एक्सपर्ट के 5 फॉर्मूले अपनाने से आपका पोर्टफोलियो बनेगा ‘मुनाफे की मशीन’

70:30 फॉर्मूला सुरक्षित निवेश और तेज ग्ोथ का संतुलन बनाएगा

मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियां बनती हैं लंबी रेस के घोड़े, विविधीकरण से घटेगा जोखिम

बिजनेस डेस्क

भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है, लेकिन 2026 का बाजार पहले से ज्यादा जटिल और अवसरों से भरा हुआ नजर आ रहा है। ऐसे समय में निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही होता है कैसे निवेश करें, ताकि जोखिम भी कम रहे और रिटर्न भी बेहतर मिले? पर्सनल फाइनेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि सही रणनीति, अनुशासन और धैर्य के साथ कोई भी निवेशक अपने पोर्टफोलियो को “मुनाफे की मशीन” में बदल सकता है। आज के दौर में केवल शेयर खरीदना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह समझना भी जरूरी है कि किस तरह का पोर्टफोलियो हर तरह के बाजार चाहे तेजी हो या गिरावट में संतुलन बनाए रख सके। निवेश का असली खेल ‘टाइमिंग’ नहीं, बल्कि ‘टाइम इन मार्केट’ है। यानी जितना ज्यादा समय आप बाजार में टिके रहते हैं, उतना ही ज्यादा कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है। विशेषज्ञों के अनुसार, 2026 में निवेश के लिए ‘70:30’ का फॉर्मूला सबसे प्रभावी रणनीतियों में से एक माना जा रहा है। इस फॉर्मूले के तहत निवेशक अपने पोर्टफोलियो का 70% हिस्सा मजबूत और स्थापित कंपनियों में लगाते हैं, जिन्हें ‘कोर होल्डिंग्स’ कहा जाता है। ये कंपनियां मजबूत बैलेंस शीट, बेहतर मैनेजमेंट और स्थिर आय के लिए जानी जाती हैं। बाजार में गिरावट के समय यही कंपनियां आपके निवेश को सुरक्षा देती हैं। वहीं, बाकी 30% हिस्सा ‘टैक्टिकल इन्वेस्टमेंट’ के लिए रखा जाता है। इसमें उभरते हुए सेक्टर्स, हाई ग्रोथ कंपनियां या शॉर्ट-टर्म ट्रेंड्स को ध्यान में रखकर निवेश किया जाता है। यह हिस्सा आपके पोर्टफोलियो को अतिरिक्त ग्रोथ देने का काम करता है। इस तरह यह फॉर्मूला सुरक्षा और आक्रामक ग्रोथ के बीच संतुलन बनाता है।



गिरावट में घबराएं नहीं, मौके पहचानें, धैर्य बनाए रखें

सही कंपनी का चयन ही असली खेल

शेयर बाजार में सफल निवेश केवल सही समय पर पैसा लगाने से नहीं, बल्कि सही कंपनी चुनने से तय होता है। विशेषज्ञों के अनुसार निवेश करने से पहले कंपनी के बिजनेस मॉडल, वित्तीय स्थिति और उसकी ‘इकोनॉमिक मोट’ को समझना बेहद जरूरी है। ‘इकोनॉमिक मोट’ का अर्थ उस विशेष ताकत से है, जो किसी कंपनी को प्रतिस्पर्धियों से अलग और मजबूत बनाती है। यह ताकत मजबूत ब्रांड वैल्यू, उन्नत तकनीक, बड़ा मार्केट शेयर, कम लागत पर उत्पादन या ग्राहकों का भरोसा हो सकती है। यदि किसी कंपनी का कारोबार लगातार बढ़ रहा हो, उसका कर्ज नियंत्रित हो और प्रबंधन पारदर्शी तरीके से काम करता हो, तो बाजार में आने वाली अस्थायी गिरावट का उस पर सीमित असर पड़ता है। ऐसी कंपनियां लंबे समय में निवेशकों को स्थिर और बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखती हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि केवल सोशल मीडिया ट्रेंड, अफवाहों या ‘हॉट टिप्स’ के आधार पर निवेश करना जोखिम बढ़ा सकता है। निवेशकों को जल्दबाजी से बचते हुए कंपनी के फंडामेंटल्स, भविष्य की संभावनाओं और बिजनेस की गुणवत्ता का गहराई से विश्लेषण करना चाहिए।

विविधीकरण और लंबी अवधि

निवेश की दुनिया में एक पुरानी कहावत है “सारे अंडे एक टोकरी में मत रखो।” यही सिद्धांत शेयर बाजार में भी लागू होता है। विविधीकरण का मतलब है अपनी पूंजी को अलग-अलग सेक्टर्स और कंपनियों में बांटना ताकि किसी एक सेक्टर में गिरावट का असर पूरे पोर्टफोलियो पर न पड़े। उदाहरण के तौर पर, अगर आप केवल आईटी सेक्टर में निवेश करते हैं और उस सेक्टर में गिरावट आती है, तो आपका पूरा निवेश प्रभावित हो सकता है। लेकिन अगर आपने फार्माशियल, कंजम्पशन, मैज्यूफैक्चरिंग और फार्मा जैसे अलग-अलग सेक्टर्स में निवेश किया है, तो एक सेक्टर की कमजोरी दूसरे सेक्टर की मजबूती से संतुलित हो सकती है। इसके साथ ही, लंबी अवधि का नजरिया बेहद जरूरी है। कई निवेशक छोटी-छोटी गिरावट से घबरा जाते हैं और जल्दबाजी में अपने निवेश को बेच देते हैं। लेकिन इतिहास बताता है कि जो निवेशक लंबे समय तक टिके रहते हैं, वही असली फायदा उठाते हैं। कंपाउंडिंग की ताकत समय के साथ ही काम करती है और धीरे-धीरे आपकी संपत्ति को कई गुना बढ़ा देती है और आपको पता भी नहीं चलता।

डिफेंस म्यूचुअल फंड्स में 25% की छलांग मौका या जोखिम? ऐसे में क्या करें निवेशक

पिछले एक महीने में डिफेंस सेक्टर से जुड़े म्यूचुअल फंड्स में करीब 20% से 25% तक का शानदार रिटर्न दिया है। इतनी तेज बढ़त न निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींचे है और कई लोग इस सेक्टर में निवेश के अवसर तलाशने लगे हैं। लेकिन बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस तेजी के पीछे मजबूत फंडामेंटल्स से ज्यादा जियोपॉलिटिकल कारण और बाजार का मोमेंटम जिम्मेदार है। ऐसे में बिना सोचे-समझे निवेश करना जोखिम भरा साबित हो सकता है। जानकारों के अनुसार, निवेशकों को सिर्फ हालिया रिटर्न देखकर फैसले नहीं लेने चाहिए। बाजार में छोटी अवधि की तेजी अक्सर बाहरी घटनाओं से प्रभावित होती है, जबकि लंबी अवधि में किसी भी निवेश का प्रदर्शन उसकी कमाई, वैल्यूएशन और बिजनेस ग्रोथ पर निर्भर करता है।

जियोपॉलिटिकल तनाव बना तेजी का बड़ा कारण

डिफेंस सेक्टर में आई हालिया तेजी का मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव और युद्ध जैसी परिस्थितियां हैं। जब दुनिया में अस्थिरता बढ़ती है, तो सरकारें रक्षा खर्च बढ़ाती हैं, जिससे इस सेक्टर की कंपनियों को अधिक ऑर्डर मिलने लगते हैं। इसका सीधा असर इन कंपनियों के शेयरों और उनसे जुड़े म्यूचुअल



फंडस पर पड़ता है। हालांकि लंबे समय में डिफेंस सेक्टर की संभावनाएं मजबूत हैं जैसे कि भारत में रवदेशीकरण को बढ़ावा, बढ़ता रक्षा बजट और मजबूत ऑर्डर बुक, लेकिन इस सेक्टर में प्रोजेक्ट्स को पूरा होने में समय लगता है।

‘मोमेंटम फेज’ में है डिफेंस सेक्टर

फिलहाल डिफेंस सेक्टर एक ‘मोमेंटम फेज’ से गुजर रहा है। यानी बाजार में तेजी से पैसा आ रहा है और निवेशकों का झुकाव इस सेक्टर की ओर बढ़ गया है। एक ही महीने में 20-25% तक का रिटर्न इस बात का संकेत है कि कीमती कंपनियों के वास्तविक प्रदर्शन से ज्यादा बाजार की भावना और निवेश के पत्ते से प्रभावित है।

- एक माह की रैली ने निवेशकों के लिए बढ़ाया आकर्षण
- डिफेंस एक्सपर्ट्स ने दे दी सावधानी बरतने की सलाह
- जियोपॉलिटिकल हालात व बढ़ते रक्षा खर्च ने दी रपत्ता
- चक्रीय प्रकृति वाला डिफेंस सेक्टर, उतार-चढ़ाव को रहें तैयार

एसआईपी बनाना लंपसम : कैसे करें निवेश?

हालिया तेजी के बाद डिफेंस सेक्टर के वैल्यूएशन ऊंचे हो चुके हैं। ऐसे में एकमुश्त (लंपसम) निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है। इसके बजाय एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए धीरे-धीरे निवेश करना बेहतर विकल्प है। एसआईपी का फायदा यह है कि निवेशक बाजार के उतार-चढ़ाव को औसत कर सकता है और जोखिम को कम कर सकता है।

डाइवर्सिफिकेशन ही सुरक्षित रास्ता

एक्सपर्ट्स का मानना है कि सीधे डिफेंस सेक्टर में निवेश करने के बजाय डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स में निवेश करना ज्यादा सुरक्षित है। जैसे फ्लेक्सि कैप, मल्टी कैप और लार्ज एंड मिड कैप फंड्स—ये विभिन्न सेक्टर्स में निवेश करते हैं और जोखिम को संतुलित रखते हैं। इन फंड्स में डिफेंस सेक्टर का एक्सपोजर भी होता है, लेकिन यह सीमित होता है, जिससे निवेशक को इस सेक्टर की ग्रोथ का फायदा तो मिलता है, लेकिन जोखिम कम रहता है। डिफेंस म्यूचुअल फंड्स में हालिया तेजी आकर्षक जरूर है, लेकिन यह स्थायी नहीं हो सकती। निवेशकों को केवल शॉर्ट टर्म रिटर्न देखकर निर्णय लेने से बचना चाहिए।

धैर्य, मेहनत और स्मार्ट प्लानिंग से शुरू करें काम

आईडिया

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में सिर्फ नौकरी पर निर्भर रहना कई लोगों को सीमित लगता है। बढ़ती महंगाई, सीमित सैलरी ग्रोथ और काम का दबाव ये सभी कारण लोगों को खुद का बिजनेस शुरू करने की ओर प्रेरित कर रहे हैं। हालांकि नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना एक बड़ा और जोखिम भरा फैसला होता है, लेकिन सही योजना, स्किल और मार्केट की समझ के साथ यह कदम आपकी जिंदगी बदल सकता है। अगर आप भी अपने करियर में बदलाव चाहते हैं और खुद का काम शुरू करने की सोच रहे हैं, तो मौजूदा ट्रेंड्स के आधार पर कुछ ऐसे बिजनेस आइडियाज हैं, जिन्हें कम निवेश में शुरू करके अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। खाल बात यह है कि इनमें से ज्यादातर काम आप अपनी मौजूदा स्किल्स के दम पर ही शुरू कर सकते हैं। इससे आप खुद के बॉस बनकर अच्छी कमाई कर सकते हैं और अपने भविष्य को सुरक्षित कर सकते हैं।

नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना बड़ा और चुनौतीपूर्ण फैसला होता है। इसमें केवल उत्साह ही नहीं, बल्कि सही रणनीति, धैर्य और लगातार मेहनत की भी जरूरत होती है। बिना तैयारी या केवल दूसरों की देखभाल लिया गया निर्णय कई बार आर्थिक और मानसिक दबाव बढ़ा सकता है।



कंसल्टेंसी/फ्रीलान्सिंग : अनुभव कमाई का जरिया

आज का समय ‘स्किल इकोनमी’ का है, जहां आपको योग्यता ही आपको सबसे बड़ी पूंजी होती है। अगर आपने किसी कॉम्प्यूटर सेक्टर में काम किया है जैसे आईटी, मार्केटिंग, एचआर या फाइनेंस तो आप आसानी से कंसल्टेंसी या फ्रीलान्स एजेंसी शुरू कर सकते हैं। इस बिजनेस में आपको बड़े ऑफिस या भारी निवेश की जरूरत नहीं होती। एक लैपटॉप, अच्छा इंटरनेट और प्रोफेशनल नेटवर्क ही आपकी शुरुआत के लिए काफी हैं। शुरुआत में आप छोटे क्लाइंट्स के साथ काम करके धीरे-धीरे अपनी टीम बना सकते हैं। कंसल्टेंसी बिजनेस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें कमाई की कोई सीमा नहीं होती। शुरुआती स्तर पर ही 50 हजार से 1.5 लाख रुपये महीना कमाया संभव है।

क्लाउड किचन : खाने के बिजनेस में मौका

खाने-पीने का बिजनेस हमेशा से लाभदायक रहा है, लेकिन अब इसका स्वरूप बदल चुका है। आज लोग रेस्टोरेट जाने के बजाय घर बैठे खाना ऑर्डर करना ज्यादा पसंद करते हैं। यही वजह है कि क्लाउड किचन तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। क्लाउड किचन की खासियत यह है कि इसमें आपको रेस्टोरेट की तरह महंगा सेटअप या बड़ी जगह की जरूरत नहीं होती। आप अपने घर से या छोटे किचन स्पेस से ही शुरुआत कर सकते हैं। ऑनलाइन

फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म पर रजिस्ट्रेशन करके आप अपने प्रोडक्ट को बड़े बाजार तक पहुंचा सकते हैं। इस बिजनेस में लागत अपेक्षाकृत कम होती है, जबकि मुनाफे की संभावना ज्यादा होती है। सही क्वालिटी और मार्केटिंग के साथ आप पहले ही महीने से अच्छी कमाई शुरू कर सकते हैं।

ई-कॉमर्स/ड्रॉपशिपिंग : स्मार्ट तरीका

डिजिटल इंडिया के इस दौर में ऑनलाइन बिजनेस तेजी से बढ़ रहा है। ई-कॉमर्स और ड्रॉपशिपिंग ऐसे मॉडल हैं, जिनमें आप बिना ज्यादा निवेश के अपना ऑनलाइन स्टोर शुरू कर सकते हैं। ड्रॉपशिपिंग की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें आपको प्रोडक्ट स्टॉक करने की जरूरत नहीं होती। जब ग्राहक ऑर्डर करता है, तो सप्लायर सीधे उस प्रोडक्ट को ग्राहक तक पहुंचाता है। इससे आपको गोदाम या इन्वेंट्री की चिंता नहीं रहती। यह बिजनेस पूरी तरह से ऑटोमेशन और डिजिटल मार्केटिंग पर आधारित है। सही रणनीति के साथ आप घर बैठे ही अच्छी कमाई कर सकते हैं। टेक गैजेट्स, किचन आइटम्स, हैडीकाप्ट्स और इको-फ्रेंडली प्रोडक्ट्स जैसे सेगमेंट में काफी संभावनाएं हैं। यह बिजनेस धीरे-धीरे आपको ‘पैसिव इनकम’ का स्रोत भी दे सकता है, जहां आप सोते हुए भी कमाई कर सकते हैं।

ईवी चार्जिंग/गीन एनर्जी : कल बने लीडर

इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता ने एक नए बिजनेस सेक्टर को

जन्म दिया है। ईवी चार्जिंग स्टेशन। आने वाले वर्षों में यह सेक्टर तेजी से बढ़ने वाला है, जिससे इसमें निवेश करने वालों के लिए बड़े अवसर पैदा हो रहे हैं। आप रिजिडेंशियल सोसाइटी, मॉल या कॉर्पोरेट एरिया में ईवी चार्जिंग पॉइंट लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। इसके साथ ही, ईवी मेंटेनेंस और रिपेयरिंग सर्विस जोड़कर अपनी आय को और बढ़ा सकते हैं। हालांकि इस बिजनेस में शुरुआती निवेश थोड़ा ज्यादा होता है, लेकिन इसकी लॉन्ग-टर्म संभावनाएं बेहद मजबूत हैं। अगर आप शुरुआती दौर में इस सेक्टर में कदम रखते हैं, तो आने वाले समय में बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं।

डिजिटल कंटेंट/ऑनलाइन कोर्स

अगर आपके पास किसी विषय की गहरी जानकारी है चाहे वह स्टॉक मार्केट हो, पढ़ाई, फिटनेस, कुकिंग या टेक्नोलॉजी तो आप उसे डिजिटल कंटेंट या ऑनलाइन कोर्स के रूप में बदल सकते हैं। आज के समय में यूट्यूब, सोशल मीडिया और ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म के जरिए लाखों लोग अपनी स्किल्स को बिजनेस में बदल रहे हैं। इस मॉडल की खासियत यह है कि इसमें आप खुद का ब्रांड बनाते हैं और आपकी कमाई आपकी मेहनत और एडवांस पर निर्भर करती है। शुरुआत में आपको एक अच्छे स्मार्टफोन, माइक्रोफोन और बेसिक एडिटिंग सेटअप की जरूरत होती है। जैसे-जैसे आपका कंटेंट लोकप्रिय होता है, आपकी कमाई भी तेजी से बढ़ती जाती है।



पहली ईएमआई चल रही है, फिर भी चाहिए लोन?

- एफओआईआर का खेल : इनकम का कितना हिस्सा ईएमआई में जा रहा
- ईएमआई ज्यादा तो लोन मुश्किल, बैंक कैसे तय करते हैं आपकी क्षमता
- लोन का टाइट्र भी अहम : होम, पर्सनल या क्रेडिट कार्ड का फर्क

सावधानी

बिजनेस डेस्क

आज के समय में लगभग हर दूसरा व्यक्ति किसी न किसी लोन की ईएमआई चुका रहा है। चाहे वह होम लोन हो, कार लोन या फिर क्रेडिट कार्ड का बकाया। ऐसे में जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है, तो सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि क्या पहले से ईएमआई चलने के बावजूद नया लोन मिल सकता है? जवाब है हां, मिल सकता है, लेकिन इसके लिए कुछ जरूरी शर्तों को पूरा करना होता है। बैंक सिर्फ आपकी सैलरी देखकर लोन मंजूर नहीं करते, बल्कि यह भी देखते हैं कि आपकी आय का कितना हिस्सा पहले से ईएमआई में जा रहा है और आपके पास कितना पैसा बच रहा है। यही गणिता तय करता है कि आप नए लोन के लिए योग्य हैं या नहीं।

ईएमआई घटाएं, लोन की राह बनाएं, छोटे बदलाव का बड़ा असर

एफओआईआर क्या है

जब आप किसी बैंक या फाइनेंशियल संस्थान में लोन के लिए आवेदन करते हैं, तो सबसे पहले आपकी आय और खर्च का विश्लेषण किया जाता है। इसमें एक अहम भूमिका निभाता है एफओआईआर यानी फिक्स्ड ऑब्सेवेशन टू इनकम रेशियो। एफओआईआर यह बताता है कि आपकी कुल मासिक आय का कितना हिस्सा पहले से चल रही ईएमआई में खर्च हो रहा है। उदाहरण के तौर पर, अगर आपकी सैलरी 1 लाख रुपये है और आप 40,000 रुपये ईएमआई दे रहे हैं, तो आपका एफओआईआर 40% होगा। बैंक आमतौर पर 50% से कम एफओआईआर को सुरक्षित मानते हैं। अगर यह अनुपात 60% या उससे ज्यादा हो जाता है, तो बैंक को लगता है कि आप पर कर्ज का बोझ ज्यादा है, जिससे नए लोन की मंजूरी मुश्किल हो सकती है।

ईएमआई ज्यादा होने पर मुश्किल

जितनी ज्यादा आपकी मौजूदा ईएमआई होगी, उतनी ही कम आपकी नई लोन लेने की क्षमता होगी। बैंक यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि आप नया लोन भी बिना किसी परेशानी के चुका सकें। अगर आपकी आय का बड़ा हिस्सा पहले से ईएमआई में जा रहा है, तो बैंक के लिए यह जोखिम बढ़ जाता है कि आप भविष्य में भुगतान करने में तूफान कर सकते हैं। इसी वजह से ज्यादा ईएमआई वाले ग्राहकों को या तो लोन नहीं मिलता या फिर कम राशि का लोन ऑफर किया जाता है।

लोन का प्रकार भी करता है असर

- सिर्फ ईएमआई की राशि ही नहीं, बल्कि यह भी मायने रखता है कि आपका लोन किस प्रकार का है।
- होम लोन : इसे सबसे सुरक्षित माना जाता है, क्योंकि इसके बदले संपत्ति गिरवी होती है।
- कार लोन: मध्यम जोखिम की श्रेणी में आता है।
- पर्सनल लोन: इसमें जोखिम ज्यादा होता है, क्योंकि यह बिना किसी गारंटी के दिया जाता है।
- क्रेडिट कार्ड बकाया: इसे सबसे ज्यादा जोखिम वाला माना जाता है।

- बैंक ऐसे ग्राहकों को प्राथमिकता देते हैं, जिनका कर्ज संतुलित और नियंत्रित होता है। अगर आपके पास ज्यादा अनसिकवायर्ड लोन (जैसे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड) हैं, तो नया लोन मिलने में दिक्कत हो सकती है।

वया ईएमआई कम करके बढ़ा सकते हैं लोन की संभावना?

अगर आप नया लोन लेना चाहते हैं, तो अपनी मौजूदा ईएमआई को कम करना एक अच्छा उपाय हो सकता है। इसके लिए आप छोटे-छोटे लोन पहले बंद कर सकते हैं। मान लीजिए आपकी सैलरी 1 लाख रुपये है और ईएमआई 50,000 रुपये है (एफओआईआर = 50%)। अगर आप 5,000 रुपये की ईएमआई वाला लोन बंद कर देते हैं, तो एफओआईआर घटकर 45% हो जाएगा। इससे आपकी लोन लेने की क्षमता बढ़ सकती है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि लोन बंद करने के बाद इसका असर आपके क्रेडिट रिकॉर्ड में दिखने में 30–45 दिन का समय लग सकता है।

क्रेडिट स्कोर बनाम ईएमआई

लोन लेते समय क्रेडिट स्कोर भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आमतौर पर 750 या उससे अधिक का स्कोर अच्छा माना जाता है और इससे बैंक का भरोसा बढ़ता है। लेकिन सिर्फ अच्छा क्रेडिट स्कोर होना ही काफी नहीं है। अगर आपकी ईएमआई पहले से ज्यादा है और एफओआईआर उच्च स्तर पर है, तो लोन मिलने में परेशानी हो सकती है।

सरल शब्दों में ऐसे समझें

- क्रेडिट स्कोर बैंक का भरोसा बढ़ाता है
- एफओआईआर (ईएमआई का बोझ) तय करता है कि कितना लोन मिलेगा
- नया लोन लेने से पहले ध्यान रखें ये बातें
- अपनी सभी ईएमआई की सही जानकारी बैंक को दें, कुछ भी छिपाए की कोशिश न करें।
- कोशिश करें कि आपकी कुल ईएमआई आपकी आय के 40% के आसपास ही रहे।
- छोटे और अनावश्यक लोन को पहले बंद करें।
- क्रेडिट कार्ड का बकाया समय पर चुकाएं।
- खर्च और कर्ज के बीच सतुलन बनाए रखें।
- सही बैलेंस से ही मिलेगा नया लोन

सही संतुलन बनाए रखें

अगर आपके ऊपर पहले से ईएमआई चल रही है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आपको नया लोन नहीं मिल सकता। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी आय, खर्च और कर्ज के बीच सही संतुलन बनाए रखें। एफओआईआर को नियंत्रित रखना, क्रेडिट स्कोर अच्छा बनाए रखना और अनावश्यक कर्ज से बचना—ये तीन बातें आपको आसानी से नया लोन दिला सकती हैं। सही प्लानिंग के साथ आप न सिर्फ नया लोन ले सकते हैं, बल्कि अपनी वित्तीय स्थिति को भी मजबूत बना सकते हैं।



अमोदा में पंचकुंडीय शत चंडी यज्ञ में उमड़े श्रद्धालु
औबेदुल्लागंज। श्री खेड़ापति माता मंदिर ग्राम अमोदा में चल रही पंचकुंडीय शत चंडी यज्ञ में शनिवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और कथावाचक पंडित आशीष दुबे ने भगवान श्री कृष्ण एवं सुदामा चरित्र एवं राजा परीक्षित का प्रसंग सुनाया। पंडित दुबे जी ने कहा रविवार को कथा का अंतिम दिन है, इसलिए अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालु कथा का लाभ लें। आरती के बाद पंकज शर्मा ने कथावाचक पंडित दुबे जी को शॉल श्रीफल देकर स्वागत किया।

पटवा ने किया राज्य मंत्री पंवार का स्वागत



औबेदुल्लागंज। विधायक सुरेंद्र पटवा ने शनिवार को जिला विकास सलाहकार समिति की महत्वपूर्ण बैठक में पहुंचकर मध्यप्रदेश शासन में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व रायसेन जिला प्रभारी नारायण सिंह पंवार का स्वागत किया।

विधायक पटवा ने बांटी पोषण आहार सामग्री



औबेदुल्लागंज। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मंत्री की उपस्थिति में कुपोषित बच्चों के हितग्राहकों को पोषण आहार सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री नारायण सिंह पंवार, पूर्व मंत्री सुरेंद्र पटवा एवं मंत्री प्रभुराम चौधरी एवं मंत्री रामपाल सिंह विभागीय अधिकारी, कर्मचारी एवं हितग्राही उपस्थित रहे।

जन्मदिन पर नमीता ने पटवा से लिया अशीर्वाद



औबेदुल्लागंज। नगर परिषद औबेदुल्लागंज की उपाध्यक्ष एवं भाजपा प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट नमिता बागिश अग्रवाल ने जन्मदिवस के शुभ अवसर पर भोपाल निवास पर पहुंचकर विधायक सुरेंद्र पटवा से उनका आशीर्वाद लिया। विधायक पटवा सहित भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर, अंकित अग्रवाल, मानसी मिलत, अनुगुधा विजयवर्गीय, पार्षद हेमलता मनोज चौरसिया, नरेश सेठी, दीपू परमार, नंदू शर्मा नमीता अग्रवाल को जन्मदिन की बधाई दी।

हर्षोल्लास के साथ मनाया नागर का जन्मदिन



औबेदुल्लागंज। कांग्रेस नेता परेश नागर का शनिवार को जन्मदिन बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया। इस दौरान धाकड़ समाज के वरिष्ठ मोहन पटेल पारखेड़ी, गौरी शंकर नागर, नरेंद्र नागर, संजय सिंह चौहान, दुर्गाय यादव, विनोद इराचचे, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष इमरत सिंह दरबार, जमुना राजपूत, सूरजमल गौर आदि ने जन्मदिन की बधाई दी।

शुभार्क			
कल्याण:	1736		
दिन:	137	18	288
रात:	349	66	367
दिन:			
ता:	245	17	124
रात:	356	44	446

भोपाल-बैरसिया रोड पर टाइगर के मूवमेंट से सात गांव के लोग दहशत में

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

भोपाल के बैरसिया रोड पर पिछले दस दिनों से टाइगर के मूवमेंट देखने को मिल रहा है। इसके चलते कनेरा गांव सहित करीब सात गांवों में टाइगर देखा जा रहा है। साथ ही पिछले 10 दिनों में टाइगर 5 गाय और भैंसों का शिकार कर चुका है। इस वजह से कनेरा गांव और उससे जुड़े करोंदखुर्द, कड़ैया, छपर, अगरिया, मुगालिया कोट और चांचड़ गांव के लोगों ने रात में रास्ता बदल लिया है। वे 5 से 6 किमी घूमकर आना-जाना कर रहे हैं। ग्रामीणों ने मामले की सूचना वन विभाग को दी। इसके बाद वन विभाग की टीम की ओर से सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन टाइगर का पता नहीं चल सका। ग्रामीणों के अनुसार शुक्रवार की रात उसने एक और गाय का शिकार किया था। इस वजह से कुछ गांव के लोग रात में जाग कर पहरा दे रहे हैं।



भोपाल के बैरसिया रोड पर बाघ का मूवमेंट सीसीटीवी में हुआ कैद।

►► **10 दिन में 5 गाय और भैंस का किया शिकार, ग्रामीण रातभर दे रहे पहरा बदले रास्ते से आ जा रहे**

मेल क्षेत्र स्थित 100 क्वार्टर बी-सेक्टर पिपलानी में हुआ हादसा

ई-रिक्षा की जोरदार टक्कर से घर के बाहर टहल रहे युवक की मौत

►► **टक्कर लगने के बाद ई-रिक्षा छोड़कर भाग निकला चालक**

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित 100 क्वार्टर बी-सेक्टर में शुक्रवार रात तेज रफ्तार ई-रिक्षा के चालक ने घर के बाहर टहल रहे युवक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही आसपास के लोगों ने आरोपी चालक को रोक लिया और उसकी ई रिक्षा से घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया। वहां कुछ ही देर चले इलाज के बाद युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार 100 क्वार्टर झुग्गी, बी-सेक्टर पिपलानी निवासी हटे सिंह जाधव (38) एक ठेकेदार के पास साइड सुपरवाइजर का काम करते थे। शुक्रवार रात करीब दस बजे वह खाना खाकर अपने घर के बाहर टहल रहे थे। उसी



दौरान तेज रफ्तार ई-रिक्षा के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से हटे सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। वहां मौजूद लोगों ने ई-रिक्षा के माध्यम से ही उन्हें जेपी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजन का कहना है कि ई-रिक्षा में आरोपी चालक की मां भी सवार थी। आरोपी चालक अपनी गाड़ी और मां को छोड़कर अस्पताल से फरार हो गया। आरोपी चालक की मां ने मृतक के परिजनों को बताया कि ई-रिक्षा में ब्रेक कम लग रहे थे। पुलिस ने रिक्षा जब्त कर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है।

किराए की बात पर विवाद, ऑटो चालक ने युवक के सिर पर मारा चाकू

स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित हबीबिया तिराहा पर शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब दो बजे ऑटो चालक और उसके साथी ने युवक से मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर दिया। चाकू सिर पर लगने से युवक को गंभीर चोट आई है। युवक का ऑटो चालक से किए गए की बात को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस ने अज्ञात ऑटो चालक और उसके साथी पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की

तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार सूरज साहू (30) सोनागिरी पिपलानी में किराए से रहता है और प्राइवेट काम करता है। मूलतः छत्तीसगढ़ निवासी सूरज साहू शुक्रवार रात रेलवे स्टेशन गया था। परिवार में किसी की तबीयत खराब होने के कारण उसे छत्तीसगढ़ जाना था, लेकिन ट्रेन छूट गई। लिहाजा उसने एक नंबर स्टेशन के बाहर से ऑटो पकड़ा। ऑटो में चालक के अलावा उसका एक अन्य साथी था।

मड़क गए और मारपीट की

हबीबिया तिराहा पहुंचते ही किराए को लेकर विवाद हो गया। सूरज ने कहा कि मुझे यहीं उतार दो मैं दूसरे ऑटो से चले जाऊंगा। इस पर आरोपी मड़क गए और मारपीट करने लगे। सूरज ने आरोपियों का विरोध किया तो एक आरोपी ने सूरज के सिर पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू सिर पर लगने से सूरज लहलुहा हो गया। वह किसी तरह अशोक गार्डन थाने पहुंचा। अशोक गार्डन पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया, वहां इलाज कराने के बाद स्टेशन बजरिया थाने भेजा।

विजय नगर में 28 मई से श्रीमद् भागवत कथा का होगा शुभारंभ

पंचायत के अध्यक्ष सबधानी ने बैठक में दी जानकारी

भोपाल। सिंधी समाज उत्थान पंचायत के अध्यक्ष आनंद सबधानी ने आयोजित बैठक में जानकारी देते हुए बताया कि भगवान के परम प्रिय पुरुषोत्तम मास के अंतर्गत 28 मई से 3 जून तक भव्य श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।



साखी मंजरी प्रिया, कथावाचक

आनंद सबधानी ने बताया कि 28 मई को शाम 4 बजे भव्य कलश यात्रा श्री हरी सेवा गंगा दरबार से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए महामृत्युंजय मंदिर, विजय नगर, लालघाटी- भोपाल पहुंचेगी, जिसके उपरांत महामृत्युंजय मंदिर परिसर में कथा का शुभारंभ होगा। यह संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा प्रतिदिन शाम 5:30 बजे से 8:30 बजे तक कथावाचक साध्वी मंजरी प्रिया के मुखारविंद से सुनाई जाएगी।

वार्ड 22 के निर्दलीय पार्षद के विरुद्ध दायर याचिका खारिज

भोपाल। नगर निगम के वार्ड 22 के निर्दलीय पार्षद समर हुजूर के विरुद्ध भाजपा के पराजित प्रत्याशी प्रवेश सक्सेना द्वारा दायर चुनाव याचिका अपर जिला न्यायाधीश संजय अग्रवाल ने सुनवाई के बाद खारिज कर दी है। भाजपा के पराजित प्रत्याशी ने पार्षद समर हुजूर पर नामांकन फार्म में असत्य जानकारी दिए जाने का आरोप लगाया था। प्रकरण में पार्षद समर हुजूर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मो. मेहबूब अंसारी एवं कनिष्ठ अधिवक्ता मो.निसार खान ने पैरवी की थी। प्रकरण के अनुसार 6 जुलाई 2022 को भोपाल नगर निगम वार्ड 22 के चुनाव हुए थे, जिसमें गड़बड़ी का आरोप लगाया था।

धर्म सभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री ने कहा-

हरिभूमि न्यूज़ ►►औबेदुल्लागंज

पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में विराजमान 108 मुनि श्री साध्यसागर महाराज एवं 105 धुल्लक श्री विनयनंदी महाराज ने शनिवार को धर्म सभा को संबोधित करते हुए जीवन में मंदिर और धर्म की महत्ता पर विशेष प्रकाश डाला। मुनि श्री ने कहा कि नियमपूर्वक भगवान के दर्शन करने से जीवन के समस्त विघ्न समाप्त हो जाते हैं और व्यक्ति पर कभी कोई ऊपरी संकट या बाधा नहीं आती।

उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रेरित करते हुए कहा कि मंदिर में मूर्ति के आकार, रंग या सुंदरता को देखने के बजाय सिद्ध शिला पर विराजमान तीर्थंकर के वास्तविक स्वरूप का

नियमपूर्वक भगवान के दर्शन करने से जीवन के समस्त विघ्न समाप्त हो जाते हैं



पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में धर्म सभा को संबोधित करते मुनिश्री।

ध्यान करना चाहिए। इसी क्रम में, भोजपुर जैन मंदिर कमेटी के अध्यक्ष विमल राजपदी जैन सहित मुकेश, अमित, ऋषभ, विनोद ठेकेदार और धर्मेन्द्र जैन ने महाराज श्री को श्रीफल भेंट कर आगामी 15 मई को भगवान सुनील वर्धमान, आशारानी जैन, प्रदीप शिरोमणि जैन, समता जैन, विनय जैन, दिनेश गुड्डन एवं इंद्रा तरुण जैन सहित अनेक गणमान्य धर्मावलंबी उपस्थित रहे।

पंजवानी की नेत्रों से दो जिंदगी में आएगी रोशनी

संतनगर। भोपाल निवासी मनोहरलाल पंजवानी का देहावसान शुक्रवार 8 मई को हो गया। दिवंगत पंजवानी के पुत्र नरेन्द्र पंजवानी ने अपने पिता की आंखें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय की दान में दे दी हैं। दिवंगत पंजवानी के नेत्र, अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तिओं को प्रत्यारोपित किए जाएंगे। सेवा सदन अस्पताल ने अभी तक 2,321 दृष्टिबाधित लोगों को निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट के सचिव हरीराम ज्ञानचंदानी ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना तथा परिवार जन के प्रति स्वजन के नेत्रों का दान करवाने पर कृतज्ञता प्रकट की है।



‘रोग निवारण एवं मासिक प्रशिक्षण शिविर’ शुरू अपने शरीर का शुद्धिकरण कर हम रह सकते हैं सदा निरोग

हरिभूमि न्यूज़ ►►संतनगर

आरोग्य केन्द्र द्वारा आयोजित ‘रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर श्रृंखला’ के अन्तर्गत दस दिवसीय शिविर का शुभारंभ अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश यादव ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य बिना दवा तंदुरुस्ती पाना है। मिनिस्ट्री ऑफ आयुष के अंतर्गत पद्धतियां जैसे नैचरोपेथी उपचार, योग, आयुर्वेद पंचकर्म तथा होम्योपेथी से यहां पर उपचार दिया जाता है। इस दस दिवसीय शिविर में आप अपने शरीर का शुद्धिकरण कैसे करें



को सीखाया जाता है। शरीर का शुद्धिकरण होना बहुत ही आवश्यक है, इसलिए इस शिविर का नाम ही ‘रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर’ रखा गया है। इस शिविर में आप ऐसी कला सीखेंगे जिससे आप सुखमय व स्वास्थमय जीवन पा सकें। स्वस्थ जीवन प्राप्त करने के लिए एक ही उपाय है अपनी दिनचर्या में परिवर्तन करना।



वन विभाग एवं डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-पाकिस्तान ने खानेवाल जिले में इस गिद्ध को सफलतापूर्वक स्थानीय निवासियों से बरामद

किया गया था। वन विहार डायरेक्टर विजय कुमार ने बताया कि भोपाल छोड़ा गया एक गिद्ध 24 दिन में उज्बेकिस्तान पहुंच गया। गिद्ध ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान को पार कर करीब 3 हजार किलोमीटर की दूरी तय की। वन विभाग ने जीपीएस से उसकी निगरानी की। सिनेरियस गिद्ध का रेस्क्यू 19 दिसंबर 2025 को विदिशा जिले के सिराज क्षेत्र से किया था। घायल और कमजोर अवस्था में मिले इस दुर्लभ गिद्ध का उपचार वन विहार नेशनल पार्क में हुआ। स्वस्थ होने के बाद 23 फरवरी को मुख्यामंत्रि डॉ. मोहन यादव ने इसे रायसेन जिले के हलाली डैम स्थित प्राकृतिक आवास में मुक्त किया था।

नगर में जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य पूर्ण, कलेक्टर ने दी शुभकामनाएं

कर्मचारियों ने दिन-रात मेहनत कर निभाई अपनी जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज़ ►►औबेदुल्लागंज

नगर में जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य संपन्न हो गया है। इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए नगर के 15 वार्डों के 39 गणना ब्लॉकों में कुल 36 प्रगणक, 3 अतिरिक्त प्रगणक, 6 सुपरवाइजर और 2 अतिरिक्त सुपरवाइजरों की नियुक्ति की गई थी। इन सभी कर्मियों ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद दिन-रात मेहनत और निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई, जिसके परिणाम स्वरूप जनगणना का यह चरण गौरवपूर्ण ढंग से पूरा हुआ।

इस उपलब्धि पर कलेक्टर ने एसडीएम और सीएमओ को शुभकामनाएं दीं। वहीं, अनुविभागीय अधिकारी और मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने भी परिषद के कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करते हुए उन्हें प्रशंसित किया।

भाजपा कार्यालय में मासिक बैठक आयोजित, पटवा सहित प्रभारी मंत्री नारायण सिंह भी हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज़ ►►औबेदुल्लागंज

मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर ने बताया कि भाजपा के कार्यालय में शनिवार को मासिक बैठक आयोजित की। बैठक में संगठनात्मक विषयों, आगामी कार्यक्रमों तथा बृथ स्तर तक संगठन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में कार्यकर्ताओं को संगठन की रीति-नीति एवं आगामी कार्यक्रमों के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करते हुए जनसंपर्क एवं संगठन विस्तार पर विशेष जोर दिया गया, साथ ही पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा आगामी गतिविधियों को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर रायसेन जिले के प्रभारी मंत्री



बैठक को संबोधित करते हुए विधायक सुरेंद्र पटवा।

नारायण सिंह पंवार, विधायक सुरेंद्र पटवा, विधायक प्रभुराम चौधरी, रायसेन जिले की प्रभारी राजे मालवीय, वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री रामपाल सिंह राजपूत, भाजपा के जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा, दीपेंद्र पाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



फाइल फोटो।

रॉन्ग साइड वाहन चलाने गलत जगह वाहन पार्किंग करने वालों पर फोकस

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

राजधानी में अब ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर पुलिस की नहीं, बल्कि ड्रोन की नजर होगी। ड्रोन में नियत तोड़ने वाले कैप्चर होंगे और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, राजधानी पुलिस विवाद से बचने हाईटेक तकनीक का सहारा ले रही है। नई तकनीक के तहत राजधानी के प्रमुख चौराहों और व्यस्त मार्गों पर ड्रोन कैमरों से निगरानी रखी जा रही है। नियम तोड़ने वालों की पहचान कर सीधे चालानी कार्रवाई भी शुरू हो गई है।



पुलिस अधिकारियों के अनुसार फिलहाल दो ड्रोन संचालित किए जा रहे हैं, जिन्हें ट्रैफिक प्रबंधन के लिए प्रयोग में लाया जा रहा है। यह ड्रोन शहर के व्यस्त क्षेत्रों और चौराहों पर निगरानी रखेंगे। साथ ही जाम से प्रभावित मार्गों पर भी इन ड्रोन कैमरों की मदद से निगरानी रखी जाएगी। ड्रोन कैमरों के माध्यम से बिना हेलमेट वाहन चलाने, सीट बेल्ट नहीं लगाने, गलत दिशा में वाहन चलाने, मोबाइल पर बात करते हुए ड्राइविंग करने और अवैध पार्किंग करने वालों पर विशेष नजर रखी जा रही है। नियम उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के नंबर रिकॉर्ड कर ऑननलाइन चालान भेजे जा रहे हैं। वीआईपी रोड वाहनों पर खास नजर रखी जा रही है। सबसे अधिक रंग साइड, अवैध पार्किंग की शिकायतें इस मार्ग से आती हैं।

ट्रैफिक जाम लगते ही मिलेगी तत्काल जानकारी

पुलिस का कहना है कि ड्रोन तकनीक से ट्रैफिक जाम की स्थिति का तुरंत आकलन किया जा सकेगा। जहां जाम लगेगा वहां तुरंत ट्रैफिक जवानों को भेजकर यातायात सुचारु कराया जाएगा। बड़े आयोजनों, वीआईपी मूवमेंट और त्योहारों के दौरान भी ड्रोन से निगरानी की जाएगी। भोपाल पुलिस का मानना है कि ड्रोन निगरानी से सड़क हादसों में कमी आएगी और लोग यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक होंगे। आने वाले समय में ड्रोन की संख्या बढ़ाने की भी योजना बनाई जा रही है। इंडेयर में ड्रोन के जरिये निगरानी की जा रही है। वहां सफाई मिलने के बाद अब भोपाल में भी ड्रोन से निगरानी करने दो ड्रोन लगाए गए हैं। ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों वालों पर प्रभावी कार्रवाई की गई थी।

ड्रोन से नजर रखी जा रही है
अभी दो ड्रोन का संचालन किया जा रहा है। पुलिस पौक ऑवर टाइम में ड्रोन से नजर रखी जा रही है। साथ ही वीआईपी मूवमेंट के दौरान भी ड्रोन से निगरानी रखी जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।
संजय कुमार, पुलिस कमिश्नर, भोपाल

विवाद से बचने होगी ऑनलाइन चालानी कार्रवाई

भोपाल पुलिस ड्रोन कैमरों से वाहन नंबर रिकॉर्ड कर ऑनलाइन चालान भेजेगी। साथ ही बड़े आयोजनों, त्योहारों और वीआईपी मूवमेंट के दौरान भी ड्रोन से निगरानी रखी जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

खबर संक्षेप

हिंदी को राष्ट्र भाषा का दर्जा देने राष्ट्रपति को पत्र

भोपाल। मानवाधिकार सुरक्षा संरक्षण ऑर्गेनाइजेशन की एक बैठक का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य रूप से हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने को लेकर चर्चा की गई। ऑर्गेनाइजेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल तिवारी ने बताया कि हिंदी भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन प्रेषित किया है। उन्होंने बताया कि पत्र के माध्यम से कहा कि हिंदी देश की सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषाओं है। राष्ट्रीय एकता का महत्वपूर्ण माध्यम है। संविधान में हिंदी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त है, लेकिन अब तक इसे राष्ट्रभाषा का आधिकारिक दर्जा नहीं मिल पाया है। हिंदी को राष्ट्रभाषा की मान्यता मिलने से देश की सांस्कृतिक एकता और अधिक मजबूत होगी तथा भारतीय भाषाओं के सम्मान को भी बढ़ावा मिलेगा।

मंडल रेल चिकित्सालय ने टांगे सकोरे

भोपाल। बढ़ती गर्मी को देखते हुए मण्डल रेल चिकित्सालय के पार्क एरिया में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय डोगरा के नेतृत्व में मेडिकल टीम एवं स्टाफ द्वारा पक्षियों के पानी पीने हेतु सकोरे टांगे। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने-अपने घरों एवं कार्यस्थलों पर भी ग्रीष्म ऋतु में पक्षियों के हित में सकोरे लगाने एवं नियमित रूप से उनमें पानी भरने का संदेश दिया।

लहारपुर में झुग्गीवासियों की शिफ्टिंग का विरोध पीएम आवास का इंतजार

भोपाल। कोलार इलाके में पिछले दिनों बावड़ियाकलां से हटाई गई झुग्गीवासियों की लहारपुर में शिफ्टिंग का विरोध शुरू हो गया है। दरअसल इन लोगों को पीएम आवास मिलने तक यहां अस्थायी रूप से रहना पड़ा है। लहारपुर में शिफ्टिंग का पर्यावरण प्रेमियों ने विरोध शुरू कर दिया है, जहां पर बड़े पेड़ लगे हुए हैं, जिन्हें काटकर ही लोग झुग्गी बना पाएंगे। जिसको लेकर शनिवार को झुग्गीवासियों ने एकत्र होकर प्रदर्शन किया और अपनी मांग रखी है। मालूम हो कि पिछले दिनों दीपक नगर बावड़िया कलां में करीब 25 साल से सरकारी जमीन पर काबिज 30 झुग्गी परिवारों को हटाया गया था।

अनुरोध पटेरिया को मातृ: शोक

जबलपुर। हरिभूमि समाचार-पत्र के यूनिट हेड अनुरोध पटेरिया की माताश्री भानु देवी पटेरिया पत्नी स्वर्गीय जगदीश प्रसाद पटेरिया



निवासी मोहल्ला बेनी सागर, पन्ना का शुक्रवार को जबलपुर में स्वर्गवास हो गया है। वे अपने पीछे पुत्र अरूण पटेरिया, अनिल पटेरिया, अनुरोध पटेरिया एवं पुत्री निशा अवस्थी सहित भ्राता-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। श्रीमती पटेरिया पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ थीं तथा उनका जबलपुर में निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। पटेरिया के निधन पर हरिभूमि परिवार ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए शोकानुल परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने एवं दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान देने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

स्वच्छता सर्वेक्षण-सिटीजन फीडबैक-2025-26, पूरी तरह अलर्ट मोड पर निगम प्रशासन

बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र बने रिहायशी इलाकों में बनाए गेम जोन

►► हुजूर, मध्य और दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के जोनों की टीमों के साथ सर्वेक्षण को लेकर बैठक

शहर के मुख्य बाजारों में सफाई, रंगाई-पुताई, वाल पेंटिंग जैसे काम में तेजी

कहा, गंदगी दिखी तो दरोगा और एचओ पर कार्रवाई तय

दिल्ली से कमी भी पहुंच सकती है सर्वे के लिए टीमों, कमिश्नर कर रही मॉनिटरिंग

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की टीमों अब राजधानी में सर्वे करने के लिए कमी भी आ सकती हैं। इसे लेकर निगम प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर आ गया है। सफाई व्यवस्था की कमान निगम आयुक्त ने खुद संभाल ली है। शनिवार को हुजूर, मध्य और दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के जोनों की टीमों के साथ सर्वेक्षण को लेकर बैठक ली और समस्याओं के बारे में भी पूछा। उन्होंने सख्त हिदायत दी कि अगर कहीं भी गंदगी दिखी तो दरोगा और एचओ पर कार्रवाई होगी। वहीं दूसरी ओर सार्वजनिक स्थलों, बाजारों में रंगाई-पुताई और वाल पेंटिंग जैसे काम तेज हो गए हैं। आवासीय इलाकों में इस बार गेम जोन बनाए गए हैं, जो बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गए हैं।

निगम कमिश्नर ने बैठक के दौरान अधिकारियों से सुझाव भी मांगे और सफाई के दौरान आने वाली समस्याओं के बारे में भी पूछा। बैठक से पहले उन्होंने शहर के अलग-अलग इलाकों की सफाई व्यवस्था देखी। उन्होंने सभी 21 जोन में सफाई व्यवस्था में कसावट लाने को कहा। उन्होंने कहा बीते एक सप्ताह से शहर की सफाई व्यवस्था में खासा बदलाव देखा जा रहा है। निगम की मैदानी टीमों बेहतर काम कर रही हैं। शहर की सड़कों की सफाई संभाल रहे कर्मचारी सुबह से नजर आ रहे हैं।



ईदगाह हिल्स में की सुंदर पेंटिंग।



ईदगाह हिल्स में सुंदर पेंटिंग।

तीन स्तर पर मूल्यांकन करेगी टीमें

सर्वेक्षण के लिए केंद्र सरकार की टीम मुख्य रूप से केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से आती हैं। यह सर्वेक्षण मंत्रालय के अंतर्गत संचालित स्वच्छ भारत मिशन के तहत कराया जाता है। रैकिंग, सफाई व्यवस्था, कचरा प्रबंधन, नागरिक फीडबैक और गाउंड निरीक्षण के आधार पर तय की जाती है। इस दौरान अमलीय पर टीमों तीन स्तर पर मूल्यांकन करती हैं जिनमें फील्ड विजिट और ऑन-गाउंड निरीक्षण, सिटीजन फीडबैक, दस्तावेज और सेवा रिकॉर्ड की जांच भी शामिल रहती है।

ठहरने और हज के अरकान करने में करेंगे मदद दो दर्जन खादिम करेंगे प्रदेश के आठ हजार हज यात्रियों की देखभाल

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

हज 2026 के लिए प्रदेश से करीब आठ हजार हज यात्री सजुदी अरब गए हैं। हज सफर के दौरान उनकी मदद के लिए इस बार प्रदेश से 26 खादिम उल हुज्जाज (वालींटियर्स) भेजे गए हैं। खादिमों की यह तादाद अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। मप्र हज कमेटी इसके लिए 50 साल उम्र वाले सरकारी कर्मचारियों को चुनती है।

प्रदेश से रवाना होने वाले हज यात्रियों को अन्य जरूरी दस्तावेजों के साथ प्रदेश के खादिमों के मोबाइल नंबर भी मुहैया कराए जा रहे हैं। जिससे सफर के दौरान किसी

जरूरत के लिए वे इन्हें आसानी से संपर्क कर सकें। इसके साथ चार खादिमुल हुज्जाज को को-ऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है, जो प्रभारी समन्वय कर हज यात्रियों की समस्या का निराकरण और समय-समय पर संबंधित अधिकारियों को पल पल की जानकारी देगे। मप्र हज कमेटी की कार्यालयन अधिकारी फरजाणा गजाल का कहना है कि हज यात्रियों को इनसे सुविधा और सहयोग मिले, इसी धारणा के साथ खादिम उल हुज्जाज को पारबंदियों में बांधा गया है। इसके बाद भी इन खादिमों की कमी मिलने पर इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

15 दिन में 15 मिनट की सामूहिक सफाई से कचरा मुक्त होगा कैंपस



सांचा विवि ममे साफ-सफाई करते छात्र और स्टाफ।

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में सामूहिक श्रमदान द्वारा परिसर को साफ सुथरा किया गया। छात्रों, शोधार्थियों, शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक अधिकारी और कर्मचारी दस्ताने पहनकर गर्मी की

चिंता किए बगैर साफ सफाई में जुटे। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों ने संकल्प लिया है कि हर 15 दिवस में श्रमदान कर अपने परिसर को पूर्णतः कचरा मुक्त कर के ही रहेंगे। इस बार अकादमिक बिल्डिंग के आस-पास साफ सफाई की गई।

शनि जयंती और वट सावित्री व्रत 16 को

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

सूर्यपुत्र और न्यायाधिपति शनिदेव की जयंती 16 मई को मनाई जाएगी। मां चामुंडा दरबार भोपाल पुजारी रामजीवन दुबे ने बताया कि शोभन और सौभाग्य योग के साथ इस बार शनि जयंती पर एक दुर्लभ और अत्यंत शुभ महासंयोग बन रहा है। 20 वर्षों में यह केवल चौथा अवसर है जब न्याय के देवता की जयंती उनके प्रिय दिन शनिवार को मनाई जाएगी। शनि देवता को पीड़ा से मुक्ति के लिए विशेष माना जाता है। शनि की साढ़े साती, अढ़ैया, अर्तदशा, महादशा के निवारण के लिए यह दिन विशेष शुभ होता है।

ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या शनिवार को वट पूजन-शनिश्चरी अमावस्या के रूप में मनाई जाएगी। इस मौके पर शनि जयंती का संयोग रहने से शनिदेव की आराधना के साथ ही महिलाएं व्रत रखकर पूजा अर्चना करींगी। रामजीवन दुबे के अनुसार वट वृक्ष हानिकारक गैसों को नष्ट कर वातावरण की शुद्धि में मददगार है। महिलाएं अपने सुहाग की रक्षा के लिए वट सावित्री व्रत रखती हैं। शनि मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ रहेगी। तिल व तेल से अभिषेक किया जाएगा।

महाराणा प्रताप जयंती पर उनकी प्रतिमा पर लोगों ने पुष्पांजलि की अर्पित

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल



महाराणा प्रताप की जयंती की तारीख लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इसके चलते जहां कुछ लोगों ने शनिवार को महाराणा प्रताप जयंती मनाई, तो वहीं विभिन्न राजपूत समाज संगठनों की ओर से 17 जून को जयंती मनाने की बात कही जा रही है। महाराणा प्रताप जयंती पर शनिवार को कुछ लोग राजपूत समाज के लोगों ने बोर्ड ऑफिस महाराणा प्रताप चौक पर स्थिति प्रतिमा को माला पहनाई। तो वहीं समाज के लोगों ने महाराणा प्रताप के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

शादी-समर सीजन में यात्रियों की बढ़ी संख्या, भारी लगेज कंधे पर ले जाने को मजबूर

लिफ्ट बंद, एस्केलेटर भी नहीं दे रहा यात्रियों का साथ गर्मी में फुटओवर ब्रिज चढ़ने में लोगों का फूल रहा दम

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

भोपाल स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए नए फुटओवर ब्रिज पर एस्केलेटर व लिफ्ट लगाई गई है, लेकिन अधिकतर समय बंद रहते हैं। इनके बंद होने से गर्मी के सीजन फुटओवर ब्रिज पर चढ़ने में यात्रियों की दम फूल रही है।



कमी-कमी यात्री कर देते हैं स्विच बंद

शादी-समर सीजन के साथ ही स्टेशन व ट्रेनों में भीड़ बढ़ गई है। इस बीच, भोपाल जंक्शन रेलवे स्टेशन पर खराब व्यवस्था के चलते यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, अधिकारियों ने बताया कि कुछ यात्री एस्केलेटर का स्विच बंद कर देते हैं, जो खराब नहीं है। वहीं लिफ्ट के कुछ पार्ट में खराबी आई है।

लिफ्ट और एस्केलेटर कई दिनों से ठप

प्लेटफॉर्म नंबर 1 की लिफ्ट कई दिनों से बंद है। यात्रियों का कहना है कि इसके चलते सामान ले जाने में दिक्कत होती है। सबसे ज्यादा परेशानी सीनिंग सिटीजन और विकलांग यात्रियों को हो रही है। वहीं, स्टेशन के मुख्य गेट के सामने का प्रमुख एस्केलेटर आठ दिन बंद हो जाता है। जिससे यात्रियों को सीढ़ियों के जरिए भारी सामान ले जाना पड़ रहा है।

जल्द होगी चालू

कई बार यात्री एस्केलेटर का स्विच ऑफ कर देते हैं, जिससे वो बंद हो जाता है। इससे अन्य यात्रियों को परेशानी होती है। लिफ्ट के कोई पार्ट में खराबी आने से अभी बंद कर दी गई। एक-दो दिनों में उसे दूर कर फिर से लिफ्ट को चालू कर दिया जाएगा।

नवल अगवाल
पीआरओ भोपाल रेल मंडल

लगेज ले जाती वृद्ध यात्री।

बैंक में गिरवी रखवाने के बहाने 85 हजार के जेवर ले भागा दोस्त

पिपलानी थाना पुलिस ने दर्ज किया प्रकरण

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

पिपलानी पुलिस ने प्राइवेट कंपनी में काम करने वाले एक युवक की शिकायत पर दोस्त के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज किया है। दरअसल फरियादी को पैसे की जरूरत थी। वह अपने जेवर गिरवी रखकर लोन लेना चाहता था। साथ काम करने वाले दोस्त ने कहा कि वह उसके जेवर गिरवी रखवा देगा। उसी दौरान आरोपी एक सोने की अंगूठी और सोने का पेंडल लेकर रफूचककर हो गया। चोरी गए जेवरात की कीमत 85 हजार रुपए बताई गई है। चार दिन से आरोपी फरार है।

पुलिस के मुताबिक कोकता बायपास निवासी शिव कुमार (30) एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। उसी कंपनी में आरोपी यशवंत सिंह राजपूत भी काम करता है। दोनों अच्छे दोस्त हैं। विगत 6 मई को शिव कुमार ने यशवंत से कहा कि उसे पैसे की जरूरत है। वह अपनी एक अंगूठी और पेंडल गिरवी रखना चाहता है। तब यशवंत ने कहा कि वह उसके जेवरात गिरवी रखवा कर



इन्द्रपुरी स्थित निजी बैंक पहुंचा। वहां बातचीत करने के बाद दोनों बाहर आकर खड़े हो गए। इस बीच शिव कुमार ने कहा कि वह गुटखा लेकर आता है। उसके जाते ही यशवंत सिंह, शिव कुमार की गाड़ी में लटके बैग से सोने की अंगूठी और पेंडल निकाल कर फरार हो गया। उसके बाद से उसका मोबाइल भी बंद आ रहा है। तीन दिन तक राह देखने के बाद भी जब यशवंत सिंह राजपूत का पता नहीं चला तो शिव कुमार ने थाने जाकर उसके खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज करा दिया।

अच्छा पैसा दिलवा देगा। लि हा जा दोपहर करीब 12 बजे वह शिव कुमार को लेकर भेल के गेट क्र मांक-एक

निर्माणाधीन मकान के 16 कॉलम तोड़कर लोहा और मटेरियल चोरी किया था

रातीबड़ पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार दो ट्रैक्टर, मटेरियल सहित 20 लाख का माल बरामद

रातीबड़ पुलिस ने एक किसान समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनसे निर्माणाधीन मकान से चोरी किया गया बिल्डिंग मटेरियल बरामद किया है। आरोपियों ने निर्माणाधीन मकान के 16 कॉलम तोड़कर लोहा चुरा लिया था। साथ ही वहां पड़ी गिट्टी व रेत भी चुराकर ले गए थे। वारदात में इस्तेमाल किए गए दो ट्रैक्टर सहित पुलिस ने बीस लाख का माल बरामद किया है। पुलिस के अनुसार मूलरूप से सीकर राजस्थान निवासी एक महिला ने पंचशील नगर में रहने वाले रयाम लाल अग्रवाल से एक प्लाट रातीबड़ गांव में क्रय किया था। महिला के पति ठेकेदार हैं और वे लोग नीलबड़ में रहते हैं। उक्त प्लाट पर भवन निर्माण काम शुरू कर 16 कॉलम छत डालने के लिए डाले गए थे। विगत दो मई को महिला अपने पति के साथ निर्माणाधीन मकान पर पहुंची तो देखा कि प्लाट पर

खड़े किए गए सभी 16 कॉलम टूटे हुए थे। वहां पड़ी एक ट्रक रेत, एक ट्रक गिट्टी और सैंटिंग भी गायब थी। प्लाट पर रखी पांच हजार लीटर वाली पानी की टंकी को भी तोड़ कर फेंक दिया गया था। बाद में पति के साथ रातीबड़ थाने पहुंची महिला ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज करा दिया। विवेचना के दौरान पुलिस ने मुख्य मार्ग व गलियों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज व मुखबिर तंत्र के आधार पर पर पर संदिग्धों की पहचान कर सलाउद्दीन खान (34) निवासी फतेहपुर डोबरा रातीबड़, देसराज अहिरवार (27) निवासी बेरखेड़ी बाजपता और योगेन्द्र शर्मा उर्फ पिंटू (40) निवासी ग्राम रातीबड़ को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में आरोपियों ने उक्त वारदात को अंजाम देना कुबूल कर लिया।

मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर आयोजन, 39 करोड़ 6 हजार 492 की अवार्ड राशि पारित

सभी प्रकरणों के निराकरण के लिए पूरे जिले में कुल 61 खंडपीठों का किया गया गठन

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर शनिवार को जिला न्यायालय में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस नेशनल लोक अदालत में पक्षकारों की आपसी सहमति से समझौता योग्य 17517 लंबित एवं विचाराधीन प्रकरणों का निराकरण किया जाकर पक्षकारों को 39 करोड़ 6 हजार 492 रुपए की मुआवजा व समझौता राशियों के अवार्ड पारित कर राशियां दिलाई गईं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ महात्मा गांधी की प्रतिमा पर मान्यार्पण कर और दीप प्रज्वलित कर किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं न्यायाधीश सुनीत अग्रवाल ने बताया कि प्रकरणों के निराकरण के लिए पूरे जिले में कुल 61 खंडपीठों का गठन किया गया है।

इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश राजर्षि श्रीवास्तव, विशेष न्यायाधीश मनोज कुमार सिंह, कुटुंब न्यायालय की अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश वर्षा शर्मा, सीजेएम अग्निश्रु कुमार द्विवेदी, जिला रजिस्ट्रार भारत सिंह रघुवंशी, नगर निगम मजिस्ट्रेट तरुणेंद्र प्रताप सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव और न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुनीत अग्रवाल सहित अन्य न्यायाधीश उपस्थित थे। कुटुंब न्यायालय में पति-पत्नी द्वारा एक दूसरे के विरुद्ध प्रस्तुत किए गए लगभग 125 प्रकरणों का निराकरण भी आपसी सहमति से कराया गया। न्यायाधीशों ने उन्हें फलदार पौधे भेंट कर नए जीवन के लिए शुभकामनाएं देकर विदा किया।



इन मामलों को आपसी सहमति से सुलझाया

►► पहला: दिनांक 12.12.2025 को नेहरू नगर चौराहा भोपाल मेंबस द्वारा टक्कर मारने से मृत्यु हो गई थी। उक्त मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण में आवेदकगण की ओर से अधिवक्ता सख्नी हिमोदनी द्वारा पैरवी की गई जिसमें नेशनल लोक अदालत में मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण भोपाल पीठासीन अधिकारी आशुतोष शुक्ल जिला न्यायाधीश के समक्ष 20 लाख 50 हजार रुपये में आवेदक एवं अनावेदक की उपस्थिति में समझौता किया गया।

►► दूसरा: आवेदिक ताराचंद की पत्नी मगवती बाई की 22.04.2024 को सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण के तहत मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण भोपाल पीठासीन अधिकारी अजय पंडेम जिला न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। उक्त प्रकरण में नेशनल लोक अदालत में 13 लाख 50 पचास हजार रुपये में समझौता किया गया। साथ ही प्रकरण में अन्य 10 पीडितों को अलग-अलग राशि प्रदान किये जाने के कुल राशि रुपये 30,02,000/- (तीस

लाख दो हजार रुपये) का अवार्ड पारित किया गया। उक्त दोनों प्रकरण में प्रधान जिला न्यायाधीश/सचिव पीठासीन अधिकारी सुनीत अग्रवाल न्यायाधीश/सचिव भोपाल की उपस्थिति में आवेदकगण को नेशनल लोक अदालत में उक्त राशि के चेक प्रदान किये गये।

►► तीसरा: पक्षकारों रविन्द्र विश्वकर्मा का विवाह कविता विश्वकर्मा से हुआ था, उनके चार बच्चे हैं। विवाह के पश्चात कुछ समय अच्छे से रहने के उपरान्त पति पत्नी के मध्य परस्पर जीवन यापन की व्यावहारिक समस्याओं और विचारधारा को लेकर विवाद होने पर नवम्बर 2025 से दोनों अलग अलग रहने लगे थे। पत्नी अपने माता पिता के घर पर चली गई। पति द्वारा पत्नी को वापस लाने का प्रयास किया गया परन्तु विफल रहा। परिणाम स्वरूप न्यायालय में याचिका प्रस्तुत की गयी। नेशनल लोक अदालत में उभयपक्ष के मध्य सुलह के प्रयास करने पर सफल हुआ और पति पत्नी संयुक्त रूप से जीवन यापन करने के लिये तैयार हो गये।

पिता के लिए लिखा सुसाइड नोट, कहा मैं जा रहा हूं नगर निगम के दैनिक वेतन भोगी ने ट्रेन से कटकर की आत्महत्या

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित रेलवे स्टेशन से बागसेवनिया के बीच नगर निगम के दैनिक वेतनभोगी ने ट्रेन से कटकर जान दे दी। शुक्रवार तड़के उसका शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला। पुलिस को उसके पास से एक सुसाइड नोट भी मिला है। सुसाइड नोट में उसने अपने पिता के लिए लिखा था। हालांकि सुसाइड नोट में आत्महत्या की वजह का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। परिजन के बयान होने के बाद ही आत्महत्या के कारणों का पता चला सकेगा। पुलिस के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 4 बजे मिसरोद स्टेशन प्रबंधन ने सूचना दी कि मिसरोद रेलवे स्टेशन से बागसेवनिया के बीच मंडीरोप की तरफ जाने वाली रेलवे ट्रैक पर किसी युवक की क्षत विक्षत लाश पड़ी है। पुलिस मौके पर पहुंची और लाश पीएम के लिए मचूरी भेज दी।

परिजन पहुंचे थाने तो हुई शिनाख्त

एक्सआई वेतन भोगी ने बताया कि परिजन मृतक को तलाश कर रहे थे। वे मिसरोद थाने पहुंचे और मृतक का फोटो दिखाया। फोटो आधार पर मृतक की शिनाख्त भूत लाल जाटव (37) मगसरोद नगर, जाटखेड़ी के रूप में की गई। वह शादीशुदा था। परिजन ने बताया कि भूतलाल नगर निगम में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी था। उनकी इयुटी वार्ड 53 में चल रही थी। परिजन से पूछताछ में आत्महत्या की वजह का पता नहीं चल सका है।

मुख्यमंत्री के मशाल जुलूस में लापरवाही पर कोतवाली थाना टीआई कुशवाह हटाए गए

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित मशाल जुलूस के दौरान इयुटी में लापरवाही बरतना कोतवाली थाना प्रभारी को भारी पड़ गया। डीसीपी जोन-03 ने निरीक्षक काशीराम कुशवाह को तत्काल प्रभाव से रक्षित केंद्र भोपाल ट्रांसफर कर दिया है।

जारी आदेश के अनुसार, डीसीपी जोन-03 द्वारा प्रतिवेदन में बताया गया कि 28 अप्रैल को थाना कोतवाली क्षेत्र में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित मशाल जुलूस का आयोजन किया गया था। इस दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक काशीराम कुशवाह द्वारा जुलूस मार्ग पर पर्याप्त व्यवस्थाएं नहीं की गईं। मार्ग में खड़े



वाहनों को हटाने का प्रयास भी नहीं किया गया, जिससे आयोजन के दौरान अव्यवस्था की स्थिति बनी रही। इतने महत्वपूर्ण कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी की सक्रिय उपस्थिति और दायित्व निर्वहन का अभाव पाया गया। मामले को गंभीर मानते हुए डीसीपी आयुष गुप्ता ने कार्रवाई करते हुए निरीक्षक काशीराम कुशवाह को तत्काल प्रभाव से रक्षित केंद्र भोपाल भेज दिया।

राजधानी के ट्रैफिक पाइंट्स पर तीन घंटे में रोजाना 100 से ज्यादा चालान का दावा हेलमेट अभियान: कागजों में सख्ती, सड़कों पर ढील

►► 14वें दिन श्री सुनिंद चौराहों पर ही दीखी चैकिंग

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

शहर में दोपहिया वाहन चालकों के लिए चलाया जा रहा विशेष हेलमेट चेकिंग अभियान ज़मीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं छोड़ पा रहा है। 26 अप्रैल से 10 मई तक चल रहे इस अभियान के तहत बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों पर चालाना कार्रवाई के साथ ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड करने जैसी सख्त कार्रवाई का दावा किया जा रहा है, लेकिन स्थिति इससे बिल्कुल उलट ही नजर आ रही है, शहर के कई प्रमुख चौराहों पर अभियान की मौजूदगी बेहद सीमित दिखाई दे रही है। शनिवार को अभियान के 14वें दिन



भी बोर्ड ऑफिस चौराहा, गणेश मंदिर, न्यू मार्केट और प्रगति पेट्रोल पंप चौराहे जैसे व्यस्त इलाकों में हेलमेट चेकिंग नाम मात्र की देखने को मिली। 14 दिनों में इन स्थानों पर केवल दो या तीन बार ही पुलिस की चेकिंग टीम नजर आई। ऐसे में लगातार अभियान चलाने के दावों

पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि रेतघाट और मोती मस्जिद जैसे कुछ स्थानों पर चेकिंग की जा रही है, लेकिन वहां शाम के समय ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है। वाहन चालकों को लंबे समय तक जाम में फंसना पड़ रहा है, जिससे लोगों में नाराजगी है।

गर्मी के कारण बदला गया समय

भीषण गर्मी को देखते हुए यातायात पुलिस ने हेलमेट चेकिंग के समय में बदलाव किया है। पिछले कुछ दिनों से चेकिंग के टाइम में बदलाव किया गया है, सुबह 10 बजे से 11:30 बजे तक और शाम 6 बजे से 7:30 बजे तक की जा रही है। एडिशनल डीसीपी ट्रैफिक बसंत कोल ने कहा कि गर्मी को ध्यान में रखते हुए यह बदलाव किया गया है। उन्होंने बताया कि सुबह और शाम मिलाकर कुल तीन घंटे की कार्रवाई में प्रतिदिन 100 से अधिक चालान बनाए जा रहे हैं। साथ ही नियम तोड़ने वालों के लाइसेंस सस्पेंड करने की कार्रवाई भी जारी है।

द्वितीय उपविजेता का स्थान ज़िंदल ग्लोबल लॉ स्कूल सोनीपत को नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता: यूनाइटेड यूनिवर्सिटी प्रयागराज की टीम विजेता, बीयू उपविजेता घोषित



राजधानी स्थित करियर कॉलेज ऑफ लॉ की द्वितीय फाली एस. नरीमन नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता का शनिवार को समापन हुआ। प्रतियोगिता में यूनाइटेड यूनिवर्सिटी प्रयागराज की टीम विजेता रही, जबकि बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की टीम उपविजेता रही। द्वितीय उपविजेता का स्थान ज़िंदल ग्लोबल लॉ स्कूल, सोनीपत को प्राप्त हुआ।

प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ मेमोरियल का पुरस्कार गवर्नमेंट न्यू लॉ कॉलेज इंदौर को प्रदान किया गया

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

जज योगेंद्र त्यागी, रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश भू-संपदा अपीलीय अधिकरण तथा जज बलराम यादव, वाइस चेयरमैन एवं जुडिशल मंबर मध्य प्रदेश मध्यस्थ अधिकरण के सदस्य के साथ ही आईपीआर विशेषज्ञ शुभम उपाध्याय (लॉ टेल्स) रहे। दो जज ऑनलाइन जुड़े। इस अवसर पर यादव ने कहा कि विधि शिक्षा में व्यावहारिक

ज्ञान अत्यंत आवश्यक है तथा आने वाले समय में विधि के क्षेत्र में करियर की व्यापक संभावनाएं हैं। त्यागी ने कहा कि मूट न्यायालय प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी होता है तथा सभी विधि महाविद्यालयों को ऐसे आयोजन निरंतर करना चाहिए।

अतिथियों के साथ पुरस्कार वितरण

समापन समारोह में दोनों अतिथियों के साथ पुरस्कार वितरण करियर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के ग्रुप डायरेक्टर प्रदीप जैन, करियर कॉलेज की प्राचार्य डॉ. चरणजीत कौर, करियर कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्य डॉ. सोनी टोप्पो एवं डॉ. गायत्री यादव ने किया। प्राचार्य प्रो. अंजलि कुमार वीक्षित ने बताया कि प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आई टीमें ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा इस आयोजन ने विधि छात्रों को न्यायालयीन कार्यप्रणाली का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया। कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के शिक्षक, अधिवक्ता तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों एवं संदर्भ ग्रंथ पुस्तकों की गुणवत्ता, प्रासंगिकता तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के समावेश पर व्यापक मंथन किया

अकादमिक गुणवत्ता के लिए उच्च शिक्षा और मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी के तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं उच्च शिक्षा में अकादमिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम निर्माण एवं चिन्हित विषयों की संदर्भ पुस्तकों की पांडुलिपियों में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं अकादमिक गुणवत्ता परीक्षण विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का 8 एवं 9 मई को आयोजन हुआ। उच्च शिक्षा विभाग एवं मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में भोपाल स्थित पलाश रेंसिडेसी में दो दिवसीय महत्वपूर्ण कार्यशाला में प्रदेशभर के विषय विशेषज्ञ, शिक्षाविदों, अकादमिक विद्वानों एवं नीति-निर्मातजओं ने सहभागिता की। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप, उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों एवं संदर्भ ग्रंथ पुस्तकों की गुणवत्ता, प्रासंगिकता तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के समावेश पर व्यापक मंथन किया।

एनईपी 2020 केवेल शैक्षणिक सुधार का दस्तावेज नहीं

कार्यशाला के पहले दिन आयुक्त उच्च शिक्षा प्रबल सिपाहा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 केवल शैक्षणिक सुधार का दस्तावेज नहीं, बल्कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था को आत्मनिर्भर, मूल्यधारित एवं ज्ञान-केंद्रित बनाने का व्यापक दृष्टिकोण है। सिपाहा ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए तैयार की जा रही पाठ्य सामग्री गुणवत्तापूर्ण, समकालीन तथा भारतीय संदर्भों से समृद्ध होना आवश्यक है। मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संचालक अशोक कडेल ने कहा कि अकादमिक पांडुलिपियों का गुणवत्ता परीक्षण उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यशाला के दौरान उच्च शिक्षा विभाग की भारतीय ज्ञान परंपरा शोध समिति की बैठक भी आयोजित हुई। इसमें भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित अध्ययन सामग्री, पाठ्यक्रम विकास एवं भावी कार्ययोजना पर गंभीर विमर्श किया गया। साथ ही शोध गतिविधियों एवं नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विशेष बैठक भी आयोजित की गई। कार्यशाला के समापन अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसरण तैयार की जा रही अध्ययन सामग्री विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन, नैतिक मूल्यों, भारतीयता एवं शोध प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करेगी।

अपने देश के विकास का रोडमैप बनाने में हम 66 साल पिछड़ गए, इसलिए तय किया कि 2047 में हम कहां पहुंचेंगे

हरिभूमि न्यूज ►►मोपाल

हमने 2014 के बाद यह सपना तय किया है कि 2047 में हम कहां पहुंचेंगे? जबकि हमारे पड़ोसी देशों ने इस तरह के लक्ष्य और योजनाएं पहले ही बनाई हुई हैं। अपने देश के विकास का रोडमैप बनाने में हम 66 साल पिछड़ गए। हम सब लोगों के साझा प्रयासों से नए भारत का निर्माण होगा, इसमें मीडिया भी शामिल है... यह कहना है राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह के जो भारत भवन में चल रहे राष्ट्रीय संविमर्श ‘प्रणाम उदन्त मार्चपंड’ में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार उदय सिन्हा, विकास मिश्र, प्रत्यूष रंजन और सईद अंसारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

भारत भवन में आयोजित ‘प्रणाम उदन्त मार्चपंड’ में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह



कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते सिंह।

लाइव कार्टून शो एवं कार्टून कार्यशाला का आयोजन

इस दौरान लाइव कार्टून शो में सुभानी शेख, माधव जोशी, हरि मोहन बाजपेई, देवेन्द्र शर्मा, हरिओर तिवारी सहित प्रसिद्ध 9 कार्टूनिस्ट ने भाग लिया, तो वहीं कार्टून कार्यशाला में वरिष्ठ कार्टूनिस्ट सुभानी ने विद्यार्थियों के साथ कार्टून मेकिंग कार्यशाला का आयोजन भी किया।

तकनीक में पिछड़े देश के सामने गुलाम होने के अलावा कोई विकल्प नहीं

‘नए भारत का निर्माण और हम भारत के लोग’ विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए हरिवंश ने कहा कि देश बनाना कठिन होता है, यह कार्य रातों-रात नहीं होता है। एक समय ऐसा था जब देश का सोना गिरवी रख दिया गया था। आज भारत के पास स्वर्ण भंडार है। एक समय में

भारत का धन बाहर जाता रहा, लेकिन किसी ने इस पर कोई हस्तक्षेप नहीं किया। अब यह दृश्य बदल गया है, लाखों शेल कंपनियां बंद कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि जो देश तकनीक में पिछड़ जाता है, उसके सामने गुलाम होने के अलावा कोई विकल्प नहीं रह जाता।

आज पत्रकार नोट्स बनाना भूल गए हैं: सईद

टीवी पत्रकार सईद अंसारी ने कहा कि आज पत्रकार नोट्स बनाना भूल गए हैं। अच्छा पत्रकार बनने के लिए विद्यार्थियों से आग्रह करता हूँ कि नोट्स बनाना सीखें। उन्होंने कहा कि आज पत्रकारिता की साख पर बहुत बड़ा संकट है। इसकी साख को बचाकर रखना बहुत जरूरी है।

बंगाली होने के बावजूद, मैंने भारत को भारत के रूप में जाना है

पश्चिम बंगाल से आई साहित्यकार प्रो. सोमा बंद्योपाध्याय ने कहा कि बंगाली होने के बाद भी मैंने भारत को भारत के रूप में जाना है। बंगाली अस्मिता या अन्य भाषायी अस्मिता की बात जो उठाते हैं, उससे झूठी बात कुछ नहीं। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने योजनापूर्वक हमारे बच्चों को अपने मूल से काटने के प्रयास किए।



कथक नृत्य की प्रस्तुति देती अनसूया मजूमदार एवं भट्टाचार्य।

आज पत्रकारिता मिशनरी नहीं, प्रोफेशनल है...

वरिष्ठ पत्रकार डॉ. ब्रजेश कुमार सिंह ने कहा कि देश में पहला संविधान संशोधन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बाधित करने के लिए लाया गया। यह स्पष्टता होनी चाहिए कि आज पत्रकारिता मिशनरी नहीं, प्रोफेशनल है। वहीं वरिष्ठ पत्रकार नगमा सहर ने कहा कि पत्रकारिता के विद्यार्थियों को यह याद रखना चाहिए कि पढ़ने का कोई विकल्प नहीं है। इसलिए खूब पढ़िए।

भारतीय शास्त्रीय नृत्य की गरिमा से आलौकिक हुआ मंच

प्रसिद्ध कथक नृत्यांगनाओं अनसूया मजूमदार एवं भट्टाचार्य द्वारा कथक नृत्य की मनमोहक और भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई। लय, ताल और भावों के अद्भुत समन्वय से सजी इस प्रस्तुति ने सभागार में मौजूद दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। घुंघरुओं की मधुर झंकार, आकर्षक मुद्राओं और सधी हुई गतियों के साथ कलाकारों ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य की गरिमा और सौंदर्य को मंच पर जीवंत कर दिया।

रवींद्र भवन में मातृ दिवस पर विशेष फोटोग्राफी प्रदर्शनी एवं गर्भवती महिलाओं की रैप वॉक

मातृत्व के अनकहे एहसासों को दर्शाती तस्वीरों संग मंगल गीत और गोदभराई की रस्म से सजा रैप वॉक

हरिभूमि न्यूज ►►मोपाल

कहीं मां बनने की पीड़ा के बीच दिया जाने वाला एनेस्थीसिया का इंजेक्शन, तो कहीं जन्म के बाद मां की नाल से जुड़े नवजात शिशु की पहली झलक, कुछ तस्वीरों में डॉक्टरों और नर्सों द्वारा नवजात को हल्के से थपथपाकर उसकी पहली किलकारी सुनने का प्रयास कैद था, वहीं कुछ फ्रेम ऐसे थे, जिनमें मां और बच्चे का पहला स्पर्श प्रेम, ममता और जीवन के सबसे खूबसूरत रिश्ते को महसूस करा रहा था। शनिवार शाम रवींद्र भवन की आर्ट गैलरी में मातृत्व के सबसे भावुक और अनमोल पलों को समेटे एक अद्भुत फोटो प्रदर्शनी ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। हर हेल्थ द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में शहर के प्रसिद्ध फोटोग्राफर वरुण नामदेव ने मां और नवजात शिशु के सबसे अनमोल पलों को अपनी तस्वीरों के माध्यम से जीवंत किया। इस प्रदर्शनी में प्रसव के दौरान मां के संघर्ष, बच्चे के जन्म के बाद पहली किलकारी, मां द्वारा नवजात को सीने से लगाने और मां-बच्चे के पहले स्पर्श जैसे भावनात्मक क्षणों को बेहद संवेदनशीलता के साथ प्रदर्शित किया गया। करीब 30 विशेष तस्वीरों की इस प्रदर्शनी में मातृत्व के विभिन्न रंग और भावनाएं अलग-अलग श्रेणियों में प्रस्तुत की गईं।



मां और नवजात शिशु के चित्र।



रैप पर क्रेट वॉक करते देपती।

तीस फोटो में दिखाई मां बनने का अहसास और संवेदना

करीब तीस फोटोस में मां बनने के अहसास और पीड़ा के बीच छिपे असीम खेह को दर्शाती तस्वीरों को एक्जीबिट करने वाले फोटोग्राफर वरुण नामदेव ने बताया कि इन तस्वीरों का उद्देश्य केवल फोटोग्राफी प्रस्तुत करना नहीं, बल्कि मां और बच्चे के उस अनकहे रिश्ते को महसूस कराना है, जो जन्म के पहले क्षण से ही जीवनभर के लिए जुड़ जाता है। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में प्रस्तुत तस्वीरों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

पारंपरिक रीति-रिवाजों, मंगल गीतों के साथ हुई गोदभराई

रैप वॉक के दौरान उपस्थित दर्शकों ने तालियों की गूंज के साथ सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। पारंपरिक परिधानों और मुस्कुराते चेहरों के साथ मंच पर पहुंचे इन होने वाले माता-पिता ने सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में उन गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष गोद भराई रस्म का आयोजन भी किया

गया, जिनका गर्भावस्था का सातवां महीना पूर्ण हो चुका है। पारंपरिक रीति-रिवाजों, मंगल गीतों और आशीर्वादों के बीच होने वाली माताओं की गोद भराई की गई। इस अवसर पर परिवारजनों और उपस्थित अतिथियों ने महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ और सुखद मातृत्व की कामना की।

गर्भवती महिलाओं ने अपने पतियों के संग की रैप वॉक

ममता के अहसास से सराबोर इस कार्यक्रम में सबसे खास प्रस्तुति के रूप में सुफल प्रेनैसी सपोर्ट ग्रुप के द्वारा मातृत्व का अहसास दिलाती रैप वॉक भी खास रही। इस अनूठी प्रस्तुति में गर्भवती महिलाओं ने अपने पतियों के साथ रैप पर आत्मविश्वास और खुशी के साथ कदम बढ़ाए। दंपतियों के बीच प्रेम, अपनापन और आने वाले नए जीवन की उत्सुकता ने पूरे माहौल को भावुक और आनंदमय बना दिया।



रेड कार्पेट पर उतरे देपती।

देवी अहिल्या बाई सभागार में होगा सम्मान 10 पत्रकारों को कल मिलेगा देवर्षि नारद उत्कृष्ट पत्रकारिता पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ►►मोपाल

विश्व संवाद केंद्र ने ‘देवर्षि नारद पुरस्कार’ के अंतर्गत वर्ष 2025 एवं वर्ष 2026 के लिए चयनित पत्रकारों एवं लेखकों के नामों की घोषणा की है। देवर्षि नारद जयंती पर 11 मई को कुक्कुट विकास निगम में कार्यक्रम सुबह 11 बजे आयोजित होगा।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा एवं मीडिया की भूमिका विषय पर विशेष परिचर्चा भी होगी। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मध्य भारत

एनआईडी मध्य प्रदेश में कल से शुरू होगा डिजाइन शिविर 4.0

भोपाल। राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी एमपी) द्वारा आयोजित डिजाइन शिविर 4.0 सोमवार, 11 मई से प्रारंभ होने जा रहा है। विद्यार्थियों और डिजाइन के क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए आयोजित यह विशेष ग्रीष्मकालीन कार्यशाला रचनात्मकता और अनुभवात्मक अधिगम का अनूठा मंच प्रदान करेगी। डिजाइन शिविर 4.0 के अंतर्गत प्रतिभागियों को कले डिजाइन, गेम डिजाइन, वीविंग, कैलीग्राफी तथा डिजाइन अवेयरनेस जैसे विविध रचनात्मक विषयों में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

छतनारा समूह: 55वीं संगत का छतनारा आर्ट होम में आयोजन



छतनारा में शहर के कलाकार प्रस्तुति देते हुए।

हरिभूमि न्यूज ►►मोपाल

शनिवार को छतनारा आर्ट होम में 55वीं संगत का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत शहर के कलाकार साथ बैठते हैं और अपनी कला की प्रस्तुति देते हैं। संगत में होस्ट की भूमिका में कवि निशान्त

उपाध्याय ने निभाई, कार्यक्रम की शुरूआत कविताओं से हुई। शायर अमित गांगुले ने अपनी नज्म और शेर सुनाये। विवेक ने हिंदी कवितायें सुनायीं। शमिला खान ने स्वरचित कविता सुनायी। सुहास मिश्रा ने हिंदी कविताओं पर बात करते हुए अपनी दो कवितायें सुनायीं।

युवा संवाद में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए ले. कर्नल मनोज कुमार सिन्हा

हरिभूमि न्यूज ►►मोपाल

देश का युवा ही यह तय करता है कि इतिहास और आने वाला समय भारतीय युवाशक्ति का विश्लेषण कैसे करेगा। मैं एक सपना देखर जा रहा हूँ और तुमसे एक सपना लेकर जा रहा हूँ.... आज की युवा पीढ़ी को स्वयं बोध तथा शत्रु बोध होना अत्यंत आवश्यक है... यह उद्गार है लैफ्टनेंट कर्नल मनोज कुमार सिन्हा के थे जो शनिवार को मैनिट में तृयनाद समिति, यंग थिंक्स फोरम एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर द्वारा आयोजित युवा संवाद में युवाओं को संदेश देते हुए बोल रहे थे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को सैन्य जीवन के अनुभवों से जोड़ते हुए उनमें नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करना था।



मैनिट में आयोजित युवा संवाद में शामिल युवा।

कारगिल युद्ध और ऑपरेशन सिंदूर जैसी वीरगाथाओं का हुआ उल्लेख

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि बिगोडियर रजनीश गौर ने कारगिल युद्ध और ऑपरेशन सिंदूर जैसी वीरगाथाओं का उल्लेख करते हुए भारतीय रक्षा प्रणाली की मजबूती पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे एक दूसरे की क्षमताओं को पहचानते हुए देशहित में एकजुट होकर कार्य करें। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सुरों की शाम में गुंजी चांदें, गजलों और रोमांस की महक से सराबोर रही ‘सुकून ए न्यूजिकल इवनिंग’

ख्याल: कला प्रेमियों को सुनने को मिली गजलों की नजाकत

हरिभूमि न्यूज ►►मोपाल

शहर के संगीत प्रेमियों के लिए शनिवार की शाम बेहद खास रही, जब खयाल ऑडिटोरियम में ‘सुकून ए न्यूजिकल इवनिंग’ का आयोजन हुआ। इसमें पुराने फिल्मी गीतों, गजलों और राग आधारित मधुर प्रस्तुतियों का ऐसा संगम देखने को मिला, जो श्रोताओं को यादों की खूबसूरत दुनिया में ले गया। कार्यक्रम में भोपाल की प्रसिद्ध गायिकाएं श्रेया धानोरकर और निधि सरोलकर पारखे ने अपनी सुरमयी आवाज से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंच पर जहां एक ओर सदाबहार गीतों की मिठास चुली तो , वहीं गजलों की नजाकत और रागों की गंभीरता ने माहौल को खास बना दिया।



ख्याल ऑडिटोरियम में प्रस्तुति देते कलाकार।

मराठी गीत बहरला हा मधुमास...से हुआ समापन

इसके अलावा आपकी आंखों में, सलोना सा साजन, आंखों की मस्ती में, चुपके-चुपके रात दिन, पिया तोसे, पत्ता पत्ता और आज जाने की जिद जैसी गजल और राग आधारित प्रस्तुतियां भी संगीत प्रेमियों को सुरों की दुनिया में डुबो दिया। कार्यक्रम का समापन मराठी गीत बहरला हा मधुमास... की मधुर प्रस्तुति ने समापन संस्था को और भी सुहाना बना दिया।

जरा सी आहट को पियोरा सुरों में

शाम के दौरान प्रस्तुत किए जाने वाले गीतों में नाम गुम जाएगा, नियत ए शौक, तू है तो दिल धड़कता है, चांदनी रात में, तुमको देखा तो ये खयाल आया और हम तेरे प्यार में जैसे मधुर गीत शामिल हैं। वहीं सदाबहार धुनों से सजी एक विशेष मेडले प्रस्तुति भी दी गई, जिसमें एहसान तेरा होगा मुझ पर, जब दीप जले आवा, मेरा साथ साथ दिया, इस मोड़ से जाते हैं और जरा सी आहट जैसे लोकप्रिय गीतों को गायिकाओं ने बेहद उम्रक ढंग से सुरों में पियोरा।

एलएनसीटी कॉलेज में आयोजित टेडेक्स 2026 में मुख्य वक्ता कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कहा

हरिभूमि न्यूज ►►मोपाल

लक्ष्मी नारायण कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, भोपाल में टेडेक्स एलएनसीटी भोपाल 2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रशासन, उद्योग, खेल, स्वास्थ्य, उद्यमिता एवं टेक्नोलॉजी से जुड़े प्रतिष्ठित वक्ताओं ने विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा किए और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भोपाल कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी प्रियंक मिश्रा ने विद्यार्थियों को आत्म-जागरूकता, अनुशासन और नेतृत्व के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने लक्ष्य स्पष्ट रखने चाहिए तथा निरंतर आत्ममूल्यांकन के माध्यम से स्वयं को बेहतर बनाते रहना चाहिए।



गौरांशी के संघर्ष और सफलता की कहानी ने किया भावुक

कार्यक्रम की विशेष आकर्षण रही भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एवं यूनिसेफ इंडिया यूथ एडवोकेट गौरांशी शर्मा, जिन्होंने युगल और बोलने में कठिनाई जैसी चुनौतियों के बावजूद 2022 डेव्लांपिक्स, बाजाल में स्वर्ण पदक जीतने की प्रेरणादायक यात्रा साझा की। उनके संघर्ष और सफलता की कहानी ने उपस्थित विद्यार्थियों को भावुक और प्रेरित किया।

10 मई को मदर्स डे मनाया जाएगा। ये दिन एक मां-बेटी की जोड़ी के लिए काफी खास है। इन दोनों ने ही इंटरनेशनल क्रिकेट खेला है। खास बात ये भी है कि बेटी ने दो देशों के लिए खेला है।

मदर्स डे पर विशेष

एजेसी ►► नई दिल्ली

मदर्स डे हर साल मई के दूसरे रविवार को मनाया जाता है। इस साल 10 मई को मदर्स डे मनाया जाएगा। इस खास मौके पर हम आपको एक ऐसी मां-बेटी की जोड़ी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट खेला है। इस जोड़ी ने अलग-अलग पीढ़ियों में एक ही देश के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलकर इतिहास रचा। ये कहानी है ऑस्ट्रेलिया की स्टाए ऑलराउंडर किम गार्थ और उनकी मां ऐनी-मैरी गार्थ की।

2020 में किम पहुंची ऑस्ट्रेलिया

लेकिन 2020 में किम ने अपना रुख ऑस्ट्रेलिया की ओर किया। उन्होंने क्रिकेट विटोरिया के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया और मेहनत के बाद 2022 में ऑस्ट्रेलिया की नेशनल टीम में जगह बनाई। अब वह तैनों फॉर्मेट में कनारू टीम के लिए खेल रही हैं और दुनिया की बेहतरीन ऑलराउंडरों में शुमार हैं।

14 साल की उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू

किम गार्थ ने सिर्फ 14 साल की उम्र में आयरलैंड की महिला टीम के लिए इंटरनेशनल डेब्यू कर दिया था। उस समय वह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाली दुनिया की सबसे युवा खिलाड़ी बन गई थीं। आयरलैंड के लिए किम ने 34 वनडे मैचों में 448 रन बनाए और 23 विकेट झटके। वहीं 51 टी20 इंटरनेशनल मैचों में उन्होंने 762 रन बनाए साथ ही 42 विकेट भी लिए, जिसके चलते फरवरी 2021 में उन्हें दशक की बेस्ट आयरलैंड महिला क्रिकेटर का खिताब भी मिला।

मां ने खेला इंटरनेशनल क्रिकेट

किम की मां ऐनी-मैरी गार्थ भी आयरलैंड की महिला टीम के लिए खेल चुकी हैं। उन्होंने 1988-89 के दौरान 12 वनडे मैच खेले, जिनमें 6 विकेट लेने के साथ 14 रन भी बनाए। क्रिकेट सिर्फ किम और उनकी मां तक ही सीमित नहीं है। उनके पिता जोनाथन गार्थ भी आयरलैंड के लिए खेले हैं। दोनों माई भी क्रिकेट से जुड़े हुए हैं। यानी पूरा परिवार क्रिकेट के मैदान पर अपना योगदान दे रहा है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
हैदराबाद	11	7	4	14
गुजरात	11	7	4	14
पंजाब	10	6	3	13
बेंगलुरु	10	6	4	12
राजस्थान	11	6	5	12
चेन्नई	10	5	5	10
कोलकाता	10	4	5	9
दिल्ली	11	4	7	8
मुंबई	10	3	7	6
लखनऊ	10	3	7	6

ऑरेंज कैप

पर्पल कैप

हेनरिक व्लासेन

494 रन

हैदराबाद

कगिसो राबाडा

18 विकेट

गुजरात

स्वबर संक्षेप

शंघाई विश्व कप : जाधव ने जीता कांस्य पदक
शंघाई। विश्व यूनिवर्सिटी खेलों के मौजूदा चैंपियन साहित जाधव ने तीरांदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में पुरुष कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। यह विश्व कप में उनका पहला पदक भी है। महाराष्ट्र के 25 वर्षीय तीरांदाज जाधव ने कांस्य पदक के प्लेऑफ मुकाबले में डेनमार्क के मार्टिन डैम्स्बो को 147-144 से हराकर मौजूदा टूर्नामेंट में भारत का पहला पदक हासिल किया। भारत ने इस पदक के साथ कंपाउंड वर्ग में अपने अभियान का भी समापन किया। इस वर्ग में भारत के अन्य खिलाड़ी पदक जीतने में नाकाम रहे थे। भारत को कंपाउंड टीम स्पर्धाओं में मजबूत टीम माना जाता है लेकिन उसकी सभी टीम शुरुआती दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गई। भारत अब रविवार को प्रतियोगिता के समापन दिवस पर रिकर्व स्पर्धा में दो और पदक जीतने की कोशिश करेगा।

ट्वेंटी२० चैंपियनशिप : शीर्ष 10 में पहुंचने के करीब भाटिया शालिट। भारतीय मूल के अमेरिकी गोल्फर अश्वय भाटिया दूसरे दौर में एक अंडर 71 का स्कोर बनाकर ट्वेंटी२० चैंपियनशिप में शीर्ष 10 में जगह बनाने के करीब पहुंच गए हैं। भाटिया एक समय शीर्ष 10 में शामिल हो गए थे लेकिन आखिरी क्षणों में दो बोगी करने से उन्हें नुकसान हुआ और अभी वह संयुक्त 12वें स्थान पर हैं। इस बीच रॉरी मैकलॉय (70-67) ने शीर्ष पर पहुंचने की तरफ कदम बढ़ाए। वह संयुक्त पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। कोरिया के सुंगजाई इम (64-69) नौ अंडर के कुल स्कोर के साथ शीर्ष पर पहुंच गए।

विश्व स्व्वाश चैंपियनशिप के अगले दौर में वीर चोटरानी नई दिल्ली। विश्व में 45वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी वीर चोटरानी ने अपने से बेहतर रैंकिंग के हमवतन खिलाड़ी अभय सिंह को पांच गेम तक चले कुड़े मुकाबले में हराकर मिश्र के गीजा में चल रही विश्व स्व्वाश चैंपियनशिप के पुरुष वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश किया। चोटरानी ने विश्व में 22वें नंबर के खिलाड़ी अभय को 14-12, 8-11, 5-11, 11-7, 11-2 से हराया।

गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को 77 रन से दी शिकस्त जीटी प्लेऑफ के करीब, आरआर टॉप-4 से बाहर

एजेसी ►► जयपुर

कप्तान शुभमन गिल की 84 रन की विस्फोटक पारी और साई सुदर्शन के शानदार अर्धशतक के बाद राशिद खान (33 रन पर 4 विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के कमाल से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग के अहम मुकाबले में शनिवार को राजस्थान रॉयल्स को 77 रन से शिकस्त देकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी संभावनाओं को मजबूत किया। टाइटंस ने मौजूदा सत्र का अपना सबसे बड़ा स्कोर 4 विकेट पर 229 रन बनाने के बाद रॉयल्स की पारी को 16.3 ओवर में 152 रन पर समेटकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। इस बड़ी जीत से टाइटंस की टीम अपना नेट रन रेट सुधारने में सफल रही। टीम की यह 11 मैचों में सातवीं जीत है और वह 14 अंक के साथ तालिका में पांचवें से दूसरे स्थान पर पहुंच गई। रॉयल्स इतने ही मैचों में पांचवीं हार के बाद 12 अंक के साथ पांचवें स्थान पर खिसक गई है।

राशिद को गेंदबाजी में जेसन होल्डर (12 रन पर 3 विकेट) और कागिसो राबाडा (33 रन पर 2 विकेट) का अच्छा साथ मिला। मोहम्मद सिराज ने 4 ओवर में 55 रन लुटाए, लेकिन वैभव सूर्यवंशी का अहम विकेट चटकाना। रॉयल्स के लिए रविंद्र जडेजा ने 25 गेंदों में 38, वैभव सूर्यवंशी ने 16 गेंदों में 36 और ध्रुव जुसल ने 10 गेंदों में 24 रन का योगदान दिया।

वैभव ने तोड़ा अभिषेक का रिकॉर्ड

वैभव आईपीएल के एक सीजन में पावरप्ले के अंदर सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वैभव आईपीएल 2026 में पावरप्ले में खेलते हुए अब तक 30 छक्के लगा चुके हैं। उन्होंने अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अभिषेक ने साल 2024 में पावरप्ले में 29 छक्के लगाए थे। वैभव 16 गेंदों में 225 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 36 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 3 चौके और तीन छक्के लगाए।

प्लेऑफ की आस बचाने उतरेगी सीएसके, एलएसजी से भिड़त आज

मैच : दोपहर 3.30 बजे

एजेसी ►► चेन्नई

अंकतालिका में छठे स्थान पर काबिज चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए रविवार को सबसे निचले पायदान पर मौजूद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। अब जबकि टूर्नामेंट अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है तब सीएसके शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में शामिल है। उसने अपने घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान दोनों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है। पांच बार का चैंपियन सीएसके अब चेर्पांक में वापसी करेगा। उसके पास एलएसजी के खिलाफ लय हासिल करने का बेहतरीन मौका है।

लखनऊ के लिए सत्र निराशाजनक

लखनऊ की टीम के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा और वह प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है। सीएसके का पूरा अभियान काफी हद तक संजु सैमरन के हार्ड-गिर्द घूमता रहा है, जिनकी शीर्ष क्रम में अच्छी पारियों ने अक्सर टीम की किस्मत तय की है। जहां टीम के नए खिलाड़ी सैमरन बल्लेबाजी के आधार स्तंभ के रूप में उभरे हैं, वहीं कप्तान रणुराज गायकवाड़ बल्लेबाजी में निरंतरता बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। रणुराज ने इस महीने की शुरुआत में 74 और 67 रन की महत्वपूर्ण पारियों के साथ फॉर्म में वापसी की है। वह हालांकि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में असफल रहे, जहां सैमरन ने 52 गेंदों में 87 रन की मैच विजेता पारी खेली।

सीएसके को कार्तिक, ओवरटन से अच्छे योगदान की उम्मीद

सीएसके की टीम को मध्य क्रम के बल्लेबाजों डेवाल्ड बेदिस, कार्तिक शर्मा, जेमी ओवरटन और शिवम दुबे से भी अच्छे योगदान की उम्मीद होगी। महेंद्र सिंह धोनी टूर्नामेंट शुरू होने से पहले लगी पिटली की चोट के कारण अभी तक कोई मैच नहीं खेल पाए हैं।

ब्लिट्ज : क्रिस्तोफ डुडा को हराकर 5वें स्थान पर गुकेश

वारसॉ। विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने ब्लिट्ज वर्ग में खराब शुरुआत के बाद वापसी करते हुए सुपर रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट के नौवें दौर में पोलैंड के जान क्रिस्तोफ डुडा पर शानदार जीत दर्ज की। गुकेश ने रैपिड वर्ग में 18 में से 9 अंक जुटाए। उन्होंने शुरुआती नौ ब्लिट्ज दौर से चार और अंक हासिल किए, जिससे टूर्नामेंट के आधे चरण में उनके 27 में से 13 अंक हो गए हैं। अमेरिका के हैस मोके नीमन पहले दिन के खराब प्रदर्शन के बावजूद तालिका में शीर्ष पर बरकरार हैं। नीमन 16.5 अंक से हमवतन वेस्ली सो से आधा अंक आगे हैं। वहीं अमेरिका के तीसरे खिलाड़ी फेबियानो कारुआना स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव के साथ 15-15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं जबकि गुकेश दो अंक पीछे अगले स्थान पर हैं।

एजेसी ►► कुआलालंपुर

पुखराज सिंह गिल ने 'आर एंड ए' की एडीटी प्लेयर्स चैंपियनशिप के तीन खिलाड़ियों के रोमांचक प्ले-ऑफ में धैर्य बनाए रखते हुए खिताब अपने नाम किया। गिल ने शुरुआती दौर से ही बढ़त कायम रखते हुए दबाव भरे पलों में मानसिक मजबूती दिखाई और पहली बार यह खिताब जीतने में सफल रहे। आईजीपीएल में खेलने वाले गिल ने अंतिम दौर में लय से भटकते हुए 72 का कार्ड खेलाकर कुल 13-अंडर का स्कोर बनाया। उनके साथ थानाविन ली (68) और सीन

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुने गए फर्नांडीस और 'बनी'

एजेसी ►► लंदन

मैनचेस्टर यूनाइटेड के कप्तान ब्रूनो फर्नांडीस को फुटबॉल कवर करने वाले पत्रकारों ने इंग्लैंड में खेलने वाले खिलाड़ियों में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुना जबकि मैनचेस्टर सिटी की स्ट्राइकर खादिजा 'बनी' शॉ ने दूसरी बार महिलाओं का पुरस्कार जीता।

इंग्लैंड में फुटबॉल का सत्र जबकि अंतिम दौर में चल रहा है तब फर्नांडीस ने फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन की ओर से दिए जाने वाला यह पुरस्कार हासिल

किया। उन्होंने इस सत्र में मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से 19 गोल करने में मदद की, जो कि रिकॉर्ड से सिर्फ एक कम है। उन्होंने टीम को चैंपियंस लीग में जगह दिलाने में भी मदद की।

पुखराज ने 72 का कार्ड खेलकर 13-अंडर का बनाया स्कोर

गिल ने रोमांचक प्लेऑफ में जीता पहला एडीटी खिताब

रामोस (68) भी बराबरी पर रहे। गिल ने प्ले-ऑफ के दूसरे होल के बाद खिताब के साथ पुरस्कार के तौर पर 19,250 डॉलर की राशि भी अपने नाम की। इस जीत के साथ गिल ने एडीटी ऑर्डर ऑफ मेरिट की दौड़ में

अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। चार प्रतियोगिताओं के बाद गिल फिलहाल ऑर्डर ऑफ मेरिट में तीसरे स्थान पर हैं।

कार्तिक ने बनाया 65 का स्कोर

इस प्रतियोगिता के कट में प्रवेश करने वाले अन्य भारतीयों में कार्तिक सिंह ने दिन का सर्वश्रेष्ठ 65 का स्कोर बनाया और संयुक्त 30वें स्थान पर रहे। वहीं, खालिन जोशी 77 के स्कोर के साथ संयुक्त 46वें स्थान पर रहे। गिल ने दूसरे प्ले-ऑफ होल में छह फीट का पुट लगाकर जीत पक्की की।

जीत का इंतजार काफी लंबा : गिल

गिल ने कहा, इस जीत का इंतजार काफी लंबा रहा। यह एहसास अविश्वसनीय है। मुझे लगाता है कि इसे पूरी तरह महसूस करने में थोड़ा समय लगेगा, लेकिन फिलहाल मैं बेहद उत्साहित हूँ। मलेशिया में यह सप्ताह शानदार रहा। पहली बार इस कोर्स पर खेलते हुए मुझे हल्का डिजाइन बहुत पसंद आया। यह मेरे खेल के अनुकूल था और खुशी है कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सका। उन्होंने कहा, अंतिम क्षणों में मुकाबला मेरी उम्मीदों से कहीं ज्यादा रोमांचक हो गया और मामला प्ले-ऑफ तक पहुंच गया।

मुंबई के खिलाफ आज बेंगलुरु को खेलनी होगी विस्फोटक पारी

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

पिछले दो मैच में हार से वापसी के लिए बेताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को अगर अपना अभियान पटरी पर लाना है तो मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार को होने वाले आईपीएल में उसके बल्लेबाजों को दमदार प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी और अपने पहले चार मैच जीते थे। तब उसके लिए प्लेऑफ में प्रवेश महज एक औपचारिकता लग रहा था। लेकिन अब स्थिति बदल गई है। मौजूदा चैंपियन टीम अपने पिछले 5 मैचों में से 3 मैच हार गई है, जिससे उसके समीकरण बिगड़ गए हैं। आरसीबी अभी 10 मैचों में 12 अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर है और वह प्लेऑफ में पहुंचने का मजबूत दावेदार है।

प्लेऑफ की आस बचाने उतरेगी चेन्नई

चेन्नई। अंकतालिका में छठे स्थान पर काबिज चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए रविवार को सबसे निचले पायदान पर मौजूद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

अब जबकि टूर्नामेंट अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है तब सीएसके शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में शामिल है। उसके अभी तक के अभियान में निरंतरता का अभाव रहा है। उसने अपने घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान दोनों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है। पांच बार का चैंपियन सीएसके अब चेर्पांक में वापसी करेगा। उसके पास एलएसजी के खिलाफ लय हासिल करने का बेहतरीन मौका है।



67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना

सच्ची सहेली

आयुर्वेदिक टॉनिक और टेबलेट्स
कठिन समस्याओं में अति सहायक है।

24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in

विशेष समस्याओं के लिए

भरोसेमंद टॉनिक

Helps in:

कठिन दर्द

चिड़चिड़ापन

थकान

कमजोरी

कमर कटना

इम्यूनिटी



Clinically Tested

बेला यादव 20 सालों से अकेले ही कर रही पशुओं की सेवा

योगेश मालवीय ►► सारणी

मां केवल जन्म देने वाली ही नहीं होती, ममता और सेवा का दूसरा नाम भी मां ही है। आज जब मातृ दिवस पर हर कोई अपनी मां को याद कर रहा है, तब स्टेट हाईवे-46 पर सारणी और राजडोह के बीच दमुआ रोड पर गोशाला संचालित करने वाली अम्मा का जीवन पूरे समाज के लिए एक प्रेरणा बन जाता है, जो लोगों को प्रकृति से जुड़कर गो संरक्षण करने और उसे संभालने का संदेश देता है।

हम बात कर रहे हैं, सारणी के समीप दमुआ रोड पर एक छोटे से



गोवंश के साथ अपने घर में अम्मा बेला यादव।

स्थान पर संचालित अम्मा की गोशाला का, जहां मानवता, करुणा और मातृत्व की अनूठी मिसाल देखने को मिलती है, जिसे देखकर हर

गुजरने वाले की आंखें नम हो जाती हैं। यहां रहने वाली बेला यादव को आसपास के लोग प्यार से अम्मा कहकर बुलाते हैं।

अम्मा की गोशाला में पल रहे 60 से ज्यादा गोवंश और कई बेजुबान प्राणी

पूरा जीवन गो सेवा को किया समर्पित

अम्मा करीब 20 सालों से अकेले ही लगभग 60 से ज्यादा गोवंशों और कई बेसहारा कुत्तों की भी सेवा कर रही हैं। लगभग 50 वर्ष पुराने इस गोशाला की शुरुआत अम्मा और उनके पति भूरा यादव ने मिलकर की थी। दोनों पति-पत्नी दशकों तक मिलकर बेसहारा और घायल गोवंशों की सेवा करते रहे। लेकिन अचानक पति का निधन हो जाने के बाद भी अम्मा ने हिम्मत नहीं हारी और पिछले लगभग 20 वर्षों से अकेले ही पूरी गोशाला की जिम्मेदारी खुद संभाल रही हैं। वे बताती हैं कि उनके पति के निधन के बाद उनके परिवार में और कोई सदस्य न होने से जीवन में अकेलापन आ गया, तब अम्मा ने अपना पूरा जीवन गोमाता की सेवा में समर्पित कर दिया। अब उनका परिवार यही गोवंश हैं। अम्मा कहती हैं मेरे आगे-पीछे अब कोई नहीं है, बस यही गायें और बछड़े मेरे परिवार के सदस्य हैं। उन्हीं की सेवा करते-करते सुकून से जिंदगी कट रही है।

दर्जनभर से अधिक गोवंश और आधा दर्जन से ज्यादा स्वानों की कर रहीं देखभाल

बेजुबानों की मां बनीं सुमन, बच्चों की तरह कर रही हैं लालन-पालन

नीरज त्रिपाठी/लोकेंद सिंह ठाकुर ►► गुना

शहर की सिविल लाइन निवासी सुमन डोंगरे आज उन लोगों के लिए प्रेरणा बन गई हैं, जो समाज में सिर्फ इंसानों ही नहीं बल्कि बेजुबान पशुओं के प्रति भी संवेदनशीलता रखने का संदेश देते हैं। सुमन पिछले करीब पांच वर्षों से दर्जनभर से अधिक बेसहारा गोवंश और आधा दर्जन से ज्यादा स्वानों का पालन-पोषण अपने बच्चों की तरह कर रही हैं।



अपने परिवार और गोवंश के साथ सुमन डोंगरे।

चार बेटियां भी निभा रहीं जिम्मेदारी, पड़ोसियों का भी मिल रहा सहयोग

सुमन डोंगरे के इस सेवा कार्य में उनकी चारों बेटियां भी पूरी निष्ठा से सहयोग कर रही हैं। पशुओं को खाना खिलाने से लेकर उनकी साफ-सफाई और देखभाल तक की जिम्मेदारी परिवार मिलकर निभाता है। बेटियां भी अपनी मां की तरह बेजुबानों के प्रति दया और संवेदनशीलता का भाव रखती हैं। सुमन के इस अभियान में कई पड़ोसी भी मदद के लिए आगे आते हैं। कोई पशुओं के लिए चारा उपलब्ध कराता है तो कोई भोजन और दवाइयों में सहयोग देता है।

नाम पुकारने पर दौड़े चले आते हैं पशु

आज सुनीता घर और आसपास का परिसर गोवंश और स्वानों के लिए सुरक्षित आशियाने जैसा बन चुका है। सुमन उन्हें समय पर भोजन, पानी और उपचार उपलब्ध कराती हैं। बीमार या घायल पशुओं की विशेष देखभाल भी की जाती है। आसपास के लोग बताते हैं कि सुमन हर पशु को नाम से पहचानती हैं और उनके प्रति मां जैसा स्नेह रखती हैं। वे पशुओं को नाम से बुलाती हैं तो दौड़े चले आते हैं। उधर जब पशु रम्हाते हैं तो सुमन समझ जाती हैं कि उन्हें भूख लगी है या पानी चाहिए।

गोवंश को घायल देखकर बदल गई जिंदगी की दिशा करीब पांच वर्ष पहले एक बेसहारा गाय दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गई थी। सड़क किनारे तड़पते उस पशु को देखकर सुमन डोंगरे का मन द्रवित हो उठा। उन्होंने गाय का उपचार कराया और उसकी सेवा की। इसी घटना ने उनके भीतर बेजुबान पशुओं के प्रति सेवा और सहायता देने की भावना को जन्म दिया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और धीरे-धीरे बेसहारा पशुओं को अपने परिवार का हिस्सा बनाती चली गईं।

नंदिर में सर्पगंधा, अश्वगंधा, रुद्राक्ष के पौधों की बनाई वाटिका

प्राचार्य विनीता ने गो-संरक्षण से रचा प्रेरणा का संसार, गोवंश को बनाया अपना परिवार

असलम अहमद ►► मुलताई

प्रकृति मानव जीवन का आधार है। हम प्रकृति का ऋण केवल उसके साथ प्रेमपूर्वक विचारण और संरक्षण करके ही उतार सकते हैं। यह प्रेरणादायक विचार हैं, न्यू कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल की प्राचार्य विनीता अनीश नायर के हैं, जो पिछले 15 वर्षों से प्रकृति प्रेम, पर्यावरण संरक्षण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता की जीवंत मिसाल बनी हुई हैं।



गोवंश के साथ प्राचार्य विनीता नायर।

गोबर से बायोगैस और जैविक खाद का निर्माण

विनीता नायर केवल गोपालन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे गोसंरक्षण को आत्मनिर्भर और पर्यावरण हितैषी मॉडल के रूप में भी विकसित कर रही हैं। गायों के गोबर से बायोगैस और जैविक खाद तैयार की जाती है, जिसका उपयोग जैविक सब्जियों और फसलों के उत्पादन में किया जाता है। उनकी यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को प्रकृति के साथ सतुलित जीवन जीने की प्रेरणा भी प्रदान करती है।

नाम पुकारते ही दौड़ आती हैं लक्ष्मी, कपिला और नंदिनी

आज के दौर में जहां देशी गायों का पालन लगातार कम होता जा रहा है और वे सड़कों पर आवारा पशुओं के रूप में नजर आती हैं, वहीं विनीता नायर ने छह देशी गायों को अपने परिवार का हिस्सा बनाकर गोसंरक्षण की प्रेरक मिसाल पेश की है। उनके यहां लक्ष्मी, कपिला, शंभू, नंदिनी, पार्वती सहित सभी गोमाता परिवार के सदस्य की तरह रहती हैं। आश्चर्य की बात यह है कि जैसे ही उनका नाम लेकर पुकारा जाता है, वे स्नेहपूर्वक दौड़ी चली आती हैं।



बालाजी मंदिर परिसर में लगाए गए प्राचार्य विनीता के पेड़-पौधे।

एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था की प्राचार्य होने के बावजूद विनीता नायर ने अपने व्यस्त जीवन में पर्यावरण संरक्षण को विशेष स्थान दिया है। मुलताई नगर के मासोद रोड स्थित न्यू कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल और समीप स्थित दक्षिणेश्वर बालाजी मंदिर परिसर को उन्होंने हरियाली और जैविक जीवमण्डली का मनमोहक केंद्र बना दिया है। यहां आम, नारियल, चिकू सहित अनेक फलदार वृक्षों के साथ औषधीय पौधों की सुसज्जित व्हायरिया आकर्षण का केंद्र हैं। सर्पगंधा, अश्वगंधा, हींग, तेजपत्ता, दालचीनी, रुद्राक्ष और काली हल्दी जैसे दुर्लभ एवं उपयोगी पौधों की सुगंध पूरे परिसर को प्राकृतिक उर्जा से भर देती है। इसके साथ ही यहां विभिन्न प्रकार के जैविक अनाज और सब्जियों का उत्पादन भी किया जा रहा है, जो प्राकृतिक खेती के महत्व को दर्शाते हुए लोगों को इसके लिए प्रेरित भी करता है।

मंडई खुर्द की महिलाओं ने मछली पालन से बदली अपनी व परिवार की तकदीर

संजय द्विवेदी ►► बैतूल

बैतूल जिले के छोटे से गांव मंडई खुर्द में चार एकड़ के सामुदायिक तालाब से कमाई तो होती थी, लेकिन उसका लाभ गांव की महिलाओं तक नहीं पहुंचता था। गांव की दीदियां वर्षों तक यह सब देखती रहीं। एक दिन 18 महिलाओं ने मिलकर मछली रानी स्व-सहायता समूह बनाया। हर दीदी ने अपनी बचत से 1 हजार रुपए जोड़े। आजीविका मिशन एवं प्रदान संस्था ने 20 हजार का सहयोग दिया। पंचायत ने तालाब समूह को सौंप दिया।



गांव मंडई खुर्द में मछली पालन करती दीदीयां का समूह।

शुरुआत आसान नहीं थी। दीदीयां पवारखेड़ा और चोपना के विजित पर गईं। तालाब तैयार करने का प्रशिक्षण लिया। बिना किसी रासायनिक उपयोग

के तालाब तैयार किया गया। इसके बाद रोहू, कतला, मृगल, कॉमन कार्प और ग्रास कार्प के 136 किलो बीज तालाब में डाले गए।

खरीदारी करने मसुआरे खुद पहुंचते हैं गांव

हर रविवार समूह की बैठक होती है, नियमित बचत जमा होती है और अगले सप्ताह की जिम्मेदारियां तय की जाती हैं। समूह की संतरी वाड़ीवा, ललिता परते और सुवर्णा अहाते ने बताया कि आज हालात यह हैं कि मछली खरीदने के लिए मसुआरे खुद गांव पहुंचते हैं, लेकिन इस कहानी की सबसे बड़ी बात सिर्फ कमाई नहीं है। यह पहल गांव में पोषण सुधार का माध्यम भी बनी है। आज महिलाएं अपने परिवार और अपने बच्चों को अच्छा जीवन दे रही हैं।



गृह मंत्रालय
भारत
सरकार

हमारी जनगणना हमारा विकास

जनगणना 2027 का पहला चरण

मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना

जनगणना: गोपनीयता की गारंटी

आपकी जानकारी, पूरी तरह सुरक्षित

- जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत पूरी गोपनीयता
- सुरक्षित सर्वर पर एन्क्रिप्टेड डेटा
- रिपोर्ट में सिर्फ कुल आंकड़े प्रकाशित होते हैं
- नाम-पता किसी को नहीं दिया जाता
- टैक्स, पुलिस या जांच में उपयोग नहीं

जनगणना 2027

भरोसा भी, भागीदारी भी

- सही जानकारी दें
- निडर होकर दें
- देश के विकास में साथ दें

निश्चित रहें

आपकी जानकारी

- सुरक्षित रहेगी
- गोपनीय रहेगी
- सिर्फ राष्ट्र-निर्माण के काम आयेगी



CBC 19108/13/0086/2627

चलो निभाएं अपनी जिम्मेदारी करें जनगणना में भागीदारी

टोल फ्री - 1855

CensusIndia2027